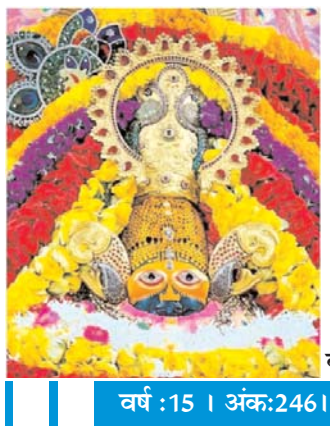

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:246। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com

!! अहमदाबाद , (मंगलवार)28 अप्रैल 2026 !!

सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-

पीएम मोदी ने गंगटोक में किया रोड शो

•आज देंगे 4,000 करोड़ रुपये से अधिक परियोजनाओं की सौगात

एजेंसी

गंगटोक। दो दिवसीय यात्रा पर सिक्किम पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार शाम को गंगटोक में विशाल रोड शो किया। पीएम राज्य के 50वें स्थापना दिवस समारोह के समापन कार्यक्रम में शिरकत करने पहुंचे हैं। पीएम मंगलवार को राज्य को 4,000 करोड़ रुपये से अधिक परियोजनाओं की सौगात देंगे। लेपचा कोट पहने पीएम मोदी का लिबिंग सैन्य हैलिपैड पहुंचने पर राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर, मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग और अन्य वरिष्ठ नेताओं ने स्वागत किया। हेलिपैड से शुरू हुआ रोडशो लोक भवन पर खत्म हुआ। पीएम रात में यहीं रुकेंगे।

खुली गाड़ी में पीएम मोदी के बाईं ओर सीएम तमांग और दाईं ओर राज्य भाजपा अध्यक्ष डी.आर. थापा मौजूद थे।

गांजू द्वार से लोक भवन तक के रास्ते पर लोग पारंपरिक परिधान में नजर आए। लोग राष्ट्रीय ध्वज लहराते हुए प्रधानमंत्री की एक झलक पाने का इंतजार कर रहे थे। लोगों ने हाथ हिलाकर तथा नारे लगाकर प्रधानमंत्री का अभिवादन किया।

पीएम ने भी हाथ जोड़कर लोगों का अभिवादन स्वीकार किया।

•पीएम मोदी ने मंगलवार को पालजोर स्टेडियम में समापन समारोह में शामिल होंगे। इस दौरान वह राज्य में चार हजार करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास और लोकार्पण करेंगे।

इन परियोजनाओं में बुनियादी ढांचा, कनेक्टिविटी, स्वास्थ्य, शिक्षा, ऊर्जा, शहरी विकास, पर्यावरण, पर्यटन और कृषि क्षेत्र से जुड़ी योजनाएं शामिल हैं। प्रधानमंत्री की इस यात्रा को राजनीतिक और विकास दोनों ही दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

भारत-न्यूजीलैंड के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट साइन हुआ

•अब सभी एक्सपोर्ट पर ड्यूटी जीरो हुई •5000 भारतीयों को वर्किंग वीजा मिलेगा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत-न्यूजीलैंड के बीच सोमवार (27 अप्रैल) को फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (FTA) साइन हो गया है। अब भारत से न्यूजीलैंड भेजे जाने वाले लेदर प्रोडक्ट्स, टेक्सटाइल, प्लास्टिक और इंजीनियरिंग गुड्स जैसे सामानों पर कोई एक्सपोर्ट ड्यूटी नहीं लगेगी। जिससे इन श्रम-प्रधान क्षेत्रों यानी लेबर इंटेंसिव सेक्टर्स को सीधा लाभ होगा। न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने इसे एक पीढ़ी में एक बार होने वाला समझौता बताया। वहीं मिनिस्टर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री पीयूष गोयल ने इसे भारत-न्यूजीलैंड आर्थिक संबंधों में

नए अध्याय की शुरुआत बताया है। पीयूष गोयल ने कहा कि यह FTA विश्वास, साझा मूल्यों और टिकाऊ आर्थिक विकास के साझा विजन को दर्शाता है। यह समझौता भारत के लिए ओशिनिया और प्रशांत द्वीपीय बाजारों तक पहुंचने का गेटवे भी बनेगा।

न्यूजीलैंड 15 साल में भारत में 1.8 लाख करोड़ रुपये का निवेश करेगा

•एग्रीमेंट का मुख्य उद्देश्य दोनों देशों के बीच बाइलेटरल ट्रेड को दोगुना करना और भारत में बड़े विदेशी निवेश को आकर्षित करना है।

•एग्रीमेंट के तहत न्यूजीलैंड से अगले 15 साल में भारत में 20 बिलियन डॉलर (करीब 1.8 लाख करोड़ रुपये) का निवेश आने की उम्मीद है।

•पीयूष गोयल ने कहा कि इस समझौते से भारतीय व्यापारियों, विशेषकर आगरा के लेदर एक्सपोर्टर्स के लिए बड़े अवसर खुलेंगे।

•सर्विस सेक्टर में भारत ने IT, शिक्षा, फाइनेंशियल सर्विसेज, कंस्ट्रक्शन और टूरिज्म जैसे हाई-वैल्यू सेक्टरों में बाजार पहुंच हासिल की है। समझौते के तहत AYUSH, योगा इंस्ट्रक्टर्स, इंडियन शेफ और म्यूजिक टीचर्स के लिए भी रास्ते खुलेंगे।

•FTA में एक नया टेम्परेरी एम्प्लॉयमेंट एंट्री वीजा का रास्ता बनाया गया है। इसके तहत हर साल 5,000 भारतीय स्किल्ड प्रोफेशनल्स न्यूजीलैंड में 3 साल तक काम कर सकेंगे। इंजीनियरिंग, हेल्थकेयर और एजुकेशन सेक्टर में खासतौर पर मौके होंगे। इसके अलावा भारतीय वाइन और स्पिरिट्स को भी न्यूजीलैंड के बाजार में ड्यूटी फ्री एक्सेस मिलेगा।

•न्यूजीलैंड को भारतीय बाजार में पहुंच देने के लिए भारत ने अपनी 70फीसदी टैरिफ लाइन्स खोल दी हैं। इसमें सेब, कीवीफ्रूट और मनुका हनी जैसे कृषि उत्पादों पर टैरिफ रियायतें दी गई हैं, लेकिन ये कोटा लिमिट और मिनिमम इम्पोर्ट प्राइस की शर्तों के साथ होंगी।

दिल्ली-यूपी से महाराष्ट्र तक बरस रही आग

ओडिशा में भी तापमान बढ़ा; सतर्क रहने की सलाह जारी

दिल्ली में 43.5°C तापमान में आर्मी व्हीकल की छांव में बैठकर तपिश से राहत पाती एक महिला।

आगरा में 43.9°C पारा होने के बाद ताज महल के पास एक कर्मचारी कूलर साफ करता नजर आया।

एजेंसी

नई दिल्ली। देशभर में गर्मी ने विकराल रूप ले लिया है और आसमान से आग बरसती महसूस हो रही है। फिर चाहे राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली हो या फिर उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र या फिर ओडिशा। गर्मी के इस भीषण कहर से देश का लगभग-लगभग सभी राज्य बेहाल है। आम तौर पर मध्य मई से शुरू होने वाली गर्मी इस बार अलग प्रकार से कहर ढाने में लगी है। तभी तो अप्रैल से ही तापमान 40 डिग्री के पार पहुंच चुका है। लू के थपेड़े लोगों को झुलसा रहे हैं और दोपहर में बाहर निकलना खतरे से खाली नहीं। मौसम विभाग ने साफ चेतावनी दी है कि हालात और बिगड़ सकते हैं, ऐसे में सतर्क रहना बेहद जरूरी है। बढ़ती गर्मी को लेकर भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने चेतावनी दी है कि आने वाले दिनों में कई जिलों में तापमान और बढ़ सकता है। तेज गर्मी के कारण लोगों की सेहत पर असर पड़ने का खतरा भी बढ़ गया है।

शहर	तापमान	शहर	तापमान
जयपुर	44°	देहरादून	39°
लखनऊ	44°	दिल्ली	43°
भोपाल	42°	मुंबई	35°
पटना	40°	अहमदाबाद	43°
रायपुर	45°	कोलकाता	36°
रांची	38°	चेन्नई	38°
चंडीगढ़	41°	बेंगलुरु	36°
शिमला	27°	हैदराबाद	41°

28 अप्रैल:

बिहार, छत्तीसगढ़, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, मध्य प्रदेश, पंजाब, महाराष्ट्र, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में हीटवेव चलेगी। हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, ओडिशा और उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में गर्म रातें रहने की भी आशंका है। आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, गुजरात, गोवा, ओडिशा और तमिलनाडु में बहुत ज्यादा गर्म और उमस भरा मौसम हो सकता है।

29 अप्रैल:

मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, उत्तर प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, ओडिशा, हरियाणा, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, पंजाब और महाराष्ट्र में हीटवेव का अलर्ट है। असम और मेघालय में भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है। उत्तराखंड में ओलावृष्टि, बिजली और तेज हवाओं के साथ गरज-चमक वाले तूफान की आशंका है।

बंगाल में थमा चुनावी शोर

•भाजपा बोली- टीएमसी ने घुसपैठियों का गढ़ बनाया; ममता ने राज्य को बांटने का लगाया आरोप

एजेंसी

कोलकाता। भाजपा का प्रचार और आरोप प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सहित कई भाजपा नेताओं ने राज्य में प्रचार किया। उन्होंने टीएमसी पर कानून व्यवस्था बिगड़ने, महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों, राजनीतिक अशांति, घुसपैठ और भ्रष्टाचार को लेकर हमला किया। मोदी ने मतुआ समुदाय से संपर्क साधा और उनसे नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए) पर टीएमसी के 'झूठ' से गुमराह न होने का आग्रह किया। उन्होंने सभी शरणार्थियों को देश में स्थायी निवास का आश्वासन दिया। शाह ने कहा कि भाजपा के सत्ता में आने पर पशु तस्करी रोकने और मवेशियों की रक्षा के लिए एक विशेष दस्ता बनाया जाएगा। उन्होंने ममता बनर्जी पर तस्करों की मदद करने का आरोप लगाते हुए 'गुंडा राज' और 'सिंडिकेट राज' खत्म करने का वादा किया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि एक पूर्व विधायक हुमायूं कबीर को मुर्शिदाबाद जिले में बाबरी मस्जिद की तर्ज पर एक मस्जिद का निर्माण शुरू करने की अनुमति दी गई थी। शाह ने 4 मई के बाद 'भाइपो कर' खत्म करने और महिलाओं व बेरोजगार युवाओं के लिए 3,000 रुपये मासिक भत्ता तथा राज्य परिवहन में महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा का भी वादा किया।

टीएमसी का पलटवार और वादे-

टीएमसी नेता और सांसद अभिषेक बनर्जी ने पलटवार करते हुए आरोप लगाया कि भाजपा अपने वादों को पूरा करने में विफल रही है। इनमें 'हर बैंक खाते में 15 लाख रुपये और सालाना दो करोड़ नौकरियां' जैसे वादे शामिल हैं। 23 अप्रैल को पहले चरण के मतदान के बाद अपनी एक रैली में टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी ने दावा किया कि उनकी पार्टी ने 100 सीटों का आंकड़ा पार कर लिया है। उन्होंने सत्ता बरकरार रखने का विश्वास व्यक्त किया। बनर्जी ने शाह पर चुनाव के बाद तृणमूल कार्यकर्ताओं के खिलाफ उनके 'उल्टा लटका देंगे' वाले बयान को लेकर भी निशाना साधा।

राफेल फाइटर जेट को मिलेगा स्वदेशी टच

एफडीआर एनालिसिस सॉफ्टवेयर विकसित करने की तैयारी में भारतीय वायुसेना

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना अपने कम होते फाइटर स्क्वाड्रन को पूरा करने के लिए स्वदेशी और विदेशी दोनों तरह के फाइटर जेट खरीद रही है। स्वदेशी तेजस के ऑर्डर दिए जा चुके हैं। हालांकि, अभी तक केवल 38 फाइटर जेट ही प्राप्त हुए हैं। एलसीए मार्क 1ए की डिलीवरी अभी तक शुरू नहीं हुई है। इसी के साथ, अतिरिक्त 114 राफेल विमानों की खरीद प्रक्रिया भी जारी है। वायुसेना के पास पहले से ही 36 राफेल लड़ाकू विमान मौजूद हैं। अब भारतीय वायुसेना भविष्य में राफेल के लिए फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर (एफडीआर) एनालिसिस हेतु स्वदेशी सॉफ्टवेयर विकसित करने पर भी काम कर रही है। एयरफोर्स द्वारा तैयार किए गए कैपेबिलिटी रोडमैप में राफेल को भविष्य में स्वदेशी तकनीक से लैस करना भी शामिल है। दरअसल, भारतीय वायुसेना के अनुसार राफेल के मूल उपकरण निर्माता (ओईएम) द्वारा प्रदान किया गया फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर (एफडीआर) एनालिसिस सॉफ्टवेयर लगभग 400 उड़ान मानकों को प्रोसेस करता है।

श्रेष्ठ की धमक: भ्रष्टाचार पर प्रहार या सियासत का हथियार 'वॉशिंग मशीन' और 'कानूनी शिकंजे' के बीच फंसी जनता की समझ

महानगर मेट्रो

अहमदाबाद/नई दिल्ली: आज देश की सियासत में एक नाम की सबसे ज्यादा गूंज है– ED (प्रवर्तन निदेशालय)। सुबह की चाय हो या शाम की चर्चा, हर जगह एक ही सवाल तैर रहा है कि क्या ED वाकई भ्रष्टाचार के खिलाफ जंग लड़ रही है या यह केवल राजनीतिक विरोधियों को ठिकाने लगाने का एक जरिया मात्र है? 'महानगर मेट्रो' आज इस पेचीदा विषय की हर परत को बेबाकी से आपके सामने रखेगा।

1. कानून की ताकतः क्या वाकई ED सरकार की 'कठपुतली' है?

संवैधानिक और कानूनी तौर पर देखें तो श्रेष्ठ सीधे किसी के घर छापा नहीं मार सकती। इसके पीछे PMLA (प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की वो ताकत है, जो इसे बेहिसाब अधिकार देती है। नियम कहता है कि जब तक कोई दूसरी एजेंसी (जैसे पुलिस या CBI) FIR दर्ज न करे, ED दखल नहीं दे सकती। लेकिन सवाल यहीं से शुरू होता है– क्या FIR

का आधार और फिर ED की एंट्री, केवल चुनिंदा चेहरों के लिए ही होती है?

2. धारा 45: जब प्रक्रिया ही बन जाए सजा!

कानून के जानकारों का मानना है कि PMLA की धारा 45 इस कानून को 'अजेय' बनाती है। इसमें आरोपी को जमानत मिलना लगभग नामुमकिन हो जाता है। यही कारण है कि कई बार दोष सिद्ध होने से पहले ही आरोपी को महीनों और सालों तक जेल में रहना पड़ता है। विपक्ष का आरोप है कि सरकार इसी 'प्रोसेस' को सजा की तरह इस्तेमाल कर रही है ताकि विरोधियों की आवाज को दबाया जा सके।

3. 'वॉशिंग मशीन' सिंड्रोम और गिरता कन्विकशन रेट

सबसे बड़ा विवाद तब पैदा होता है जब आंकड़े सामने आते हैं। विपक्ष का दावा है कि ED की 90' से अधिक कार्रवाई विपक्षी नेताओं पर है। चर्चा तो उस 'वॉशिंग मशीन' की भी है, जिसमें जाते ही दागी नेता 'साफ-सुथरे' होकर सत्ता पक्ष के पाले में खड़े हो जाते हैं और अचानक उनकी जांच की फाइलें ठंडे बस्ते में चली जाती हैं। हालांकि, सरकार का तर्क साफ है– 'जांच एजेंसियां स्वतंत्र हैं, और जिसने चोरी की है, उसे तो डरना ही होगा।'

4. सुप्रीम कोर्ट की नसीहत और निष्पक्षता का सवाल

हाल ही में देश की सर्वोच्च अदालत ने भी कड़े शब्दों में कहा है कि जांच एजेंसियों को 'प्रतिशोध' की भावना से ऊपर उठकर निष्पक्षता से काम करना चाहिए। लोकतंत्र में कानून का डर जरूरी है, लेकिन कानून का 'खौफ' पैदा करना एक स्वस्थ लोकतंत्र की निशानी नहीं है।

महानगर मेट्रो नजरिया:

भ्रष्टाचार मुक्त भारत का सपना हर नागरिक का है, और इसके लिए कड़े कानूनों की जरूरत भी है। लेकिन जब कानून की तलवार केवल एक दिशा में चलने लगे, तो न्याय प्रणाली पर सवाल उठना स्वाभाविक है। श्रेष्ठ का इकबाल तभी बुलंद रहेगा जब उसकी कार्रवाई पक्ष और विपक्ष से ऊपर उठकर केवल और केवल 'सत्य' पर आधारित होगी।

आपकी रायः क्या ED की कार्रवाई केवल भ्रष्टाचार के खिलाफ है या इसमें राजनीति हावी है? अपनी प्रतिक्रिया हमें साझा करें।

सीएम धामी ने हेमा मालिनी से की मुलाकात

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अभिनेत्री व मथुरा से लोकसभा सदस्य हेमा मालिनी से मुलाकात की। इसकी तस्वीरें सीएम धामी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स पर पोस्ट कीं, जिसमें वह एक गिफ्ट बैग लिए हुए हेमा मालिनी को सौंपते दिख रहे हैं। वहीं हेमा भी उसे सम्मानपूर्वक स्वीकार करती नजर आ रही हैं। दोनों के चेहरे पर हल्की मुस्कान है। यह मुलाकात नई दिल्ली स्थित उत्तराखंड निवास में हुई। इस तस्वीर को एक्स प्लेटफॉर्म पर शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, ''नई दिल्ली के उत्तराखंड निवास में अभिनेत्री व मथुरा से माननीय लोकसभा सांसद हेमा मालिनी जी से भेंट हुई। इस अवसर पर उन्हें उत्तराखंड के स्थानीय उत्पादों के अम्ब्रेला ब्रांड 'हाउस ऑफ हिमालयाज' के उत्पाद उपहार स्वरूप भेंट किए।''

यूपी के 50 जि बंगाल का उत्साह बता रहा, टेरर-माफियाराज और कटमनी की सरकार से मिलेगी मुक्ति : सीएम योगी

•सीएम योगी ने भी सड़कों पर उमड़े लोगों पर बीच-बीच में पुष्पवर्षा की।

एजेंसी

नदिया। पश्चिम बंगाल के कल्याणी विधानसभा क्षेत्र की सड़कें सोमवार को 'वंदे मातरम, भारत मां, जयश्रीराम, हिंदू सम्राट, बुलडोजर बाबा' के जयकारों से गूंज उठीं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ यहां भाजपा उम्मीदवार अनुपम विश्वास के लिए चुनावी रथ पर रोड-शो करने निकले तो जैसे जनसमुद्र उमड़ पड़ा। बंगाल में 'बुलडोजर बाबा' के नाम से पुकारे जा रहे सीएम योगी ने भी सड़कों पर उमड़े लोगों पर बीच-बीच में पुष्पवर्षा की। सीएम योगी के साथ भाजयुमो के राष्ट्रीय अध्यक्ष व सांसद तेजस्वी सूर्या भी उपस्थित रहे। सीएम योगी के रथ के आगे मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम, मां सीता, लक्ष्मण व संकटमोचन हनुमान के वेष में कलाकार चल रहे थे। आध्यात्मिक धरा पर इस वेशभूषा में कलाकारों को देख हर कोई उनके प्रति श्रद्धा निवेदित करता रहा। सीएम योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में जयश्रीराम का उद्घोष करते दिखे। सीएम योगी ने भी आश्वस्त किया कि 4 मई के बाद बंगाल में माफियाराज समाप्त हो जाएगा।

निवेशकों को कृषि क्षेत्र की संभावनाओं को जानने का मिलेगा अवसर : भजनलाल शर्मा

•'महिला सशक्तीकरण और युवाओं के भविष्य को सुदृढ़ करने के लिए भी राज्य सरकार अच्छा कार्य कर रही है।'

एजेंसी

जयपुर। राज्यसभा सांसद नितिन नवीन एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 23 से 25 मई तक जयपुर में आयोजित होने वाले ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट-2026 (ग्राम-2026) को लेकर सोमवार को 15 दिवसीय ग्राम रथ अभियान की शुरूआत की। ओटीएस में आयोजित हुए इस कार्यक्रम के दौरान रवाना किए गए ग्राम रथों के जरिए प्रदेश की सभी ग्राम पंचायतों तक पहुंचकर ग्राम-2026 का प्रचार-प्रसार किया जाएगा। साथ ही, राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाई जाएगी। राज्यसभा सांसद नितिन नवीन ने कहा कि अंत्योदय के संकल्प को साकार करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अंतिम छोर के व्यक्ति का कल्याण सुनिश्चित कर रहे हैं। जनधन खातों के जरिए यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि गरीब एवं सामान्य परिवार का व्यक्ति स्वाभिमान के साथ आगे बढ़े। वहीं, मेक इन इंडिया के तहत स्टार्टअप से लेकर स्किल इंडिया तक को आगे बढ़ाया जा रहा है, ताकि देश के युवा के हुनर को अपने ही देश की विकास की योजनाओं में उपयोग किया जा सके। नितिन नवीन ने राज्य सरकार की ओर से 2 साल में किए गए विकास कार्यों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं को लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान के विकास को नई रफ्तार मिली है।

वर्ली में 'नारी शक्ति' के शोर में फंसी आम जनता

मंत्री को खरी-खोटी सुनाने वाली महिला पर नहीं, बल्कि रैली के आयोजकों पर गाज मुंबई पुलिस की निष्पक्ष कार्रवाई से मचा हड़कंप

महानगर मेट्रो

मुंबई: देश की आर्थिक राजधानी मुंबई के पॉश इलाके वर्ली में हाल ही में आयोजित भाजपा की 'नारी शक्ति वंदन' रैली चर्चाओं के केंद्र में है। लेकिन यह चर्चा किसी राजनीतिक भाषण के कारण नहीं, बल्कि बीच सड़क पर हुए एक हाई-वोल्टेज ड्रामे और उसके बाद हुई कानूनी कार्रवाई के कारण हो रही है।

क्या है पूरा विवाद?

वर्ली इलाके में आयोजित इस भव्य रैली के कारण पूरे क्षेत्र में चक्का जाम की स्थिति पैदा हो गई। एंबुलेंस से लेकर दफ्तर जाने वाले लोग घंटों तक फंसे रहे। इसी जाम में एक महिला फंसी हुई थी, जिसका धैर्य जवाब दे गया।

* मंत्री का घेराव: जाम में फंसी महिला ने जब सामने मंत्री गिरीश महाजन को देखा, तो वह अपनी कार से उतरी और सीधे मंत्री से भिड़ गई। महिला ने गुस्से में मंत्री को जमकर खरी-खोटी सुनाई और सड़क तुरंत खाली कराने की मांग की।
* बच्चे की चिंता: बाद में पता चला कि महिला अपने बच्चे को स्कूल से लेने के लिए जल्दी में थी और जाम की वजह से उसे देरी हो रही थी।

मुंबई पुलिस का 'सलाम' योग्य फैसला:

अमूमन ऐसी घटनाओं में सत्ताधारी नेताओं से भिड़ने वाले आम नागरिकों पर कार्रवाई होती है, लेकिन मुंबई पुलिस ने यहाँ मिसाल पेश की है। पुलिस ने आक्रोशित महिला के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की, बल्कि:

1. आयोजकों पर एफआईआर: पुलिस ने रैली के आयोजकों पर ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन और अनुमति की शर्तों को ताक पर रखने के आरोप में केस दर्ज कर लिया है।
2. कानून का डंडा: पुलिस की इस कार्रवाई ने यह साफ कर दिया है कि रैलियों के नाम पर आम जनता का रास्ता रोकना अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मंत्री गिरीश महाजन की प्रतिक्रिया:

घटना के बाद मंत्री गिरीश महाजन ने संतुलित बयान दिया। उन्होंने स्वीकार किया कि महिला अपने बच्चे को लेकर परेशान थी, इसलिए उसका गुस्सा जायज था। हालांकि, उन्होंने महिला के व्यवहार (बात करने के तरीके) पर थोड़ी नाराजगी भी जाहिर की।

महानगर मेट्रो का नजरिया:

यह घटना भारतीय लोकतंत्र की मजबूती का संकेत है। जब एक आम नागरिक सड़क पर उतरकर सत्ता से सवाल पूछता है और पुलिस दबाव में आए बिना 'नियम तोड़ने वाले' रैलियों के आयोजकों पर कार्रवाई करती है, तो जनता का सिस्टम पर भरोसा बढ़ता है। वर्ली की इस घटना ने नेताओं को साफ संदेश दे दिया है कि 'शक्ति वंदन' के नाम पर जनता को परेशान करने वाली राजनीति अब महंगी पड़ सकती है।

गुजरात 'आप' में मची बड़ी भगदड़ क्या गोपाल इटालिया के नेतृत्व पर उठे सवाल? जमीनी नेताओं के इस्तीफे से पार्टी का किला हुआ कमजोर

महानगर मेट्रो

अहमदाबाद/गांधीनगर: गुजरात की राजनीति में 'तीसरे विकल्प' के तौर पर उभरी आम आदमी पार्टी (AAP) इन दिनों बड़े सियासी संकट से गुजर रही है। ऊपर से शांत दिखने वाली पार्टी के भीतर असंतोष का ज्वालामुखी फूट चुका है। चर्चा है कि पार्टी के भीतर सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है, जिसका सीधा असर संगठन की मजबूती पर पड़ रहा है।

नेतृत्व पर सवाल और अपनों की नाराजगी:

सूत्रों के अनुसार, पार्टी के भीतर गोपाल इटालिया के नेतृत्व और उनकी कार्यशैली को लेकर अंदरूनी खींचतान तेज हो गई है। एक तरफ जहां शीर्ष नेतृत्व इटालिया पर भरोसा जता रहा है, वहीं दूसरी तरफ पार्टी के पुराने और निष्ठावान कार्यकर्ता खुद को उपेक्षित महसूस कर रहे हैं।

जमीनी और किसान नेताओं का पलायन:

सबसे ज्यादा चिंताजनक बात यह है कि जो नेता 'आप' की रीढ़ माने जाते थे, वे अब साथ छोड़ रहे हैं:

* किसानों की आवाज हुई खामोश: जमीनी स्तर पर किसानों के हक की लड़ाई लड़ने वाले और ग्रामीण वोट बैंक पर पकड़ रखने वाले कई दिग्गज नेता पार्टी को अलविदा कह चुके हैं।
* संगठन में दरार: पार्टी छोड़ने वाले नेताओं का आरोप है कि संगठन में अब केवल 'खास' लोगों की ही सुनी जा रही है और जिन्होंने पार्टी को शून्य से खड़ा किया, उन्हें किनारे लगाया जा रहा है।
* गुजरात बनाम दिल्ली: कार्यकर्ताओं में यह भी चर्चा है कि गुजरात के स्थानीय मुद्दों और नेताओं के बजाय 'दिल्ली मॉडल' को जबरन थोपने से जमीनी पकड़ ढीली हो रही है।

महानगर मेट्रो का विश्लेषण:

चुनावों के मुहाने पर खड़े गुजरात में इस तरह की टूट 'आप' के लिए घातक साबित हो सकती है। पार्टी ने पिछली बार शानदार प्रदर्शन कर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई थी, लेकिन अगर यही रफ्तार रही, तो भाजपा और कांग्रेस के बीच खुद को स्थापित करने का सपना टूट सकता है।

क्या डैमेज कंट्रोल कर पाएंगे गोपाल इटालिया

अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या गोपाल इटालिया और दिल्ली का शीर्ष नेतृत्व इन नाराज नेताओं को वापस मना पाएगा? अगर जल्द ही कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया, तो कार्यकर्ताओं का यह असंतोष आने वाले दिनों में और बड़े इस्तीफों का सबब बन सकता है।

'मंदिर निर्माण जीवन की सार्थकता, मंदिर बनाने वाला सदैव अमर होता है' – सनातन सम्राट जगद्गुरु स्वामी चक्रपाणि

महानगर मेट्रो

रॉबर्ट्सगंज (सोनभद्र), उत्तर प्रदेश। रॉबर्ट्सगंज क्षेत्र में भगवान श्रीराम, माता सीता एवं भगवान चित्रगुप्त जी महाराज की भव्य प्राण-प्रतिष्ठा एवं नवनिर्मित मंदिर की आधारशिला स्थापना का दिव्य एवं ऐतिहासिक आयोजन सम्पन्न हुआ। यह पावन कार्यक्रम सनातन सम्राट जगद्गुरु स्वामी चक्रपाणि नंद गिरी जी महाराज के संरक्षण एवं सानिध्य में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर कार्यक्रम स्थल पर जगद्गुरु स्वामी चक्रपाणि नंद गिरी जी महाराज के नाम तथा अन्य अतिथियों के नाम पर स्थापित शिलापट्ट (पाटिका) का विधिवत विमोचन भी किया गया, जो आने वाली पीढ़ियों को यह प्रेरणा देगा कि मठ-मंदिर निर्माण जैसे कार्य मनुष्य को अमरत्व की ओर ले जाते हैं और भगवान के सान्निध्य तक पहुँचाते हैं। इस भव्य आयोजन में उत्तर प्रदेश के वन मंत्री श्री डॉ. अरुण कुमार सक्सेना जी (वन एवं पर्यावरण तथा जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0) लखनऊ से सड़क मार्ग द्वारा पधारे। कार्यक्रम में श्री स्वामी नारदानन्द जी महाराज (श्री परमहन्य आश्रम, सती अनसूइया, चित्रकूट), कार्यक्रम कुलभूषण श्री सिद्धार्थ नाथ सिंह जी (पूर्व कैबिनेट मंत्री, उ0प्र0 सरकार) तथा स्थानीय विधायक डॉ. अनिल कुमार मौर्य जी सहित अनेक संत-महात्मा एवं हजारों की

संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान जगद्गुरु स्वामी चक्रपाणि जी महाराज ने उपस्थित जनसमूह को श्री राम जय राम जय जय राम, श्री कृष्ण गोविंद हरे मुरारी एवं भगवान चित्रगुप्त जी के पवित्र मंत्रों का सामूहिक जाप कराया और कहा कि अंततः मनुष्य के जीवन में मंत्र और ईश्वर ही साथ देते हैं। अपने उद्बोधन में जगद्गुरु स्वामी चक्रपाणि जी महाराज ने कहा कि जो व्यक्ति अपने जीवन में मंदिर की स्थापना करता है, मंदिर का पुनर्निर्माण करता है अथवा मंदिर एवं भक्तों की सेवा में अपना जीवन समर्पित करता है, वही वास्तव में जीवन की सार्थकता को प्राप्त करता है। उन्होंने कहा कि इतिहास साक्षी है–अनेक राजा, राजवाड़े और धनवान आए और चले गए, परंतु जिन्होंने मंदिरों का निर्माण किया, वे आज भी अमर हैं और सदैव स्मरण किए जाते हैं। उन्होंने अपने व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हुए कहा कि श्री राम जन्मभूमि के सर्वोच्च न्यायालय में चल रहे प्रकरण के समय उनके भीतर यह दृढ़ संकल्प और जुनून था कि किसी भी परिस्थिति में श्री राम मंदिर का कार्य सफल होना चाहिए। उन्होंने अपने निजी संसाधनों, यहाँ तक कि अपनी भूमि तक बेच कर पैसा इस धर्मकार्य में लगाया और किसी से एक भी रुपया नहीं लिया। उन्होंने कहा कि जिस दिन सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय आया, वह उनके जीवन का सबसे आनंदमय और अविस्मरणीय दिन था, और उस ऐतिहासिक क्षण में वे स्वयं सर्वोच्च न्यायालय में उपस्थित थे क्योंकि वे उस वाद में पक्षकार थे। उन्होंने आगे कहा कि आज अयोध्या में श्री राम मंदिर का भव्य निर्माण हो चुका है और युगों-युगों तक यह मंदिर सनातन आस्था का केंद्र बना रहेगा। इस प्रकार के धर्म कार्यों में दिया गया प्रत्येक योगदान व्यक्ति की आत्मा को अमर बना देता है। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि 'मंदिर बनाने वाला सदैव अमर होता है। प्रत्येक व्यक्ति को अपनी सामर्थ्य के अनुसार तन, मन और धन से मंदिर निर्माण एवं धर्म कार्यों में सहयोग अवश्य करना चाहिए, यही जीवन की सच्ची सार्थकता है। ' उन्होंने श्री सतीश कुमार श्रीवास्तव जी एवं उनके परिवार की सराहना करते हुए कहा कि समाज को उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए। मंदिर ही वह स्थान है जहाँ से मानवता, सेवा, समानता और धर्म का मार्ग प्रसारित होता है, और यही स्थान मनुष्य को परमात्मा के निकट ले जाता है। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के वन मंत्री श्री अरुण सक्सेना जी ने अपने संबोधन में कहा कि सनातन सम्राट जगद्गुरु स्वामी चक्रपाणि जी महाराज ने श्री राम जन्मभूमि के सर्वोच्च न्यायालय में चल रहे मुकदमे में अग्रणी भूमिका निभाई और धर्म की विजय सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। साथ ही उन्होंने अंतरराष्ट्रीय आतंकी दाऊद इब्राहिम के आतंक के डर को समाप्त करने का साहसिक कार्य किया। ऐसे धर्मध्वजवाहक, राष्ट्रभक्त संन्यासी से हम सभी को प्रेरणा लेने की आवश्यकता है। उन्होंने आगे कहा कि जूना अखाड़ा द्वारा जगद्गुरु की उपाधि प्रदान किया जाना अखाड़ा परंपरा की गरिमा को और अधिक बढ़ाता है। कार्यक्रम कुलभूषण श्री सिद्धार्थ नाथ सिंह जी, स्थानीय विधायक डॉ. अनिल कुमार मौर्य जी एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी जगद्गुरु महाराज का माल्यार्पण कर स्वागत किया एवं आशीर्वाद प्राप्त किया। श्री स्वामी नारदानन्द जी महाराज ने सभी से एकजुट होकर धर्म कार्यों में आगे बढ़ने का आह्वान करते हुए कहा कि मनुष्य जीवन का सर्वोच्च उद्देश्य भगवान की प्राप्ति है। कार्यक्रम के अंत में विशाल भंडारे (महाप्रसाद) का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। जगद्गुरु स्वामी चक्रपाणि जी महाराज ने श्री सतीश कुमार श्रीवास्तव जी एवं उनके परिवार को विशेष आशीर्वाद प्रदान किया। उक्त जानकारी अखिल भारत हिंदू महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता ब्रह्मऋषि बी.के. शर्मा (हनुमान जी) द्वारा प्रदान की गई।

नई पीढ़ी, नया संकल्प: आधुनिक मान्यता

संकल्प से सिद्धि: आधुनिक युग में बाधा का नया आयाम

महानगर मेट्रो

हमारी संस्कृति में 'बाधा' शब्द श्रद्धा और विश्वास से जुड़ा हुआ है। सामान्यतः जब हम किसी कठिनाई में होते हैं या कोई मनोकामना पूरी करनी होती है, तब हम बाधा लेते हैं। लेकिन आज के वैज्ञानिक और तार्किक युग में बाधा केवल धार्मिक विधि न रहकर आत्म-सुधार का एक शक्तिशाली माध्यम बननी चाहिए।

वस्तु का त्याग या विचारों का परिवर्तन? सच्ची बाधा क्या है?

परंपरागत रूप से हम घी, दूध, मिठाई या मनपसंद भोजन का त्याग करने की बाधा लेते हैं। यह त्याग गलत नहीं है, क्योंकि इससे स्वाद पर संयम सीखने को मिलता है। परंतु सोचने वाली बात यह है कि क्या ईश्वर को हमारे भोजन के त्याग से कोई फर्क पड़ता है? वास्तव में सच्ची बाधा वही है, जो हमारे भीतर के स्वभाव में परिवर्तन लाए। जैसे चीनी छोड़ना स्वास्थ्य के लिए अच्छा है, वैसे ही किसी की कड़वी आलोचना करने की आदत छोड़ना आत्मा के लिए श्रेष्ठ है। वस्तु का त्याग शरीर को कष्ट देता है, लेकिन विचारों का परिवर्तन जीवन को नई दिशा देता है। बाहरी त्याग से अधिक मूल्यवान आंतरिक शुद्धि है।

आपकी बाधा, आपका व्यक्तित्व: एक नया विचार

आप जिस प्रकार की बाधा या टेक लेते हैं, वही आपके व्यक्तित्व का प्रतिबिंब होती है। यदि आपकी बाधा केवल

दिखावे के लिए है, तो वह अहंकार को बढ़ाती है। लेकिन यदि आपकी बाधा नम्रता, अनुशासन और संयम लाती है, तो वह व्यक्तित्व को निखारती है। आज के समय में 'पर्सनैलिटी डेवलपमेंट' के लिए बाधा एक अद्भुत साधन बन सकती है। यदि कोई व्यक्ति जल्दी उठने या समयपालन की बाधा ले, तो उसका व्यक्तित्व जिम्मेदार और अनुशासित बनता है। आपकी बाधा ऐसी होनी चाहिए जो आपकी कमजोरी को आपकी ताकत बना दे। जिसका संकल्प दृढ़ है, उसका व्यक्तित्व अजेय है।

आइए, इस बार विचारों की बाधा लें

हमारी हर क्रिया का मूल हमारे विचार हैं। यदि विचार शुद्ध होंगे तो व्यवहार अपने आप सुधर जाएगा। इस वर्ष हम किसी भौतिक वस्तु के त्याग के बजाय नकारात्मक विचारों को छोड़ने की बाधा क्यों न लें?

आधुनिक विचारों की बाधा:

पूर्वाग्रह से मुक्ति: किसी व्यक्ति के बारे में पहले से गलत राय बनाने की आदत छोड़ना। तुलना का त्याग: सोशल मीडिया पर दूसरों का जीवन देखकर अपने जीवन से तुलना न करना। शिकायत मुक्त जीवन: 'मेरे पास यह नहीं है' कहकर रोने के बजाय जो है, उसका संतोष मानना। विचार बदलेंगे, तभी भाग्य बदलेगा।

जीवन सुधारने की चाबी: आधुनिक मान्यता

आधुनिक मान्यता का अर्थ है ऐसी प्रतिज्ञा, जो सामाजिक और मानसिक रूप से उपयोगी हो। यह मान्यता केवल मंदिर की देहरी तक सीमित न रहकर हमारे दैनिक जीवन में उतरनी चाहिए। रास्ते पर कचरा न फेंकना, जरूरतमंद की शिक्षा में सहायता करना, या हर महीने एक नई पुस्तक पढ़ना – ये सभी आधुनिक मान्यताएँ हैं। जब आप अपने मन को किसी श्रेष्ठ कार्य के लिए बांधते हैं, तब प्रकृति भी आपका साथ देती है। यही बाधा जीवन के बंद दरवाजे खोलने की चाबी बन जाती है। सेवा और संयम ही सच्ची भक्ति है। बाधा डर या मजबूरी का नाम नहीं, बल्कि स्वेच्छा से स्वीकार की गई अनुशासन की प्रतिज्ञा है। यदि नई पीढ़ी अपनी टेक इन चार स्तंभों पर स्थापित करे, तो परंपरा भी बनी रहेगी और प्रगति भी होगी। इस बार जब आप भगवान के पास जाएँ, तो कुछ मांगने के बजाय कुछ नकारात्मक छोड़ने और कुछ सकारात्मक अपनाने का संकल्प करें। यही सच्ची और प्रभावशाली बाधा है।

साहित्य और संस्कृति: मन की बात

शीर्षक: जब इबादत ही 'इश्क' बन जाए: भोजपुरी गजल की रूहानी वेदना

महानगर मेट्रो

लेख: पवन माकन (ग्रुप एडिटर)

साहित्य की दुनिया में प्रेम की अभिव्यक्ति के कई रंग हैं, लेकिन जो दर्द और सादगी भोजपुरी लोक संवेदनाओं में मिलती है, वह सीधे हृदय को छू जाती है। हाल ही में सामने आई भोजपुरी गजल 'दिल आबाद हो गईल' केवल पंक्तियों का समूह नहीं है, बल्कि एक प्रेमी के उस संघर्ष की दास्तान है, जहाँ वह अपनी आस्था और अस्तित्व दोनों को अपने प्रिय के चरणों में समर्पित कर देता है।

इश्क और इबादत का संगम

इस गजल की सबसे गहरी चोट उस शेर में है जहाँ शायर कहता है कि समाज तो उसे खुदा की इबादत करने की सलाह देता है, लेकिन उसकी आँखों में तो सिर्फ उसका प्रिय बसा है। यह पंक्तियां उस द्वंद्व को दर्शाती हैं जहाँ दुनिया धर्म और कर्मकांड की बात करती है, लेकिन प्रेमी के लिए उसका 'महबूब' ही उसका खुदा बन चुका है। जब दृष्टि में केवल प्रिय

का चेहरा बसा हो, तो संसार की बाकी इबादतें निष्फल लगने लगती हैं।

पत्थर और इंसान के दिल की तुलना

लेखक ने बहुत ही मार्मिक कटाक्ष किया है कि लोग पत्थर पूजकर राम को पा लेते हैं, लेकिन एक जीता-जागता इंसान इतना कठोर हो जाता है कि वह प्रेम की पुकार भी नहीं सुनता। यह मानवीय भावनाओं की उस विडंबना को उजागर करता है जहाँ हम निर्जीव मूर्तियों में तो ईश्वर ढूंढ लेते हैं, पर जीवित इंसान की संवेदनाओं को नहीं समझ पाते।

लोक-प्रतीकों का सटीक प्रयोग

गजल में किसान, बीज, और फसल के उदाहरणों का प्रयोग इसे मिट्टी की खुशबू से जोड़ता है। एक किसान जिस उम्मीद से बीज बोता है कि वह फसल बनकर लहलहाएगा, उसी उम्मीद से एक प्रेमी अपने हृदय में प्रेम का अंकुर बोता है। लेकिन जब वह प्रेम 'पकने' से पहले ही निष्फल हो जाए, तो वह पीड़ा केवल वही समझ सकता है जिसने उसे अपने आंसुओं से सींचा हो।

निष्कर्ष

प्रेम की इस पराकाष्ठा में जीत और हार का महत्व समाप्त हो जाता है। चाहे समाज दुश्मन बन जाए या प्रतीक्षा करते-करते जीवन के अंतिम क्षण आ जाएं, प्रेमी की निष्ठा अटल रहती है। यह रचना हमें याद दिलाती है कि प्रेम करना सरल हो सकता है, लेकिन उस प्रेम को भक्ति की ऊँचाई तक ले जाना एक कठिन तपस्या है।

ऐसी रचनाएँ हमारी क्षेत्रीय भाषाओं की समृद्धि और उनमें छिपे गहरे जीवन दर्शन का प्रमाण हैं।

बनासकांठा के वड़गाम में सनसनी: मामूली विवाद ने लिया खूनी रूप, एक युवक की बेरहमी से हत्या

महानगर मेट्रो

वड़गाम (बनासकांठा): गुजरात के बनासकांठा जिले के वड़गाम तालुका से एक रोंगटे खड़े कर देने वाली घटना सामने आई है। यहाँ महज एक मामूली सी बात पर उपजे विवाद ने देखते ही देखते उग्र रूप धारण कर लिया, जिसके परिणामस्वरूप एक युवक की हत्या कर दी गई। इस घटना के बाद पूरे इलाके में तनाव और सन्नाटे का माहौल व्याप्त है।

घटना का विवरण:

जानकारी के अनुसार, वड़गाम के स्थानीय क्षेत्र में दो पक्षों के बीच किसी छोटी सी बात को लेकर बहस शुरू हुई थी। शुरुआती कहासुनी इतनी बढ़ गई कि आवेश में आकर आरोपी ने युवक पर घातक हथियारों से हमला कर दिया। हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया और अस्पताल ले जाते समय

या उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

पुलिस की कार्रवाई:

घटना की सूचना मिलते ही वड़गाम पुलिस की टीम मौके पर पहुँची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक:

* घटना के पीछे के सटीक कारणों का पता लगाया जा रहा है।
* संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।
* कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए इलाके में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

इलाके में आक्रोश:

मामूली बात पर हुई इस हत्या से स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और वे आरोपियों के खिलाफ सख्त से सख्त सजा की मांग कर रहे हैं।

विकास कार्यों में प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ समाज की भी महत्वपूर्ण भूमिका : सांसद श्री संतोष पाण्डेय

सांसद की अध्यक्षता में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक संपन्न

शासन की योजनाओं की समीक्षा करते हुए दिए आवश्यक दिशा-निर्देश - जिले के विकास के मुद्दो पर की गई सार्थक चर्चा

महानगर मेट्रो

हेमंत वर्मा / राजनांदगांव

राजनांदगांव सांसद संतोष पाण्डेय की अध्यक्षता में आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विधायक खुज्जी भोलाराम साहू, विधायक डोंगरगढ़ श्रीमती हर्षिता बघेल, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती किरण वैष्णव, कलेक्टर जितेन्द्र यादव, पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा, वनमंडलाधिकारी आयुष जैन, जिला पंचायत सीईओ सुश्री सुरूचि सिंह उपस्थित थे।

सांसद संतोष पाण्डेय ने केन्द्र एवं राज्य शासन की योजनाओं सहित जिले के नवाचार के क्रियान्वयन, प्रगति तथा विभिन्न विभागों के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने बैठक में प्राप्त सुझावों एवं समस्याओं को समय-सीमा में प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि छोटे-छोटे लेकिन महत्वपूर्ण कार्य पेयजल समस्या, स्कूलों में आवश्यक सुधार तथा अन्य जनहित से संबंधित अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, उन कार्यों को प्राथमिकता के साथ किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ समाज की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। समाज की भागीदारी से ही योजनाओं का प्रभाव अधिक व्यापक होता है। केवल शासकीय प्रयासों से अपेक्षित परिणाम नहीं मिलते, बल्कि जनजागरूकता और समाज की सक्रिय भागीदारी से ही योजनाएं प्रभावी बनती हैं। उन्होंने केंद्र एवं राज्य शासन की मंशा के अनुरूप विभिन्न विभागों की प्रगति की नियमित समीक्षा करने तथा

आवश्यकतानुसार समय-समय पर बैठक आयोजित करने कहा।

कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने कहा कि जिले में जल संरक्षण एवं फसल विविधीकरण के क्षेत्र में सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। जो प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों के बेहतर समन्वय का परिणाम हैं। उन्होंने आगे भी इसी प्रकार सहयोग बनाए रखते हुए लंबित कार्यों के त्वरित निराकरण किया जाएगा। कलेक्टर ने जनगणना 2027 के प्रथम चरण की जानकारी देते हुए बताया कि 1 मई से हाउस लिस्टिंग कार्य प्रारंभ होगा, जिसके पूर्व स्व-गणना पोर्टल की सुविधा उपलब्ध है। उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों से कहा कि वे स्वयं एवं अपने परिवारजनों की जानकारी स्व-गणना पोर्टल में पूर्ण करें तथा आमजन को भी इसके लिए प्रेरित करें, ताकि अधिक से अधिक सहभागिता सुनिश्चित हो सके। उन्होंने महतारी वंदन योजना के तहत निःशुल्क ई-केवाईसी कार्य में सीएससी सेंटर द्वारा राशि लेने के संबंध में शिकायत प्राप्त होने पर तत्काल जांच कर संबंधित एजेंसी को ब्लैक लिस्टेट करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की शिकायत प्राप्त होने पर कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा पिछले 4 माह में जो शिक्षक लंबे समय से अनुपस्थित रहने वाले शिक्षकों पर कार्रवाई की गई है। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में हैण्डपंप के केसिंग पाईप को ऊपर उठाने के निर्देश दिए। जिससे ग्रामीणों को किसी प्रकार से पानी की समस्या नहीं होनी चाहिए।

पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा ने बताया कि 18 वर्ष से कम आयु की बालिकाओं के घर से बाहर जाने की घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इस समस्या की रोकथाम के लिए स्कूल शिक्षा विभाग एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के साथ समन्वित जागरूकता अभियान चलाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते बच्चों में जागरूकता विकसित की जाए, तो ऐसी घटनाओं में कमी लाई जा सकती है। उन्होंने दुर्घटनाजन्य स्थानों पर पर्याप्त मात्रा में प्रकाश व्यवस्था के साथ साईन बोर्ड लगाने कहा। वनमंडलाधिकारी आशुष जैन ने बताया कि जिले में संग्रहण कार्य 1 से 5 मई के बीच प्रारंभ होगा। इस वर्ष तेंदूपत्ता की दरों में वृद्धि हुई है, जिससे संग्राहकों को लाभ मिलेगा।

सीईओ जिला पंचायत सुश्री सुरूचि सिंह ने बताया कि पिछले दो वर्षों में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत 28 हजार से अधिक आवाओं को पूर्ण किया गया है। उन्होंने बताया कि ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान द्वारा ग्रामीण बीपीएल परिवारों के युवक-युवतियों को निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाता है। जिससे स्वरोजगार से जोडने के लिए हुनरमंद बनाया जाता है। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने अपने-अपने विभागों में संचालित योजनाओं एवं कार्यक्रमों के साथ नवाचारों की जानकारी दी। बैठक में सदस्य जिला पंचायत श्रीमती देवकुमारी साहू, विधायक प्रतिनिधि संतोष अग्रवाल, नगर निगम आयुक्त अतुल विश्वकर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

युसूफ पठान की 'यू-टर्न' वाली बैटिंग! आखिर क्यों बड़ौदा में बीजेपी के मुरीद हुए तृणमूल सांसद? डर, मजबूरी या ज़मीन के कब्जों को बचाने की 'सेफ डील'?

महानगर मेट्रो

वड़ोदरा/अहमदाबादः पश्चिम बंगाल से तृणमूल कांग्रेस (TMC) के लोकसभा सांसद और पूर्व क्रिकेटर युसूफ पठान ने गुजरात

स्थानीय निकाय चुनाव में मतदान करने के बाद एक ऐसा बयान दिया है, जिसने सियासी हलकों में आग लगा दी है। गुजरात की बीजेपी सरकार को कोसने वाली ममता बनर्जी के सांसद ने वड़ोदरा में वोट डालकर निकलते ही कहा– 'गुजरात में भाजपा की सरकार है, वे काम करते हैं और लोग काम करने वालों को ही पसंद करते हैं।' सत्ता पक्ष के लिए यह प्रशंसा का विषय हो सकता है, लेकिन इस बयान के पीछे की जो 'इनसाइड स्टोरी' निकलकर सामने आ रही है, वह बेहद चौंकाने वाली और 'महानगर मेट्रो' के पाठकों के लिए आंखें खोलने वाली है।

अवैध कब्जों की ढाल बना बीजेपी का गुणगान?

सूत्रों और स्थानीय चर्चाओं की मानें तो युसूफ पठान की इस 'नरम' बयानबाजी का कारण कोई राजनीतिक हृदय परिवर्तन नहीं, बल्कि अपनी बेशकीमती संपत्तियों को बचाए रखने की एक सोची-समझी रणनीति है।

* जमीन पर अवैध कब्जे का सायाः आरोप है कि वड़ोदरा और अहमदाबाद जैसे शहरों में पठान बंधुओं ने कई जगहों पर कथित रूप से अवैध तरीके से जमीनों पर कब्जा कर रखा है या विवादित संपत्तियों से उनका जुड़ाव है।
* बुलडोजर का खौफः गुजरात में इन दिनों अवैध अतिक्रमण और सरकारी जमीनों पर कब्जा करने वालों के खिलाफ सरकार का सख्त रवैया (बुलडोजर नीति) जगजाहिर है। राजनीतिक पंडितों का मानना है कि युसूफ पठान अच्छी तरह जानते हैं कि अगर वे गुजरात सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलेंगे, तो उनकी इन विवादित जमीनों पर सरकारी जांच की आंच आने में देर नहीं लगेगी।
* मजबूरी की प्रशंसाः यही कारण है कि अपनी पार्टी (TMC) की विचारधारा के ठीक उलट जाकर, उन्होंने बीजेपी के 'काम' की तारीफ करना ही सुरक्षित समझा। यह एक प्रकार का 'सियासी सरेंडर' है, ताकि राज्य की सत्ता से पंगा लेकर अपनी निजी संपत्तियों को खतरे में न डाला जाए।

विपक्ष और जनता के सवालः

जनता अब यह सवाल पूछ रही है कि क्या एक सांसद के शब्द केवल उसकी व्यक्तिगत संपत्ति की सुरक्षा के लिए बदल जाते हैं? जो नेता बंगाल में बीजेपी को 'बाहरी' और 'अलोकतांत्रिक' बताते हैं, वे गुजरात आते ही उसी सरकार के गुणगान क्यों करने लगते हैं?

निष्कर्ष

युसूफ पठान का यह बयान 'काम' की तारीफ कम और 'डर' की गूँज ज्यादा लगता है। जब जमीनों पर कब्जे अवैध हों, तो जुबान पर सरकार की तारीफ आना स्वाभाविक है। यह लोकतंत्र की विडंबना ही है कि निजी स्वार्थों के आगे विचारधारा और राजनीतिक निष्ठा का गला घोंट दिया जाता है।

जावरा में 17 मई को होगा 'गुरु कस्तुर पावन धाम' का भव्य उद्घाटन

महानगर मेट्रो

जावरा। जैन धर्म के गौरवमयी 'जिनशासन स्थापना दिवस' की पूर्व संध्या पर जावरा नगर को एक नई पहचान मिलने जा रही है। जैन दिवाकरीय श्रमण संघ के ज्योतिषाचार्य उपाध्याय श्री कस्तुरचंद जी म.सा. की पावन स्मृति में निर्मित 'श्री गुरु कस्तुर पावन धाम' का भव्य लोकार्पण आगामी 17 मई (रविवार) को होगा।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ के अंतर्गत ट्रस्ट द्वारा संचालित इस परियोजना के प्रथम चरण में गुरु कस्तुर का स्मारक और मानव सेवा हेतु दो मंजिला हॉल बनकर तैयार है। मीडिया प्रभारी संदीप रांका एवं सुभाष टुकड़ियां ने बताया कि इस ऐतिहासिक आयोजन हेतु श्री संघ की बैठक अध्यक्ष राकेश मेहता की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

दो दिवसीय महोत्सव की रूपरेखाः

* 16 मईः गौ-माता का स्वामी वात्सल्य।
* 17 मईः चतुर्विध संघ की उपस्थिति में पावन धाम का भव्य उद्घाटन।

यह आयोजन प्रवर्तक श्री विजयमुनि जी म.सा., उपाध्याय श्री गौतममुनि जी म.सा. और जावरा की गौरव साध्वी डॉ. कुमुदलता जी म.सा. आदि ठाणा के पावन सानिध्य में संपन्न होगा। बैठक में व्यवस्था हेतु विभिन्न समितियों का गठन किया गया, जिसमें श्री संघ के पूर्व अध्यक्षों, संरक्षक मंडल और महिला-नवयुवक मंडल के पदाधिकारियों ने महत्वपूर्ण सुझाव दिए। कार्यक्रम का संचालन सुजानमल कोच्चटा ने किया एवं आभार संजय भंडारी ने व्यक्त किया।

ज्योतिरादित्य सिंधिया का 'आध्यात्मिक' दांवः 'चेहरा जवान, लेकिन आत्मा बूढ़ी है...' - अनुभव का गुमान या सियासत का नया संदेश

महानगर मेट्रो

नई दिल्ली/ग्वालियरः राजनीति में शब्दों के जादूगर कहे जाने वाले केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने एक बार फिर अपने बयान से सियासी गलियारों में हलचल तेज कर दी है। एक हालिया कार्यक्रम के दौरान सिंधिया ने मुस्कुराते हुए अपनी उम्र और अनुभव पर एक ऐसी टिप्पणी की, जिसके अब कई मायने निकाले जा रहे हैं। सिंधिया ने कहा– 'मैं थोड़ा जवान दिखता हूं, लेकिन मेरी आत्मा बहुत बूढ़ी है... ' इस एक जुमले ने न केवल सुनने वालों को चौंकाया, बल्कि विश्लेषकों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि क्या 'महाराज' अपनी छवि को अब एक परिपक्व और दूरदर्शी राजनेता के रूप में और मजबूती से स्थापित करना चाहते हैं?

महानगर मेट्रो का विशेष विश्लेषणः क्या है इस बयान के पीछे का 'सियासी व्याकरण'

1. 'युवा जोश' और 'बुजुर्ग अनुभव' का संगमः

सिंधिया अक्सर अपनी फिटनेस और डायनामिक कार्यशैली के लिए जाने जाते हैं। इस बयान के जरिए उन्होंने साफ संदेश दिया है कि उन्हें सिर्फ 'युवा नेता' की श्रेणी में न आंका जाए। उनकी 'बूढ़ी आत्मा' से तात्पर्य उस राजनीतिक विरासत और दशकों के प्रशासनिक अनुभव से है, जो उन्होंने अपने पिता और अपने स्वयं के सार्वजनिक जीवन से सीखा है।

2. पीढ़ीगत बदलाव में अपनी जगहः

बीजेपी में जिस तरह से पीढ़ीगत बदलाव और अनुभवी चेहरों को तवज्जो दी जा रही है, वहां सिंधिया खुद को एक ऐसे नेता के रूप में पेश कर रहे हैं जिसके पास शरीर की ऊर्जा भी है और सदियों पुरानी राजनीतिक समझ (विरासत) का विवेक भी।

3. कूटनीतिक संदेशः

सियासी जानकार मानते हैं कि 'आत्मा बूढ़ी होने' की बात कहकर उन्होंने उन विरोधियों को भी जवाब दिया है जो उन्हें अभी भी महलों की राजनीति तक सीमित मानते हैं। वे बताना चाहते हैं कि उनकी जड़ें गहरी हैं और उनकी सोच बहुत आगे की है।

4. क्या यह भावी भूमिका का संकेत है?

मध्य प्रदेश से लेकर केंद्र तक, सिंधिया की भूमिका हमेशा महत्वपूर्ण रही है। 'बूढ़ी आत्मा' का अर्थ अक्सर 'गहरा धैर्य' और 'गंभीरता' से भी लिया जाता है। क्या सिंधिया खुद को किसी बड़ी और गंभीर जिम्मेदारी के लिए तैयार बता रहे हैं?

जनता की रायः

सोशल मीडिया पर भी यह बयान जमकर वायरल हो रहा है। कुछ लोग इसे उनकी विनम्रता कह रहे हैं, तो कुछ इसे उनकी 'राजसी परिपक्वता' का हिस्सा मान रहे हैं। लेकिन एक बात तय है–सिंधिया जानते हैं कि कब, कहां और क्या बोलकर चर्चा के केंद्र में बने रहना है।

अब देखना यह होगा कि सिंधिया की यह 'बूढ़ी आत्मा' आने वाले समय में बीजेपी की राजनीति में और कितनी 'ऊर्जा' भरती है।

राजस्थान के दो कुख्यात गुटों की जंग का 'अहमदाबाद' में अंतः 10-10 हजार के इनामी गैंगस्टर गिरफ्तार, उदयपुर 'बिच्छू घाटी' शूटआउट के थे मुख्य आरोपी

महानगर मेट्रो

अहमदाबाद/उदयपुरः राजस्थान में दहशत का पर्याय बनी दो कुख्यात गैंगों के बीच वर्चस्व की लड़ाई में खून बहाने वाले अपराधियों को आखिरकार पुलिस ने दबोच लिया है। अहमदाबाद पुलिस की जोन-7 एलसीबी (LCB) ने एक गुप्त ऑपरेशन को अंजाम देते हुए उदयपुर के चर्चित 'बिच्छू घाटी' गैंगवार के मुख्य सूत्रधार और उसके साथी को गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता हासिल की है।

गिरफ्तार आरोपियों की प्रोफाइलः

पुलिस की गिरफ्त में आए अपराधियों की पहचान नईमुद्दीन शेख और कुंदन सिंह कुशवाहा के रूप में हुई है। ये दोनों ही राजस्थान पुलिस के लिए सिरदर्द बने हुए थे और इनकी गिरफ्तारी पर 10-10 हजार रुपये का इनाम घोषित था।

गंभीर अपराधों का काला चिट्ठाः

पकड़े गए दोनों आरोपी पेशेवर अपराधी हैं और इनके खिलाफ अपराध की लंबी फेहरिस्त दर्ज है:

* 15-15 संगीन मामलेः दोनों आरोपियों के खिलाफ हत्या का प्रयास (Attempt to Murder), लूट और आर्म्स एक्ट जैसे करीब 15-15 गंभीर मुकदमे दर्ज हैं।
* उदयपुर गैंगवारः उदयपुर की 'बिच्छू घाटी' में वर्चस्व को लेकर सरेआम हुई गैंगवार और हत्याकांड में ये दोनों मुख्य आरोपी थे और तब से फरार चल रहे थे।

कैसे चढ़े पुलिस के हत्थे?

जोन-7 एलसीबी को सटीक जानकारी मिली थी कि राजस्थान के ये इनामी अपराधी पहचान छुपाकर

अहमदाबाद में पनाह लिए हुए हैं। टीम ने तकनीकी निगरानी और स्थानीय मुखबिरों के जाल की मदद से घेराबंदी की और दोनों को धर दबोचा। पुलिस अब इनसे पूछताछ कर रही है कि फरारी के दौरान इन्हें किसने पनाह दी और क्या गुजरात में भी ये किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे।

राजस्थान पुलिस को दी गई सूचनाः

गिरफ्तारी के बाद अहमदाबाद पुलिस ने राजस्थान और उदयपुर पुलिस से संपर्क साधा है। जल्द ही ट्रांजिट रिमांड के जरिए इन्हें राजस्थान पुलिस के हवाले किया जाएगा, ताकि वहां के मामलों में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा सके।

श्रद्धा का संबलः 'मां' का साथ है, तो हर जंग में जीत अपनी है

महानगर मेट्रो

जीवन एक यात्रा है और इस यात्रा के हर पड़ाव पर हम किसी न किसी संघर्ष, किसी न किसी 'जंग' से जूझ रहे होते हैं। कभी यह जंग बाहरी दुनिया से होती है, तो कभी अपने ही भीतर के द्वंद्व से। लेकिन इस भागदौड़ और उथल-पुथल भरी जिंदगी में एक शक्ति ऐसी है, जो हमें टूटने नहीं देती। वह शक्ति है– आस्था।

गुजराती की ये पंक्तियाँ वर्तमान समय में बहुत सटीक बैठती हैं: माँ, बस तेरा साथ है इसीलिए यह जीवन एक उत्सव है; छोटी-बड़ी जंग तो चलती रहेंगी, पर तेरी कृपा से हर कदम पर जीत निश्चित है।

अंबे मां के आशीर्वाद की शक्ति

गुजरात की धरती तो वैसे भी शक्ति की उपासना की भूमि है। यहाँ पग-पग पर 'जय अम्बे' का जयघोष केवल एक नारा नहीं, बल्कि एक भरोसा है। जब एक भक्त कहता है कि 'मां, तेरे आशीर्वाद से जीत है ', तो उसका अर्थ यह नहीं होता कि उसके जीवन में मुश्किलें नहीं आएंगी। इसका अर्थ यह होता है कि उन मुश्किलों को पार करने का साहस उसे मां की कृपा से मिल चुका है।

जीवनः संघर्ष नहीं, एक 'प्रसंग'

जब हम अकेले होते हैं, तो चुनौतियां हमें बोझ लगती हैं। लेकिन जैसे ही हम उस परम शक्ति, 'मां अंबे' के चरणों में खुद को समर्पित कर देते हैं, तो वही संघर्ष एक 'प्रसंग' यानी एक उत्सव बन जाता है। भक्ति हमें यह सिखाती है कि जीत केवल संसाधनों या बाहुबल से नहीं, बल्कि आत्मबल से मिलती है। और वह आत्मबल हमें मां के आशीर्वाद से प्राप्त होता है।

आज के दौर में आस्था की प्रासंगिकता

आज के इस दौर में, जहां इंसान तनाव और अनिश्चितता के बीच घिरा है, वहां इस तरह की श्रद्धा एक ढाल का काम करती है। चाहे व्यापार की उलझने हों, व्यक्तिगत जीवन के उतार-चढ़ाव हों या समाज की चुनौतियां–यदि हृदय में यह विश्वास है कि 'कोई है जो ऊपर से देख रहा है और मेरा हाथ थामे हुए है ', तो आधी जंग हम वहीं जीत जाते हैं।

निष्कर्ष

अंततः, जीत उसी की होती है जिसके पास धैर्य और अटूट विश्वास होता है। मां जगतजननी का आशीर्वाद हम सभी पर बना रहे, ताकि हम जीवन की हर छोटी-बड़ी जंग को मुस्कुराते हुए पार कर सकें। याद रखिये, जब मां संग है, तो हर दिन एक मंगल प्रसंग है।

केजरीवाल का 'असहयोग आंदोलन 2.0': दिल्ली हाईकोर्ट की कार्यवाही का बहिष्कार गांधीवादी 'सत्याग्रह' की आड़ या कानूनी फंदे से बचने की नई चाल

महानगर मेट्रो

नई दिल्लीः भारत के कानूनी और राजनीतिक इतिहास में आज एक ऐसा पन्ना जुड़ा है, जिसने न्यायपालिका से लेकर सत्ता के गलियारों तक खलबली मचा दी है। पूर्व मुख्यमंत्री और 'आप' संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली आबकारी नीति मामले में चल रही सीबीआई की रिविजन याचिका (Crl.Re1.P. 134/2026) की सुनवाई का पूर्ण बहिष्कार करने का ऐलान किया है। केजरीवाल ने सीधे तौर पर जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा को 25 पन्नों का एक भावुक और 'घातक' पत्र लिखकर कोर्ट की कार्यवाही में व्यक्तिगत या वकील के जरिए शामिल होने से इनकार कर दिया है। गांधी के 'सत्याग्रह' का सहाराः पीड़ा या रणनीति? केजरीवाल

ने अपने इस कदम को महात्मा गांधी के 'असहयोग आंदोलन' और 'सत्याग्रह' से जोड़ा है। उन्होंने पत्र में लिखाः 'जब अंतरात्मा कहे कि न्याय की उम्मीद खत्म हो चुकी है, तब विनम्रता और अहिंसा के साथ असहयोग करना ही सच्चा सत्याग्रह है। मैं क्रोध में नहीं, बल्कि गहरी पीड़ा और न्यायपालिका में अटूट विश्वास के साथ यह कदम उठा रहा हूँ। '

केजरीवाल के 'घातक' आरोपों ने बढ़ाई तपिशः

केजरीवाल ने इस बहिष्कार के पीछे 'हितों के टकराव' (Conflict श्द्ध Interest) के दो बेहद गंभीर और तीखे कारण बताए हैं:

1. विचारधारा का टकरावः उन्होंने जस्टिस के आरएसएस और उसकी कानूनी शाखा 'अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद' (ABAP) से सार्वजनिक संबंधों का हवाला दिया है।
2. पारिवारिक और पेशेवर संबंधः पत्र में आरोप लगाया गया है कि जज के बेटे और बेटी केंद्र सरकार के पैनल पर हैं और उन्हें सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता (जो इस केस में सीबीआई के वकील हैं) द्वारा केस सौंपे जाते हैं। केजरीवाल का तर्क है कि ऐसी स्थिति में उन्हें 'निष्पक्ष न्याय' की उम्मीद नहीं है।

पीजीडीएवी कॉलेज में बाबा साहब डॉ. बी.आर.अंबेडकर जी की 135 वीं जयंती का भव्य आयोजन

हमें बाबा साहब के बताएं सिद्धांत शिक्षित बनो;संगठित रहो;संघर्ष करो के मार्ग का अनुसरण करना चाहिए:-प्राचार्य प्रो. दरविंदर कुमार

महानगर मेट्रो

नई दिल्ली। भारत रत्न डॉ.भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के शुभ अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय के पी.जी.डी.ए.वी. कॉलेज प्रातः द्वारा एक बाबा साहब के साहित्य की प्रदर्शनी, निबंध लेखन प्रतियोगिता एवं 'राष्ट्र निर्माण में अंबेडकर के विचार और विकसित भारत 2047 का मार्ग 'विषय पर प्रत्येक वर्ष की भांति 'बाबा साहब भीमराव अंबेडकर स्मृति व्याख्यानमाला' के अंतर्गत व्याख्यान का आयोजन किया गया।कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन एवं बाबा साहब की चित्र पर माल्यार्पण के साथ गरिमामय वातावरण में हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. दरविंदर कुमार ने की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भारत के सर्वोच्च न्यायालय के ए.ओ.आर.डॉ. एस.एस.हूडा और पूर्व आई.आर.एस.सहायक आयुक्त श्री राम आधार उपस्थित रहें।अपने संबोधन में मुख्य अतिथियों ने डॉ.

अंबेडकर के विचारों की समकालीन प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को उनके साहित्य और दर्शन को आत्मसात करने का आह्वान किया। प्राचार्य प्रो. दरविंदर कुमार ने शिक्षा के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए 'शिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करो' का आह्वान किया। मुख्य वक्ता श्री राम आधार ने संविधान की प्रस्तावना का हवाला देते हुए एकता और समता की अवधारणा पर बल दिया। डॉ. एस.एस. हूडा ने जाति रहित समाज की आवश्यकता पर विचार किया। प्रो. मनोज कुमार कैन ने डॉ. अंबेडकर के सामाजिक न्याय, समानता और संवैधानिक मूल्यों पर आधारित विचारों की विस्तृत व्याख्या की

'राम' नाम सत्य है राम माधव के 'कुबूलनामे' ने खोली मोदी सरकार की विदेश नीति की पोलः दोस्ती की आड़ में देशहित की बलि

महानगर मेट्रो

नई दिल्ली/अहमदाबादः1 अक्सर विदेशी धरती पर 'हाउडी मोदी' और 'नमस्ते ट्रंप' जैसे आयोजनों की चकाचौंध में असली हकीकत दब जाती है, लेकिन जब अपनों के ही बोल फिसलते हैं, तो सच सामने आ ही जाता है। संघ और भाजपा के दिग्गज नेता राम माधव का एक अमेरिकी पत्रकार को दिया गया इंटरव्यू इस समय देश की राजनीति में भूचाल ले आया है। इस इंटरव्यू ने उन दावों की हवा निकाल दी है जिनमें भारत को विश्व गुरु और झुकने न वाला राष्ट्र बताया जाता रहा है।

राम माधव का वो 'एकरार' जो सरकार को चुभेगाः

राम माधव ने अमेरिकी पत्रकार के सामने जिस बेबाकी (या लाचारी) से अपनी बात रखी, वह हैरान करने वाली है। उन्होंने सवालिया लहजे में अपनी ही सरकार की 'शरणागति' की फेहरिस्त गिना दी। उन्होंने कहाः

'हमने कहां कमी छोड़ी? हमने ईरान से तेल खरीदना बंद किया, रूस से तेल लेना बंद किया। देश में विपक्ष का भारी विरोध झेलकर भी हम 50' टैरिफ के लिए राजी हुए। नए ट्रेड डील में भी हम औसत से अधिक यानी 18' टैरिफ देने को तैयार हो गए। इतना सब करने के बाद भी भारत ने कहां कमी रखी?

'महानगर मेट्रो का विश्लेषणः चार कड़वे सच

1. झूठी दोस्ती का ढिंढोराः एक तरफ प्रधानमंत्री और डोनाल्ड ट्रंप की दोस्ती की दुहाइयां दी जा रही थीं, वहीं दूसरी तरफ राम माधव के बयान से साफ है कि भारत ने अमेरिका के सामने पूरी तरह समर्पण कर दिया था। क्या यह दोस्ती थी या देश के हितों का सौदा?
2. विपक्ष की चेतावनी सही साबित हुईः जब ट्रेड डील और 50' टैरिफ का मुद्दा उठा था, तब विपक्ष ने इसे भारत की आर्थिक गुलामी बताया था। लेकिन सत्ता के नशे में चूर सरकार ने इसे 'ऐतिहासिक उपलब्धि' बताकर अपने ही कार्यकर्ताओं से हारी-तोरों के साथ अपना सम्मान कराया। आज राम माधव के शब्द विपक्ष के उसी विरोध पर मुहर लगा रहे हैं।
3. टैरिफ का बोझ और 'चुप्पी': नए ट्रेड डील में पहले से भी ज्यादा टैरिफ स्वीकार करना किसी भी नजरिए से कूटनीतिक जीत नहीं हो सकती। इसके बावजूद, खुद को 'राष्ट्रभक्त' कहने वाली टोली ने चुप्पी साधे रखी।
4. डैमेज कंट्रोल की नाकाम कोशिशः वीडियो वायरल होने के बाद अब राम माधव और उनकी टीम शब्दों के जाल बुनकर 'डैमेज कंट्रोल' में लगी है, लेकिन कैमरे पर बोले गए शब्द और उनके हाव-भाव झूठ नहीं बोलते।

नतीजाः झप्पी बनाम नुकसान

विदेश नीति के नाम पर विदेशी नेताओं से गले मिलना, खिलखिलाना और फोटो खिंचवाना घर के 'भक्तों' को लुभाने के लिए तो ठीक है, लेकिन इसकी कीमत देश को ऊंचे टैरिफ और ऊर्जा असुरक्षा (रूस-ईरान से तेल बंद करना) के रूप में चुकानी पड़ी है। सवाल यह है कि क्या देश के स्वाभिमान से बड़ा 'ब्रांड मोदी' हो गया है राम माधव का यह बयान सिर्फ एक इंटरव्यू नहीं, बल्कि मोदी सरकार की उस विदेश नीति का पोस्टमार्टम है जिसे अब तक 'अजेय' बताया जा रहा था।

विशेष रिपोर्ट भ्रष्टाचार और अपराध का 'सॉफ्ट टारगेट' बनता गुजरात

महानगर मेट्रो

अहमदाबादः कभी शांति और विकास के लिए मिसाल माना जाने वाला गुजरात, क्या अब अपराधियों और भ्रष्टाचारियों के लिए 'सुरक्षित पनाहगाह' बनता जा रहा है? महानगर मेट्रो की पड़ताल में राज्य की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं।

पकड़ तो होती है, पर सजा क्यों नहीं?

राज्य में पिछले कुछ समय में ड्रग्स की बड़ी खेप पकड़ी गई, करोड़ों का भ्रष्टाचार उजागर हुआ और शराबबंदी के बावजूद बूटलेगरों का जाल फैला हुआ दिखा। आंकड़े गवाही देते हैं कि कार्रवाई के नाम पर धरपकड़ तो खूब होती है, लेकिन जब बात 'सजा' की आती है, तो कानूनी प्रक्रिया के गलियारों में मामले दम तोड़ देते हैं। अपराधी सलाखों के पीछे जाने के बजाय 'मोकले मैदान' में घूमते नजर आते हैं।

व्यवस्था पर घातक प्रहारः

* ड्रग्स का जालः बंदरगाहों से लेकर गलियों तक फैलते नशे के कारोबार ने युवा पीढ़ी को खोखला कर दिया है। पेडलर्स पकड़े जाते हैं, लेकिन सिंडिकेट के आका आज भी पहुंच से बाहर हैं।
* भ्रष्टाचार की जड़ेंः सरकारी तंत्र में बैठे 'सफेदपोश' भ्रष्टाचारी बेखौफ होकर जनता की गाढ़ी कमाई निगल रहे हैं। सजा का डर न होने के कारण भ्रष्टाचार अब एक 'सिस्टम' बन चुका है।
* बूटलेगरों का दब शराबबंदी वाले राज्य में अवैध शराब का समानांतर प्रशासन चल रहा है। पुलिस की छापेमारी महज कागजी खानापूर्ति बनकर रह गई है।

जनता का टूटता भरोसाः

आम जनता के बीच यह धारणा घर कर गई है कि गुजरात में अपराधी कानून से नहीं डरते। जाँच एजेंसियां सबूत जुटाने में विफल रहती हैं या रसूखदारों के दबाव में फाइलें ठंडे बस्ते में डाल दी जाती हैं। यदि पकड़े गए अपराधियों को कठोर सजा नहीं मिली, तो वह दिन दूर नहीं जब गुजरात की शांति केवल इतिहास के पन्नों तक सीमित रह जाएगी।

महानगर मेट्रो सवाल करता है: आखिर कब तक पकड़े जाने के 'खेल' को ही न्याय माना जाएगा? क्या असली दोषियों को कभी कड़ी सजा मिलेगी, या कानून का खौफ केवल आम आदमी के लिए ही बना रहेगा?

आखिर दुनिया का 'थानेदार' ट्रंप और उनका अमेरिका खुद इतना असुरक्षित क्यों है?

पवन माकन

अमेरिका लंबे समय से खुद को विश्व नेतृत्व की भूमिका में रखता है। जब कोई देश या नेता इतनी बड़ी जिम्मेदारी उठाता है, तो हर निर्णय पर आलोचना और चुनौती स्वाभाविक होती है-चाहे वह शीत युद्ध के बाद की वैश्विक व्यवस्था हो या आज की बहुध्रुवीय दुनिया, अमेरिका ने हर चुनौतियों से सीखा और बेहतर समाधान देने की कोशिश की।

आखिर दुनिया का 'थानेदार' कहे जाने वाला अमेरिका खुद असुरक्षित क्यों दिखता है? असल में यह एक मिथक औ? हकीकत का मिश्रण है। अमेरिका के नेता, जैसे डोनाल्ड ट्रम्प के 'असुरक्षित' दिखने के पीछे कई परतें होती हैं, क्योंकि उनकी मौजूदगी वाले स्थल पर यह तीसरा बड़ा हमला है। इसलिए यह सिर्फ व्यक्तिगत नहीं, बल्कि राजनीतिक, संस्थागत और वैश्विक कारणों का मिश्रण है।

पहला, वैश्विक नेतृत्व का दबावः अमेरिका लंबे समय से खुद को विश्व नेतृत्व की भूमिका में रखता है। जब कोई देश या नेता इतनी बड़ी जिम्मेदारी उठाता है, तो हर निर्णय पर आलोचना और चुनौती स्वाभाविक होती है-चाहे वह शीत युद्ध के बाद की वैश्विक व्यवस्था हो या आज की बहुध्रुवीय दुनिया, अमेरिका ने हर चुनौतियों से सीखा और बेहतर समाधान देने की कोशिश की।

दूसरा, घरेलू राजनीति की तीखी प्रतिस्पर्धाः डॉनल्ड ट्रंप की राजनीति बहुत ध्रुवीकृत रही है। अमेरिका के अंदर ही डेमोक्रेट और रिपब्लिकन के बीच तीखी टकराहट, मीडिया की आलोचना, और चुनावी दबाव–ये सब किसी भी नेता को 'रक्षात्मक' या असुरक्षित दिखा सकते हैं।

तीसरा, कानूनी और व्यक्तिगत विवादः ट्रंप कई कानूनी मामलों, जांचों और विवादों से घिरे रहे हैं। ऐसी स्थिति में कोई भी नेता अपनी छवि और राजनीतिक भविष्य को लेकर सतर्क–कभी-कभी असुरक्षित–दिख सकता है।

चौथा, बदलती वैश्विक शक्ति-संतुलनः अब दुनिया एकध्रुवीय नहीं रही। चीन, रूस जैसे देश चुनौती दे रहे हैं। इससे अमेरिका की 'थानेदार' वाली स्थिति पहले जैसी निर्विवाद नहीं रही, और यह असुरक्षा की भावना पैदा कर सकता है।

पांचवां, पॉपुलिस्ट (जनप्रिय) राजनीति की शैलीः

ट्रंप की राजनीति में 'हम बनाम वे' का नैरेटिव मजबूत रहा है। इस शैली में नेता अक्सर खतरे को बड़ा दिखाते हैं–चाहे वह बाहरी हो या आंतरिक–ताकि समर्थकों को एकजुट रखा जा सके। इससे भी 'असुरक्षा' का आभास होता है।

छठा, 'असुरक्षा' का एहसास बनाम असली आंकड़े;

अमेरिका में लंबे समय में अपराध दर (crime rate) घटी है, खासकर 1990 के बाद से, लेकिन फिर भी लगभग 46% लोग खुद को असुरक्षित महसूस करते हैं। यानी समस्या सिर्फ

अपराध नहीं, बल्कि डर का माहौल भी है कारण स्पष्ट है कि मीडिया, सोशल मीडिया, और मास शूटिंग जैसी घटनाएं लोगों के दिमाग में डर बढ़ाती हैं।

सातवां, आर्थिक असमानताः अमेरिका दुनिया का सबसे अमीर देशों में है, लेकिन अमीर-गरीब का अंतर बहुत बड़ा है बेरोजगारी, घर विहीनता, opioid crisis जैसी समस्याएं अपराध को बढ़ाती हैं। जहां असमानता ज्यादा होती है, वहां अपराध और असुरक्षा भी ज्यादा होती है।

आठवां, हथियार संस्कृतिः अमेरिका में आम नागरिक के पास बड़ी संख्या में हथियार हैं। इससे छोटी घटनाएं भी घातक बन सकती हैं, जैसे शूटिंग इंसीडेंट्स। यही कारण है कि हिंसात्मक अपराध का डर ज्यादा रहता है।

नौवां, अपराध का 'केंद्रित' होनाः पूरे अमेरिका में समान खतरा नहीं है, बल्कि अपराध कुछ खास शहरों या इलाकों में ज्यादा केंद्रित होता है। इसलिएः कुछ जगह बहुत सुरक्षित है पर कुछ जगह बहुत खतरनाक।

दसवां, मीडिया और राजनीति का प्रभावः लगातार चौबीस घण्टे सातों दिन न्यूज और सोशल मीडिया 'खतरे' को अम्प्लीफाय (amplify) करते हैं। लोग वास्तविकता से ज्यादा डर महसूस करते हैं। 'भय अर्थव्यवस्था' भी एक फैक्टर है।

ग्यारहवां, पुलिस और सिस्टम की सीमाएँः अमेरिका पुलिस और जेल पर बहुत खर्च करता है, फिर भी मूल कारणों, जैसे- गरीबी, मानसिक स्वास्थ्य, नशा आदि पर कम ध्यान दिया जाता है। इसलिए सुरक्षा का ढांचा 'प्रतिक्रियावादी' है, 'सुरक्षात्मक/संरक्षात्मक' कम।

बारहवां, सामाजिक व्यवहार और जीवनशैलीः सड़क हादसे, नशा, मानसिक तनाव–ये भी असुरक्षा के बड़े कारण हैं कई मामलों में व्यवहार भी जिम्मेदार है।

निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है कि अमेरिका 'कमजोर' नहीं है, लेकिनःआर्थिक असमानता, हथियार संस्कृति, सामाजिक तनाव और मीडिया द्वारा बढ़ा डर आदि के कारण एक शक्तिशाली देश भी अंदर से असुरक्षित महसूस करता है।

उल्लेखनीय है कि ट्रंप की हालिया सुरक्षा चूक व्हाइट हाउस कॉरेस्पॉन्डेंट्स डिनर (25 अप्रैल 2026) के दौरान हुई, जब एक संदिग्ध ने होटल में घुसकर गोली चलाई। अमेरिकी अधिकारी अभी जांच कर रहे हैं, लेकिन कोई निश्चित समय सारिणी घोषित नहीं की गई है। 25 अप्रैल 2026 को वॉशिंगटन के हिल्टन होटल में डिनर के दौरान एक संदिग्ध (कोल एलन) ने शॉटगन, पिस्तौल और चाकू लहराते हुए सिक्योरिटी चेकपॉइंट तोड़ा और गोली चलाई। सीक्रेट सर्विस ने ट्रंप, मेलानिया ट्रंप, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस समेत नेताओं को सुरक्षित निकाला; एक एजेंट को गोली लगी लेकिन बुलेटप्रूफ वेस्ट से बच गया।

बहरहाल, जांच की स्थिति यह है कि FBI की एंटी-टेरर यूनिट जांच लीड कर रही है, जिसमें हथियार, गवाह बयान और संदिग्ध के मैनिफेस्टो की पड़ताल शामिल है। एक्टिंग अटॉर्नी जनरल टॉड ब्लैंच ने कहा कि संदिग्ध ट्रंप व उनकी टीम को टारगेट बना रहा था, लेकिन वो सहयोग नहीं कर रहा। ट्रंप ने इसे सिक्योरिटी सक्सेस बताया, पर सुरक्षा प्रोटोकॉल पर सवाल उठे हैं।

आखिर जवाब कब? तो अधिकारियों ने लाइव अपडेट दिए हैं, लेकिन सुरक्षा चूक के सवालों (जैसे चेकपॉइंट कैसे टूटा) पर कोई अंतिम रिपोर्ट या सुनवाई की तारीख की घोषणा नहीं हुई। जांच जारी है, अतिरिक्त विवरण आने पर बयान संभव। इससे पहले ट्रंप पर 13 जुलाई 2024 के हमले (पेंसिल्वेनिया रैली) की जांच में जुलाई 2025 में जारी अमेरिकी सीनेट रिपोर्ट ने सीक्रेट सर्विस की गंभीर चूक उजागर की। यह 2026 की हालिया घटना से जुड़ी नहीं, बल्कि पुरानी घटना पर आधारित है।

मुख्य निष्कर्ष यह है कि विश्वसनीय खुफिया सूचना के बावजूद सीक्रेट सर्विस ने कोई उचित कार्रवाई नहीं की; खतरे को नजरअंदाज किया। वहीं, स्थानीय पुलिस के साथ समन्वय की कमी, खासकर पास की छत को सुरक्षित न करना। संचार, तकनीकी और मानवीय चूकें; कोई बड़ा अधिकारी बर्खास्त नहीं, सिर्फ 6 पर हल्की कार्रवाई।

इसलिए सिफारिशें की गईं कि जिम्मेदारों को दंडित करने, सुरक्षा सुधार और तालमेल मजबूत करने की मांग की। चेयरमैन रैंड पॉल ने इसे 'पूरी विफलता' बताया। सीक्रेट सर्विस ने स्वीकार किया और सुधार शुरू किए। सीक्रेट सर्विस ने 2024 ट्रंप हमले (पेंसिल्वेनिया रैली) की चूक के बाद कई सुधारात्मक कदम उठाए, जिनमें एजेंटों पर कार्रवाई और प्रक्रियागत बदलाव शामिल हैं। ये कदम सीनेट रिपोर्ट (2025) के बाद तेज हुए।

वहीं, एजेंटों पर कार्रवाई हुई। 6 एजेंटों को सस्पेंड किया, 10-42 दिनों की सैलरी कटौती और गैर-ऑपरेशनल पदों पर स्थानांतरित। पूर्व डायरेक्टर किम्बर्ली चीटल ने इस्तीफा दिया। वहीं, प्रक्रियागत सुधार किए गए। स्थानीय पुलिस/एजेंसियों के साथ समन्वय, संचार और सुरक्षा मैनुअल को संशोधित। हवाई निगरानी के लिए अलग डिवीजन, खतरे मूल्यांकन में स्पष्ट जिम्मेदारियां। कांग्रेस ने राष्ट्रपति उम्मीदवारों के लिए सुरक्षा बढ़ाने वाला विधेयक पारित किया।

संपादकीय

चिट्टे के खिलाफ महिलाएं

आमतौर पर नशाखोरी के खिलाफ जब किसी गांव को ह्यरेड जोनह्ण घोषित किया जाता है, तो यह आधिकारिक तौर पर एक सामाजिक चेतावनी होती है। लेकिन शिमला के कुछ हिस्सों में घोषित यह चेतावनी पुलिस या प्रशासन द्वारा नहीं, बल्कि उन महिलाओं द्वारा जारी की गई है जो परिवारों व समाज को नशे के नासूर से बचाना चाहती हैं। पति हो या बेटा, नशे की हर त्रासदी का त्रास महिलाएं ही भुगतती हैं। वह चाहे किसी अपने को असमय खोना हो या आर्थिक रूप से परिवारिक क्षति हो। यही वजह है कि नशे के खिलाफ अभियान को जमीनी हकीकत बनाने के मकसद से माताएं, बहनें और पत्नियां घर की चौखट से बाहर निकलकर सार्वजनिक रूप से मुखर हुई हैं। महिलाओं के नेतृत्व में चलने वाले इस अभियान को गति देने के लिये सतर्कता समूह बनाये गए हैं। जिसमें नशे के कारोबार और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिये रात्रि गश्त भी शामिल है। साथ ही नशे की लत के शिकार लोगों को नशामुक्ति केंद्रों तक ले जाने में पहल की जा रही है। निस्संदेह, महिलाएं पुरुष व्यवहार को समझने में खासी संवेदनशील होती हैं। वे नशा करने वाले किसी पारिवारिक सदस्य के व्यवहार में बदलाव, भावनात्मक टूटन व नशे के कारण होने वाली आर्थिक तंगी पर पैनी दृष्टि रखती हैं। उनके व्यक्तिगत अनुभवों के फलस्वरूप वे आधिकारिक रिपोर्ट आने से पहले ही नशे की लत में जकड़े लोगों को पहचानने का प्रयास करती हैं।

निस्संदेह, जमीनी स्तर पर चलाए जा रहे इस अभियान के सार्थक परिणाम आने की उम्मीद जगी है। निर्विवाद रूप से पुलिस व प्रशासन की छापेमारी और गिरफ्तारियां नशे की आपूर्ति पर किसी हद तक अंकुश लगा सकती हैं, लेकिन टूट-बिखर रहे घरों को नहीं बचाया जा सकता। निस्संदेह, नशाखोरी के कई सामाजिक आयाम भी हैं, जिसे सामाजिक स्तर पर पहल करके रोका जा सकता है। रचनात्मक पहल से ही उन कारकों को संबोधित किया जा सकता है जो नशीले पदार्थों को बढ़ावा देते हैं। वाकई सामुदायिक स्तर पर सतर्कता बेहद जरूरी है और महिलाएं इसका नेतृत्व करने में सक्षम भूमिका का निर्वहन कर सकती हैं। सही मायनों में हिमाचल सरकार की ह्यचिट्टा विरोधी पदयात्राह्ण और ह्यमहिला मंडलोंह्ण की सार्थक पहल का स्वागत किया जाना चाहिए। निस्संदेह, इस रचनात्मक पहल को संस्थागत स्तर भी समर्थन देने की जरूरत है क्योंकि नशे के कारोबार में संगठित गिरोह भी गहरे तक जुड़े रहते हैं। ऐसे में मादक पदार्थों के तस्करों का सामना करने वाली महिलाओं को अपराधियों की धमकी आदि जोखिमों का सामना करना पड़ सकता है। जिसके लिये सक्रिय पुलिसिंग, गवाहों को सुरक्षा देने, नशा मुक्ति के लिए पुनर्वास सुविधाएं और लगातार जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता भी होगी। सेवाभाव के लिये प्रसिद्ध पंजाब के लोगों को भी इस रचनात्मक पहल का अनुकरण करना चाहिए। वाकई पंजाब में नशे की चुनौती खासी बड़ी है। युवाओं को नशे की दलदल से बचाने के लिये एक बड़ी पहल की जरूरत महसूस की जा रही है।

चिंतन-मनन

राजा का खजाना

फारस के शासक साइरस अपनी प्रजा की भलाई में जुटे रहते थे। लेकिन खुद उनका जीवन सादगी से भरा था। वह रियासत की सारी आमदनी व्यापार, उद्योग और खेतीबाड़ी में लगा देते थे। इस कारण शाही खजाना हल्का रहता था। लेकिन प्रजा खुशहाल थी। एक दिन साइरस के दोस्त और पड़ोसी शासक प्रोशियस उनके यहां आए। उनका मिजाज साइरस से बिल्कुल अलग था। उन्हें प्रजा से ज्यादा अपनी खुशहाली की चिंता रहती थी। उनका खजाना हमेशा भरा रहता था। बातों-बातों में जब प्रोशियस को साइरस के खजाने का हाल मालूम हुआ तो उन्होंने साइरस से कहा, अगर आप इसी तरह प्रजा के लिए खजाना लुटाते रहोगे तो एक दिन वह एकदम खाली हो जाएगा। आप कंगाल हो जाओगे।

अगर आप भी मेरी तरह खजाना भरने लगें तो आपकी गिनती मेरी तरह सबसे धनी शासकों में होने लगेगी। साइरस मुस्कराए फिर बोले आप दो दिन ठहरिए मैं इस मामले में लोगों का इम्तिहान लेना चाहता हूं। उन्होंने घोषणा करवा दी कि एक बहुत बड़े काम के लिए साइरस को दौलत की निहायत जरूरत है। उन्हें पूरी उम्मीद है कि प्रजा मदद करेगी। दो दिन पूरा होने से पहले ही शाही महल के बाहर मोहरों, सिक्कों व जेवरों का बड़ा ढेर लग गया। यह देख प्रोशियस हैरत में पड़ गए। साइरस ने कहा, मैंने रियासत का खजाना लोगों की खुशहाली पर खर्च करके एक तरह से उन्हीं को सौंप दिया है। लोग उसमें इजाफा करते रहते हैं। मुझे जब जरूरत होगी वे मुझे लौटा देंगे जबकि तुम्हारा खजाना बांझ है, वह कोई बढ़ोतरी नहीं कर रहा है।

दल-बदल की दस्तक और लोकतंत्र की अग्नि परीक्षा

विनोद कुमार सिंह

वर्तमान के बदलते राजनीतिक परिदृश्य में नैतिकता का प्रश्न – चुनावी सरगर्मियों के बीच सत्ता, सिद्धांत और स्वार्थ की टकराहट, क्या लोकतंत्र का असली 'राजा' अभी भी जागरूक मतदाता है?

वैश्विक राजनीतिक परिदृश्य इस समय अस्थिरताओं, वैचारिक टकरावों और सत्ता-संतुलन के नए समीकरणों से गुजर रहा है। यदि भारतीय लोकतंत्र के भीतर झांका जाए तो यहाँ भी कम उथल-पुथल नहीं दिखती।देश के चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में विधानसभा चुनावों की गहमागहमी ने राजनीतिक तापमान को पहले ही ऊँचाई पर पहुँचा दिया है।इसी बीच आम आदमी पार्टी के सात राज्यसभा सांसदों द्वारा पार्टी छोड़कर भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लेना इस तापमान को भुचाल में बदलता प्रतीत हो रहा है। यह घटनाक्रम केवल एक दल से दूसरे दल में जाने भर का मामला नहीं है। यह भारतीय राजनीति की उस गहराई को उजागर करता है जहाँ सिद्धांत और स्वार्थ के बीच संघर्ष निरंतर जारी है।जब हम इस घटनाक्रम की पृष्ठभूमि में जाते हैं, तो उस आंदोलन की स्मृति ताजा हो उठती है जिसने भारतीय राजनीति को एक नई दिशा देने का दावा किया था।अन्ना हजारे के नेतृत्व में चला जनलोकपाल आंदोलन केवल भ्रष्टाचार के खिलाफ एक आवाज नहीं था। वह एक नैतिक क्रांति का प्रतीक बन गया था।इसी आंदोलन की कोख से अरविन्द केजरीवाल ने एक राजनीतिक दल के रूप में आम आदमी पार्टी का निर्माण किया। यह एक ऐसा प्रयोग था जिसने पारंपरिक राजनीति को चुनौती देते हुए पारदर्शिता, जवाबदेही और जनभागीदारी को अपने मूल सिद्धांतों में शामिल किया। दिल्ली की सत्ता में एक दशक तक बने रहना और राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा हासिल करना इस प्रयोग की सफलता का प्रमाण माना गया।किन्तु समय के साथ यह भी स्पष्ट होता गया कि आदर्शों की जमीन पर खड़ी राजनीति को सत्ता के गलियारों में टिकाए रखना सरल नहीं होता।आज जब उसी पार्टी के सात राज्यसभा सांसद - जिनमें राघव चड्ढा और हरभजन सिंह जैसे चर्चित नाम शामिल हैं–दल बदलते हैं, तो यह केवल एक संगठनात्मक संकट नहीं रह जाता।यह उस वैचारिक प्रतिबद्धता पर भी प्रश्नचिह्न खड़ा करता है जो कभी इस पार्टी की पहचान हुआ करती थी। इस पूरे घटनाक्रम पर अन्ना हजारे की प्रतिक्रिया अत्यंत महत्वपूर्ण और विचारणीय है।उन्होंने जिस स्पष्टता के साथ दलबदल विरोधी कानून को सख्त बनाने की आवश्यकता पर बल दिया,वह केवल एक राजनीतिक टिप्पणी नहीं है। वह लोकतंत्र की आत्मा को बचाने की पुकार है।उनका यह कहना कि वर्तमान व्यवस्था में नेता व्यक्तिगत स्वार्थ के आधार पर पार्टी बदल लेते हैं,भारतीय राजनीति की एक कटु सच्चाई को सामने लाता है। यह सच्चाई किसी एक दल या व्यक्ति तक सीमित नहीं है। यह एक व्यापक प्रवृत्ति बन चुकी है जिसने लोकतांत्रिक मूल्यों को धीरे-धीरे क्षीण किया है।भारतीय संविधान की आत्मा समाज और राष्ट्र के कल्याण में निहित है।यह किसी राजनीतिक दल के हितों की रक्षा के लिए नहीं बना। जब राजनीति का केंद्र बिंदु सेवा से हटकर सत्ता और संसाधनों के नियंत्रण पर केंद्रित हो जाता है, तब ऐसे विचलन स्वाभाविक हो जाते हैं। अन्ना हजारे ने जिस 'सत्ता से पैसा और पैसे से सत्ता' के दुष्चक्र की बात कही,वह आज की राजनीति का यथार्थ चित्रण है। यह दुष्चक्र केवल भ्रष्टाचार को जन्म नहीं देता, बल्कि जनविश्वास को भी गहरी चोट पहुँचाता है।दल-बदल का यह प्रकरण हमें सोचने पर विवश करता है कि क्या हमारे लोकतंत्र में वैचारिक प्रतिबद्धता अब गौण होती जा रही है। क्या राजनीतिक दल केवल अवसरवादिता के मंच बनकर रह गए हैं। जब कोई नेता किसी विचारधारा के आधार पर जनता का समर्थन प्राप्त करता है और बाद में उसी विचारधारा को त्याग देता है, तो यह केवल व्यक्तिगत निर्णय नहीं होता। यह मतदाता के विश्वास के साथ एक प्रकार का विश्वासघात भी है। हालाँकि अन्ना हजारे ने इस घटनाक्रम में सीधे तौर पर सांसदों की आलोचना करने से परहेज किया।उन्होंने अंतिम जिम्मेदारी जनता पर डालते हुए उसे लोकतंत्र का 'राजा' बताया। यह दृष्टिकोण भारतीय लोकतंत्र की मूल भावना को दर्शाता है जहाँ अंतिम शक्ति जनता के हाथ में निहित है। यदि मतदाता जागरूक और विवेकपूर्ण निर्णय ले, तो राजनीति में व्याप्त अनेक विसंगतियों को सुधारा जा सकता है।फिर भी एक महत्वपूर्ण प्रश्न अनुत्तरित नहीं रहना चाहिए।क्या केवल मतदाता की जागरूकता ही पर्याप्त है। क्या राजनीतिक दलों और नेताओं की कोई नैतिक जिम्मेदारी नहीं बनती।लोकतंत्र केवल चुनावों का नाम नहीं है। यह एक सतत प्रक्रिया है जिसमें पारदर्शिता,जवाबदेही और नैतिकता का समावेश अनिवार्य है। यदि इन मूल्यों की अनदेखी होती है,तो लोकतंत्र का ढाँचा भले ही कायम रहे,उसकी आत्मा धीरे-धीरे क्षीण हो जाती है।भारतीय राजनीति में दलबदल की समस्या नई नहीं है। साठ और सत्तर के दशक में यह प्रवृत्ति इतनी बढ़ गई थी कि इसे 'आया राम,गया राम' की संज्ञा दी गई। इसके बाद दलबदल विरोधी कानून लाया गया, लेकिन समय के साथ उसमें कई खामियाँ सामने आईं।आज आवश्यकता इस बात की है कि इस कानून को अधिक प्रभावी बनाया जाए,ताकि कोई भी जनप्रतिनिधि व्यक्तिगत लाभ के लिए अपने जनादेश का दुरुपयोग न कर सके।

वर्तमान घटनाक्रम यह भी संकेत देता है कि आम आदमी पार्टी के भीतर पिछले कुछ समय से मतभेद और टकराव की स्थिति बनी हुई थी। यह दशार्ता है कि किसी भी राजनीतिक दल के भीतर आंतरिक लोकतंत्र का सशक्त होना कितना आवश्यक है।जब संवाद और असहमति के लिए पर्याप्त स्थान नहीं होता,तब असंतोष अंततः विद्रोह का रूप ले लेता है। भारतीय जनता पार्टी द्वारा इन सांसदों का स्वागत किया जाना भी एक राजनीतिक रणनीति का हिस्सा है। हर राजनीतिक दल अपने विस्तार और मजबूती के लिए ऐसे अवसरों का उपयोग करता है। लेकिन यहाँ यह प्रश्न भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि क्या केवल संख्या बल बढ़ाना ही राजनीति का उद्देश्य होना चाहिए, या फिर वैचारिक संगति और नैतिक आधार को भी समान महत्व दिया जाना चाहिए।यह पूरा घटनाक्रम हमें लोकतंत्र के मूल प्रश्नों की ओर वापस ले जाता है। क्या हम केवल सत्ता परिवर्तन को ही लोकतंत्र मानते हैं,या उसके मूल्यों और आदर्शों को भी उतना ही महत्व देते हैं। क्या राजनीति केवल एक पेशा बनकर रह गई है,या यह अभी भी सेवा का माध्यम है।

आज जब देश के विभिन्न हिस्सों में चुनाव हो रहे हैं,ऐसे समय में मतदाताओं के लिए एक महत्वपूर्ण संदेश लेकर आता है। यह संदेश है कि वे केवल वादों और नारों के आधार पर नहीं,बल्कि नेताओं के आचरण और उनकी वैचारिक प्रतिबद्धता के आधार पर अपने प्रतिनिधियों का चयन करें,क्योंकि अंततः वही लोकतंत्र को मजबूत या कमजोर बनाता है।अरविन्द केजरीवाल के नेतृत्व में उभरी राजनीति ने एक समय लोगों को यह विश्वास दिलाया था कि व्यवस्था को बदला जा सकता है। आज उसी व्यवस्था के भीतर इस प्रकार के घटनाक्रम यह संकेत देते हैं कि परिवर्तन की राह आसान नहीं होती। उसे बनाए रखना उससे भी अधिक कठिन होता है।यह समय केवल आलोचना या समर्थन का नहीं है।यह आत्ममंथन का समय है। राजनीतिक दलों को अपने भीतर झांकना होगा और यह देखना होगा कि वे अपने मूल सिद्धांतों से कितनी दूर चले गए हैं। मतदाताओं को भी यह तय करना होगा कि वे किस प्रकार की राजनीति को प्रोत्साहित करना चाहते हैं। अंततः लोकतंत्र की मजबूती किसी एक दल,एक नेता या एक घटना पर निर्भर नहीं करती।यह उस सामूहिक चेतना पर निर्भर करती है जो समाज के प्रत्येक नागरिक में विद्यमान होती है।यदि यह चेतना जागृत और सक्रिय रहती है,तो कोई भी दुष्चक्र अधिक समय तक टिक नहीं सकता। आज जब भारतीय राजनीति एक नए मोड़ पर खड़ी है,तब यह आवश्यक हो जाता है कि हम केवल घटनाओं को देखने तक सीमित न रहें।हमें उनके पीछे छिपे संकेतों को भी समझना होगा। यही समझ हमें एक बेहतर,सशक्त और नैतिक लोकतंत्र की ओर ले जा सकती है जहाँ सत्ता नहीं,बल्कि सिद्धांत सर्वोपरि हों।

बिहार में बीजेपी का अपना मुख्यमंत्री आखिर राज क्या है

संजय गोस्वामी

बिहार में लगता है कहीं फिर होगा सुशासन की जगह कूशासन ना हो जाए क्योंकि नीतीश सरकार सेवामुक्त हो चुकी है और वहाँ की विपक्ष हमलावर दिखाई दे रही है आखिर इसके पीछे की मंशा क्या थी ये सभी को मालूम थी कि बीजेपी अपना मुख्यमंत्री चाहती है मुख्यमंत्री की रेश में नित्यानंद राय का भी नाम था जो अच्छा आदमी है बोलचाल की भाषा में, बिहार में जिस तरह से नीतीश कुमार को मुख्य मंत्री पद से सेवामुक्त किया गया और राज्यसभा का सांसद के लिए मनाया गया और फिर उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को बनाया गया इससे छोटे दलों में ही नाराजगी नहीं है बल्कि बीजेपी का एक बड़ा वर्ग भी इससे नाराज है इसके पहले पूर्व में ऊर्जा मंत्री रह चूके डॉ आर के सिंह ने सम्राट चौधरी को लेकर सवाल किये वो पार्टी को लेकर बेहद चिंताजनक बात है खासकर बिहार को लेकर बीजेपी कई चेहरा थे जो साफ छवि और पढ़े लिखें थे और वर्षो का तजुर्बा था जैसे श्री नन्द किशोर यादव, वहाँ के बीजेपी के सांसद राजीव प्रताप रूड़ी जो पूर्व में वाजपेयी सरकार में सिविल एविएशन मिनिस्टर थे सम्राट चौधरी को मुख्यमंत्री बनाए जाना समझ से बाहर है क्योंकि उनके

बोल चाल की भाषा पढ़े लिखे लोगों को पसंद नहीं आती है और शायद बाद में बिहार में बीजेपी को नुकसान हो सकता है नीतीश कुमार ने जानबूझकर उन्हें बनाने पर जोर दिया ताकि सम्राट चौधरी फिर कोई हरकत करेंगे और इसका खामियाजा बीजेपी को अगले चुनाव में क्या बंगाल के चुनाव में ही देखने को मिलेगा जहाँ ममता दीदी की सरकार पूर्ण बहुमत से बन रही है जिसमें निर्णायक भूमिका महिलाओ की होंगी और बिहार के सीएम नीतीश कुमार जिस तरह बिहार में महिलाओ को एक सम्मान दिया इससे पश्चिम बंगाल में असर दिखेगा क्योंकि बिहार और बंगाल की सीमा सटी है जहाँ तक कुर्मी वोटर का सवाल है वो भी पश्चिम बंगाल में एंटी बीजेपी को गया है जिसकी संख्या काफी अधिक है इसलिए नीतीश कुमार ने बंगाल चुनाव से पहले ही खेल कर दिया और यूपी में भी बाद में असर आएगा आखिर बिहार में नीतीश कुमार को हटाने की जरुरत क्या थी स्वास्थ्य को लेकर जहाँ तक बात है तो राज्यसभा के सांसद भी नहीं बनाना चाहिए और क्या केंद्र में कोई अहम मंत्रालय मिलेगा सब तो भर गए फूड या उससे सम्बंधित मंत्रालय ही मिलेगा जो नीतीश कुमार लेंगे नहीं जहाँ तक बिहार के विकास की बात है तो बुलडोजर से विकास नहीं होगा क्योंकि इससे गरीबो का रोजगार चौपट होता है जब ईरान में घायल मुर्तजा खामनोई बेड पर रहकर भी ईरान की सत्ता चला रहे हैं और आईआरजीसी और वहाँ के मंत्री में टकराव देखने को मिला है उससे ऐ साफ जाहिर है कि देश या राज्य चलाऐ रखने हेतु हेल्थ कोई मुद्दा नहीं होता निर्णय लेना ही महत्वपूर्ण होता है और जिस तरह नीतीश कुमार जब मुख्यमंत्री थे तब बिहार में इन्वेस्टमेंट के कई फाइल को रिजेक्ट किया था जो उनके हिसाब से बिहार जैसे गरीब राज्य में अगर इन्वेस्टमेंट हुआ तो तोड़फोड़ होगा जमीनों पर कब्जा होगा और गरीबों को नुकसान होगा इसलिए बिहार में बीजेपी ने नीतीश कुमार को राज्यसभा में लाकर सेल्फ गोल कर लिया है जोड़ तोड़ की राजनीति ज्यादा दिनों तक नहीं चलती और दूसरे के घर में झंकाना सही नहीं है इससे समय बर्बाद होता है और व्यक्तिगत आरोप लगता है जो राजनीति में गलत है अब आमआदमी पार्टी के 3 राज्यसभा सांसद आम आदमी पार्टी छोड़कर बीजेपी में गए हैं सही नहीं है आपको कभी किसी पार्टी ने विश्वास में लिया है तो धोखा देना सही नहीं है अब केजरीवाल के घर का वीडियो दिखाया जा रहा है और बीजेपी आरोप लगा रही है कि इतना बड़ा महल कैसे बनाया, ये व्यक्तिगत आरोप है इससे बचना चाहिए क्योंकि जब भी माननीय प्रधानमंत्री श्री मोदीजी के ऊपर जब भी किसी बिपक्षी पार्टी ने व्यक्तिगत आरोप लगाएं हैं तब तब उस पार्टी का बहुत नुकसान हुआ है अतः राजनीति में व्यक्तिगत आरोप से बचना चाहिए। दरअसल बिहार में बीजेपी का अपना मुख्यमंत्री ऐसा चाहिए जो बीजेपी के हाई कमान की बात को माने और सही गलत जो भी हो उसकी मयार्दा का पालन करना है।

प्राइवेट स्कूलों की मनमानी होगी बंद, टेकओवर करने की तैयारी में दिल्ली सरकार

महानगर मेट्रो

दिल्ली में मनमानी करने वाले प्राइवेट स्कूलों पर सरकार बड़ा ऐक्शन लेने की तैयारी कर रही है। सरकार तय गाइडलाइंस के खिलाफ काम करने और एडमिशन के नाम पर डोनेशल लेने वाले स्कूलों को टेकओवर कर सकती है। नई दिल्ली: मनमानी करने वाले प्राइवेट स्कूलों पर गाज गिर सकती है। तय गाइडलाइंस के खिलाफ काम करने और एडमिशन के नाम पर डोनेशन लेने वाले स्कूलों को सरकार टेकओवर कर सकती है। दरअसल, दो दिन पहले दिल्ली सरकार के शिक्षा विभाग और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने रोहिणी सेक्टर-13 स्थित वेंकटेश्वर ग्लोबल स्कूल का औचक निरीक्षण किया था, जिसमें प्रशासनिक, वित्तीय और सुरक्षा संबंधी बड़ी अनियमितताएं पाई गई। सरकार का कहना है कि इस स्कूल के खिलाफ पैरेंट्स द्वारा प्रताड़ित करने और एडमिशन के नाम पर डोनेशन लिए जाने की शिकायत मिली थी, जिसके बाद यह कार्रवाई की गई। सरकार का कहना है कि वह सभी प्राइवेट स्कूलों की जांच कर रही है और गंभीर अनियमितताएं पाए जाने पर उन्हें टेकओवर कर लिया जाएगा।

स्कूल में जांच करने पहुंची थी टीम

स्कूल पहुंची जांच टीम ने पाया कि स्कूल बिना वैध फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट के चलाया जा रहा था। बार-बार जांच के बाद भी जरूरी सुरक्षा मानकों की कमी के कारण फायर विभाग द्वारा प्रमाणपत्र जारी नहीं किया गया था। स्विमिंग पूल भी बिना लाइसेंस के चल रहा था, बुनियादी सुरक्षा की भी कमी पाई गई। न तो गहराई का स्पष्ट संकेत था और न ही वर्किंग ऑक्सिजन सिलिंडर था। पूल को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया गया है। टीम ने यह भी पाया कि बेसमेंट में लगभग 18 कमरों में स्टेम लैब, रोबॉटिक्स, वेस्टर्न म्यूजिक और डांस क्लास चलाए जा रहे थे, जो एमसीडी भवन मानकों, सीबीएसई और शिक्षा विभाग की गाइडलाइन का साफ उल्लंघन है। छात्रों ने पानी की क्वॉलिटी पर सवाल उठाया। यही नहीं, पैसे लेकर जो खाना दिया जा रहा था, उसको लेकर भी शिकायत दर्ज की गई। जबकि फूड स्कूल की छत पर बने अस्थायी ढांचे में तैयार किया जा रहा था, जो पास में लगे सोलर पैनलों के कारण आग लगने का सीवियर खतरा पैदा कर रहा था।

लैब में एसिड खुले में रखा मिला

जांच टीम ने पाया कि केमिस्ट्री लैब में एसिड खुले में रखा था और कई एक्सपायर्ड केमिकल्स भी मौजूद थे। कई छात्रों ने यह भी खुलासा किया कि अभिभावकों से दाखिले के लिए भारी भरकम डोनेशन लिया गया। जब छात्र इन अनियमितताओं की जानकारी दे रहे थे, तब स्कूल प्रबंधन ने निरीक्षण टीम और छात्रों के बीच सीधे बातचीत को बाधित करने का प्रयास किया। अधिकारियों के अनुसार, स्कूल द्वारा वित्तीय अनियमितताओं को छिपाने के लिए खातों में हेरफेर किए जाने की भी आशंका है, जिसमें नियमित फीस को विभिन्न गतिविधियों के नाम पर लाभ के रूप में दिखाया जा रहा है, जबकि डोनेशन की राशि अलग से नकद में ली जा रही है। उल्लेखनीय है कि इस स्कूल को डीडीए द्वारा किफायती शिक्षा सुनिश्चित करने के मकसद से लीज पर जमीन दी गई थी, लेकिन शुरुआती जांच में यह संस्था लाभ कमाने का जरिया दिखाई दे रही है।

AAP के 7 सांसदों को बीजेपी में विलय की मंजूरी, राज्यसभा सचिवालय की अधिसूचना, BJP की संख्या अब इतनी

महानगर मेट्रो

आम आदमी पार्टी के 7 बागी सांसदों के बीजेपी में विलय के लिए राज्यसभा सभापति ने मंजूरी दे दी है। इस संबंध में राज्यसभा सचिवालय ने अधिसूचना जारी की है। यह आम आदमी पार्टी के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। नई दिल्ली: आम आदमी पार्टी के 7 बागी सांसदों को राज्यसभा सचिवालय से बीजेपी में विलय की मंजूरी मिल गई है। राज्यसभा सचिवालय ने इस संबंध में सोमवार सुबह अधिसूचना जारी की है। ऐसे में राज्यसभा में बीजेपी की संख्या बढ़कर 113 हो जाएगी। शुक्रवार को राघव चड्ढा, अशोक मित्तल और संदीप पाठक ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर राज्यसभा में आम आदमी पार्टी के 7 राज्यसभा सांसदों का बीजेपी में विलय करने का ऐलान किया था। राघव चड्ढा ने इसे 'आप' के दो-तिहाई से ज्यादा सांसदों का भाजपा में विलय बताया। साथ ही राज्यसभा को लेटर लिख विलय की अनुमति मांगी थी। ऐसे में सोमवार को राज्यसभा सचिवालय ने अधिसूचना जारी कर इस विलय को मंजूरी दे दी है।

राघव चड्ढा ने क्या कहा?

इससे पहले राघव चड्ढा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि, भारत के संविधान के प्रावधानों का प्रयोग करते हुए राज्यसभा में आम आदमी पार्टी (आप) के दो-तिहाई से अधिक सांसदों ने भाजपा में विलय कर लिया है। सात सांसदों ने उस दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसे राज्यसभा के अध्यक्ष को सौंपा गया था। मैंने, दो अन्य सांसदों के साथ, व्यक्तिगत रूप से हस्ताक्षरित दस्तावेज सौंपे।

राघव चड्ढा ने दावा किया है कि उनके साथ स्वाति मालीवाल और हरभजन सिंह भी हैं। इतना ही नहीं, बलबीर सिंह सीचेवाल और विक्रमजीत सिंह साहनी भी बीजेपी में शामिल हो सकते हैं। ये सभी पंजाब से सांसद हैं। ऐसे में 2027 विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की पोस्ट के अनुसार, राघव चड्ढा, अशोक मित्तल और संदीप पाठक भाजपा की सदस्यता ले चुके हैं, जबकि हरभजन सिंह, स्वाति मालीवाल, विक्रम साहनी और राजिंदर गुप्ता जल्द सदस्यता ले सकते हैं।

राज्यसभा में कितनी बीजेपी-आप की सीटें?

राज्यसभा में बीजेपी की वर्तमान में 106 सीटें है, लेकिन विलय की घोषणा और राज्यसभापति की मंजूरी मिलने के बाद अब यह संख्या बढ़कर 113 हो जाएगी। वहीं आम आदमी पार्टी की संख्या महज 3 रह जाएगी। जबकि कांग्रेस के राज्यसभा में 29 सांसद हैं।

तेज रफ्तार ट्रक ने टेम्पो को मारी टक्कर, सड़क हादसे में 3 की मौत, 3 गंभीर घायल

महानगर मेट्रो

जौनपुर के सतहरिया औद्योगिक क्षेत्र में तेज रफ्तार ट्रक ने टेम्पो को टक्कर मार दी, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई और तीन घायल हो गए। उत्तर प्रदेश में सड़क हादसों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। जौनपुर जिले में सोमवार सुबह एक बार फिर तेज रफ्तार ने कहर बरपा दिया, जहां मुंगराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के औद्योगिक इलाके सतहरिया के पास एक तेज रफ्तार ट्रक ने सवारियों से भरे टेम्पो को जोरदार टक्कर मार दी। इस दर्दनाक हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और सड़क पर चीख-पुकार गूंज उठी।

सतहरिया पुलिया के पास हुआ भीषण हादसा

यह हादसा उस समय हुआ जब टेम्पो सतहरिया की तरफ से सवारियां लेकर मुंगराबादशाहपुर की ओर जा रहा था। जैसे ही वाहन औद्योगिक क्षेत्र सतहरिया पुलिया के पास पहुंचा, सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि टेम्पो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में पलट गया और उसके परखच्चे उड़ गए।

हादसे के बाद मचा कोहराम

टक्कर के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। जोरदार आवाज सुनकर आसपास के लोग दौड़कर मौके पर पहुंचे और टेम्पो में फंसे लोगों को बाहर निकाला। घटना की सूचना तुरंत पुलिस को दी गई, जिसके बाद राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया।

हादसे में तीन की मौत

घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सतहरिया भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने तीन लोगों को मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान प्रमोद कुमार मिश्रा (53), शिव शंकर शर्मा (53) और बरसाती (42) के रूप में हुई है। हादसे में तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है।

पुलिस मौके पर पहुंची, जांच शुरू

सूचना मिलने पर थानाध्यक्ष अश्वनी कुमार दुबे और सतहरिया चौकी इंचार्ज धनंजय राय पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू कराया।

हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने ट्रक की तलाश शुरू कर दी है और आरोपी चालक को जल्द गिरफ्तार करने का दावा किया है।

परिजनों में मचा मातम

हादसे की खबर मिलते ही परिजन अस्पताल और घटनास्थल पर पहुंचे। तीन लोगों की मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया और पूरे इलाके में शोक का माहौल फैल गया।

आगरा के एक हॉस्टल रूम में मृत मिली 28 साल की मेडिकल छात्रा, सीनियर डॉक्टर पर लगाए थे उत्पीड़न के आरोप

महानगर मेट्रो

उत्तर प्रदेश के आगरा स्थित मानसिक स्वास्थ्य संस्थान में एमडी की 28 वर्षीय छात्रा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। रविवार शाम वह अपने कमरे में बेड मृत पड़ी थीं। मौत की खबर तब मिली जब छात्रा की मां लगातार उसे कॉल कर रही थी, लेकिन वह फोन रिसीव नहीं कर रही थी। सहपाठी को फोन करके उसका हाल जानने के लिए बोला तो वह बेड पर पड़ी मिली। पुलिस के अनुसार प्रथम दृश्यता में मामला सुसाइड का प्रतीत हो रहा है। हालांकि उन्हें कमरे से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। लखनऊ की रहने वाली छात्रा ने फरवरी 2026 में मानसिक स्वास्थ्य संस्थान में एमडी की डिग्री करने के लिए प्रवेश लिया था। वह साइको से एमडी प्रथम वर्ष की छात्रा थी। संस्थान के कार्यवाहक निदेशक डॉ. दिनेश राठौर ने बताया कि वह सोमवार को ही अपने घर लखनऊ से लौटकर आई थी। वह हॉस्टल की पहली मंजिल के कमरे में रहती थी। रविवार को उसकी मां ने कई बार कॉल किया मगर उसने फोन नहीं उठाया। इस पर उसकी मां से उसके सहपाठी सिद्धार्थ शर्मा को फोन करके उससे बात कराने के लिए बोला था। शाम करीब 5.28 पर जब सिद्धार्थ कमरे में पहुंचा तो दरवाजा अंदर से बंद था। दरवाजा नहीं खोलने पर उसने संस्थान के अन्य लोगों को बुलाया था।

सीनियर डॉक्टर पर लगाया था उत्पीड़न का आरोप

छात्रा ने इस साल 22 फरवरी को मानसिक स्वास्थ्य संस्थान में साइको प्रथम वर्ष में प्रवेश लिया था। संस्थान के निदेशक डॉ. दिनेश राठौर ने बताया कि छात्रा ने गाजियाबाद के सीनियर रेजीडेंट डॉ. सार्थक पर शारीरिक और मानसिक उत्पीड़न का आरोप लगाया था। दोनों फरवरी के महीने में कहीं गए थे, लौटकर आने के बाद छात्रा ने सार्थक के खिलाफ शिकायत की थी। इसकी जांच करवाई गई तो छात्रा के आरोप सही नहीं पाए गए थे। तब से वह तनाव में रहने लगी थी। उन्होंने बताया कि 27 मार्च को भी उसने अपनी जान देने के लिए नींद की गोलियों की ओवरडोज ले ली थी।

डिप्रेशन की दवा खा रही थी वर्तिका

दरवाजा तोड़कर जब कमरे में लोग दाखिल हुए तो छात्रा बेड पर अचेतावस्था में पड़ी थी। उसे एसएन मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। संस्थान के अधिकारियों ने बताया कि छात्रा पहले से डिप्रेशन में चल रही थी। वह डिप्रेशन की दवा भी खा रही थी। परिजन उसका लगातार ख्याल रख रहे थे। इसीलिए लगातार उससे फोन पर बातचीत करते रहते थे।

जांच करेंगी टीमें

छात्रा की मौत की गुत्थी सुलझाने के लिए मानसिक स्वास्थ्य संस्थान और पुलिस दोनों जांच करेंगी। एसीपी हरीपर्वत अमीषा ने बताया कि छात्रा के कमरे से उन्हें अभी तक कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। उसके फोन और सोशल मीडिया चेक की जाएगी। कहीं उसने कोई मैसेज तो नहीं छोड़ा है। फिलहाल उसका पीएम कराया जा रहा है। इसकी रिपोर्ट आने की बाद मौत की सही वजह सामने आएगी। इसके अलावा संस्थान के निदेशक ने तीन सदस्यीय टीम बनाई है। जिसमें डॉ. चंचल चंद्रा, डॉ. ब्रजेश कुमार और डॉ. सुमित्रा मिश्रा शामिल हैं।

'चाची आई लव यू' बोलना मनचलों को पड़ा भारी, बागपत में लड़की ने बीच सड़क सिखाया सबक

महानगर मेट्रो

यूपी के बागपत में दिल्ली हाइवे पर मनचलों की 'आशिकी' उस वक्त आफत बन गई जब एक युवती ने सरेराह छेड़छाड़ करने वाले युवकों को जेल भिजवा दिया. नशे में धुत युवकों ने युवती और उसकी भाभी पर भद्दे कमेंट्स किए थे, जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई की. बागपत के कोतवाली बड़ौत क्षेत्र में दिल्ली हाइवे पर 26 अप्रैल की रात कार सवार चार युवकों ने अस्पताल से लौट रही एक युवती, उसकी बहन और भाभी के साथ बदतमीजी की. आरोपियों ने महिलाओं को देखते ही 'चाची आई लव यू' कहकर फब्तियां कसीं और अश्लील इशारे किए. इस हरकत से परेशान युवती ने तुरंत डायल 112 पर कॉल कर पुलिस बुला ली. मौके पर पहुंची पुलिस ने कार से शराब की बोतल बरामद की और शुभम, विक्रांत और विनीत नामक युवकों को दबोच लिया. युवती के भाई की तहरीर पर पुलिस ने बीएनएस की धारा 296 के तहत मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है. दिल्ली हाइवे पर एक बैंकेट हॉल के पास कार सवार युवकों का हंगामा उस समय बढ़ गया जब उन्होंने मर्यादा की सारी हदें पार कर दीं. पीड़ित युवती के मुताबिक, आरोपी नशे की हालत में थे और लगातार पीछा करते हुए गंदे इशारे कर रहे थे. 'चाची आई लव यू' के कमेंट के साथ शुरू हुई यह छेड़खानी हाईवे पर बड़े हंगामे में बदल गई. हालांकि, युवती ने डरने के बजाय साहस दिखाया और बीच सड़क पर ही पुलिस को सूचना देकर मनचलों का सारा 'रोमांस' थाने पहुंचा दिया.

शराब की बोतल बरामद, तीन गिरफ्तार

पुलिस ने सूचना मिलते ही घेराबंदी कर मौके से तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया, जबकि एक अज्ञात युवक भागने में सफल रहा. जांच के दौरान आरोपियों की कार से शराब की बोतल भी मिली है, जिससे पुष्टि हुई कि वे नशे में धुत थे. पुलिस ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और फरार साथी की तलाश की जा रही है.

तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को मारी टक्कर, पति-पत्नी समेत मासूम की मौत, ड्राइवर फरार

महानगर मेट्रो

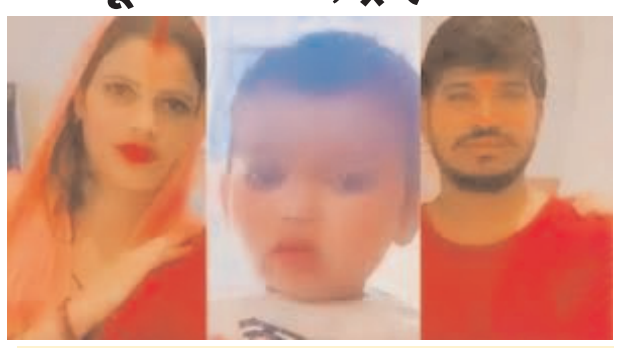

कासगंज के गंगा घाट पुल पर तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी, जिसमें एक ही परिवार के पति, पत्नी और दो वर्षीय बच्चे की मौत हो गई।

कासगंज में भीषण सड़क हादसा

सूरज मौर्या, कासगंज: उत्तर प्रदेश के कासगंज जिले में रविवार देर शाम एक ऐसा दर्दनाक सड़क हादसा हुआ जिसने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। शादी की खुशियों में शामिल होने जा रहा एक परिवार अचानक तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आ गया, जिसमें पति-पत्नी और उनका मासूम बेटा मौके पर ही काल के गाल में समा गए। यह हादसा कादरगंज गंगा घाट पुल के पास हुआ, जहां लापरवाही और रफ्तार ने एक पूरे परिवार की खुशियां छीन लीं। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और देखते ही देखते सड़क पर मातम पसर गया।

गंगा घाट पुल के पास हुआ भीषण हादसा

यह दर्दनाक घटना कासगंज के थाना सिकंदरपुर वैश्य क्षेत्र के कादरगंज गंगा घाट पुल पर हुई। थाना पटियाली क्षेत्र के ग्राम रमपुरा निवासी सोमवीर अपने परिवार के साथ बाइक से भतीजी की शादी में शामिल होने जा रहे थे। बाइक पर उनके साथ उनकी पत्नी अमीता और दो वर्षीय बेटा शिवा सवार था। जैसे ही वे गंगा घाट पुल के पास पहुंचे, सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि तीनों की मौके पर ही मौत हो गई।

शादी की खुशियां पलभर में बदली मातम में

सोमवीर दिल्ली के बेगमपुर में रहकर ऑटो चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। परिवार में पत्नी और तीन बच्चे थे, जिनमें दो बेटियां भी शामिल हैं। भतीजी की शादी में शामिल होने के लिए निकला यह परिवार कभी वापस नहीं लौट सका। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और चारों ओर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी।

सूचना पर पहुंची पुलिस

सूचना मिलने पर इलाका पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया।

परिवार में पसरा मातम

इस हादसे की खबर जैसे ही परिजनों तक पहुंची, घर में कोहराम मच गया। एक ही झटके में परिवार के तीन सदस्यों की मौत से पूरा गांव शोक में डूब गया है।

दिल्ली: पेशाब करने के विवाद में 2 युवकों की बुरी तरह पिटाई, लगाने पड़े 35 टांके

महानगर मेट्रो

दिल्ली से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है. जहां पेशाब करने के विवाद को लेकर दो लोगों पर हमला कर दिया गया. जिससे दोनों लोग बुरी तरह घायल हो गए. जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है. पूर्वी दिल्ली के मधु विहार इलाके में एक मामूली विवाद ने उस समय हिंसक रूप ले लिया, जब पेशाब करने को लेकर शुरू हुई कहासुनी ने खूनी झड़प का रूप ले लिया. इस घटना में दो युवक- मोहित और विकास यादव गंभीर रूप से घायल हो गए. जिन पर चाकू, तलवार और चापड़ से हमला किए जाने का आरोप है.

घायलों में एक युवक को 35 तो दूसरे को 9 टांके लगे हैं

घायल विकास यादव को सिर से लेकर पूरे शरीर तक करीब 35 टांके लगे हैं. जबकि मोहित के शरीर पर 9 टांके लगे हैं. दोनों का इलाज चल रहा है और उनकी हालत को लेकर परिजन चिंतित हैं. पीड़ितों का आरोप है कि जिन लोगों से उनका विवाद हुआ, उनमें मुख्य आरोपी संदीप आहूजा है, जो खुद को भारतीय जनता पार्टी का कार्यकर्ता और 'अखंड भारत मोर्चा' का अध्यक्ष बताता है. पीड़ितों का कहना है कि आरोपी की राजनीतिक पहुंच के कारण पुलिस उनकी शिकायत पर उचित कार्रवाई नहीं कर रही है. मोहित और विकास ने यह भी आरोप लगाया कि घटना के बाद जब वे पुलिस थाने पहुंचे, तो उनकी शिकायत को गंभीरता से नहीं लिया गया. इतना ही नहीं, उन्होंने यह भी कहा कि अस्पताल में भी उन्हें तुरंत भर्ती नहीं किया गया, जिससे उनकी स्थिति और बिगड़ सकती थी. परिजनों का आरोप है कि पुलिस ने इस मामले में लापरवाही बरतते हुए गंभीर धाराएं लगाने के बजाय हल्की धाराओं में केस दर्ज किया है. इससे पीड़ित परिवार में नाराजगी और डर का माहौल है. उनका कहना है कि अगर समय रहते सख्त कार्रवाई होती, तो अब तक आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी होती.

पीड़ित परिवार ने लगाया ये आरोप

पीड़ित परिवार ने यह भी बताया कि संदीप आहूजा के सोशल मीडिया पर कई बड़े नेताओं के साथ फोटो हैं, जिससे उसकी पहुंच का अंदाजा लगाया जा सकता है. परिवार का कहना है कि वे आर्थिक रूप से कमजोर हैं और निजी अस्पताल में इलाज कराने में सक्षम नहीं हैं, जबकि सरकारी सिस्टम से भी उन्हें अपेक्षित मदद नहीं मिल रही. फिलहाल, पुलिस मामले की जांच की बात कह रही है. लेकिन अभी तक किसी आरोपी की गिरफ्तारी की पुष्टि नहीं हुई है. वहीं पीड़ित परिवार ने प्रशासन से न्याय की गुहार लगाई है और मांग की है कि आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर कड़ी कार्रवाई की जाए, ताकि उन्हें इंसाफ मिल सके और इलाके में कानून व्यवस्था पर लोगों का भरोसा बना रहे.

जन्मदिन का शोर सुनकर दिल्ली में हेड कॉन्स्टेबल ने चला दी गोली, युवक की मौत, थाने से 100 मीटर दूर हुई घटना

महानगर मेट्रो

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल में तैनात एक हेड कॉन्स्टेबल से चली गोली से एक शख्स की मौत हो गई, जबकि दूसरा शख्स गंभीर रूप से घायल है। पुलिस ने आरोपी कॉन्सटेबल के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। यह वारदात थाने से करीब 100 मीटर की दूरी पर हुई।? नवीन निश्चल, नई दिल्ली: दिल्ली पुलिस के सबसे महत्वपूर्ण यूनिट स्पेशल सेल में तैनात एक हेड कॉन्स्टेबल की पिस्टल से चली गोली से जहां एक शख्स की मौत हो गई, वहीं दूसरे की हालत काफी गंभीर है। मृतक की पहचान पांडव कुमार (21) के रूप में हुई है, जबकि घायल की पहचान किशन (29) के रूप में हुई है। दोनों को नजदीक के जाफरपुर कलां स्थित राव तुलाराम हॉस्पिटल में शनिवार देर रात ले जाया गया था, जहां डॉक्टरों ने पांडव को मृत घोषित कर दिया। बॉडी को पोस्टमॉर्टम के लिए रखवा दिया गया। उनके सीने में बाईं तरफ गोली लगी थी, जिससे उनकी मौत हो गई।

कॉन्सटेबल के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज

घायल रूपेश को बेहतर इलाज के लिए हरिनगर के दीनदयाल उपाध्याय अस्पताल में भेज दिया गया। मृतक और घायल दोनों के परिवार वाले बिंदापुर में रहते हैं। दोनों मूलरूप से बिहार के खगड़िया जिला के रहने वाले बताए गए है। जाफरपुर कलां थाना में आरोपी हेड कॉन्स्टेबल के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया है। उसकी तलाश की जा रही है। मृतक और घायल के परिवार वालों के बयान दर्ज किए गए हैं। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि यह वारदात जाफरपुर कलां थाना से मात्र 100 मीटर की दूरी पर हुई। रात 2 बजे के आसपास गोली मारने की वारदात को अंजाम दिया गया। रात में ये लोग एक बच्चे का जन्मदिन सेलिब्रेट करने के लिए उत्तम नगर से पहुंचे थे। केक काटने के बाद ये लोग पार्टी कर लौट रहे थे। इसी दौरान शोरगुल सुनकर आरोपी हेड कॉन्स्टेबल, जो पड़ोस में ही रहता है,

दिल्ली के मुकुंदपुर फ्लाईओवर पर भीषण हादसा, 2 बाइक सवार युवकों की मौत, एक नाले में गिरा

महानगर मेट्रो

दिल्ली में एक भीषण हादसा सामने आया है। राजधानी के मुकुंदपुर फ्लाईओवर पर एक बाइक पर सवार 3 लोगों का एक्सीडेंट हो गया, जिसमें से 2 की मौके पर ही मौत हो गई। इस हादसे के बाद से बाइक सवार तीसरा युवक लापता है, वह हादसे के दौरान नाले में गिर गया था। नई दिल्ली: राजधानी दिल्ली में मुकुंदपुर फ्लाईओवर पर एक भीषण सड़क हादसे का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि मोटरसाइकिल पर सवार होकर जा रहे 3 युवक हादसे का शिकार हो गए। इनमें से 2 की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक नाले में गिर गया। पुलिस फिलहाल लापता युवक की तलाश कर रही है। बताया जा रहा है कि हादसा इतना जोरदार था कि दो युवकों की मौत तत्काल हो गई, जबकि तीसरा नाले में गिरने के बाद लापता हो गया। मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने सबसे पहले लापता युवक को खोजने का काम शुरू किया। मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

10 दिन से वो सब कुछ मायके भेज रही', भोपाल में लव मैरिज के सात महीने बाद युवक ने दी जान, OYO में मिली लाश

महानगर मेट्रो

भोपाल के शाहपुरा इलाके स्थित एक होटल में युवक ने जान दे दी है। युवक का पत्नी के साथ विवाद चल रहा था। दोनों ने सात महीने पहले ही लव मैरिज की थी। पुलिस ने पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में एक युवक ने जान दे दी है। उसने इससे पहले इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया है। साथ ही इसके लिए अपनी दादी सास और पत्नी पर आरोप लगाया है। उसका ओयो होटल में मिला है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

सात महीने पहले की थी लव मैरिज

पूरा मामला भोपाल के शाहपुरा थाना क्षेत्र का है। मृतक युवक की पहचान विकास हिरवे के रूप में हुई है। वह हबीबगंज थाना क्षेत्र का रहने वाला था। पुलिस के मुताबिक उसने सात महीने

पहले ही लव मैरिज की थी। अब अपनी पत्नी पर प्रताड़ना का आरोप लगाया है। पुलिस ने पीएम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है।

स्नेहा सोलंकी से की है लव मैरिज

बताया जा रहा है कि सात महीने पहले युवक ने स्नेहा सोलंकी से शादी की थी। उसका नाम विकास हिरवे है। उसने वीडियो में कहा है कि मैं मनमर्जी से सुसाइड कर रहा हूं। इसकी जिम्मेदार मेरी पत्नी होगी। वह 10 दिन से अपने मायके यहां से गहने और अन्य सामान लगातार भेज रही थी। वह मुझे प्रताड़ित करती थी। साथ ही लगातार विवाद करती थी। युवक ने अपनी दादी सास पर भी आरोप लगाया है। उसकी दादी सास लगातार भड़का रही थीं। मेरी मौत के लिए पत्नी और दादी सास जिम्मेदार है।

ओयो होटल में दी जान

युवक ने शाहपुरा इलाके स्थित एक ओयो होटल में कमरा बुक किया था। इसी कमरे में उसने अपनी जान दी है। रविवार की सुबह स्टाफ ने देखा कि कमरे में उसका शव लटका हुआ है। सूचना मिलने पर पुलिस की टीम वहां पहुंची और परिजनों को इसकी सूचना दी। पुलिस ने एक वीडियो भी पोस्ट किया है, पुलिस इसकी जांच कर रही है।

शनिवार को भी हुआ था विवाद

परिजनों ने पुलिस को बताया कि पति-पत्नी के बीच शनिवार को विवाद हुआ था। वह रात में किसी को बिना बताए घर से निकल गया। रात तीन बजे उसका पोस्ट देखकर लोगों ने उसकी तलाश शुरू कर दी थी। मेरे परिवार के लोग पत्नी से बहुत प्यार करते थे लेकिन वह झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देती थी।

AC छोड़ें, प्याज साथ रखें', भीषण गर्मी के बीच केंद्रीय मंत्री सिंधिया की अनोखी सलाह

महानगर मेट्रो

भीषण गर्मी के बीच केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने एसी से बचने और जेब में प्याज़ रखने की सलाह दी है. देश में 40-46ए सेल्सियस तापमान के बीच लू का खतरा बढ़ा है. भारत में पड़ रही भीषण गर्मी के बीच केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने हीटवेव से निपटने के लिए एयर कंडीशनिंग (AC) का इस्तेमाल न करने और अपने साथ एक प्याज़ रखने का सुझाव दिया है. उन्होंने इसके लिए अपनी 'चंबल की त्वचा' और पारंपरिक उपायों का हवाला दिया. कई राज्यों में तापमान 40-46एष्ट के बीच पहुंच गया है और लू चलने की चेतावनी जारी की गई है, तो वहीं सिंधिया की यह सलाह उनकी आदत और सदियों पुरानी प्रथाओं का मिला-जुला रूप दिखाती है. सिंदिया की यह सलाह पारंपरिक राहत के तरीकों और भीषण लू की बढ़ती हुई असलियत के बीच के अंतर को भी उजागर करती है. जब भारत के बड़े हिस्से झुलसा देने वाले तापमान का सामना करने के लिए तैयार हैं, तब

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने एक अनोखी सलाह दी है. उन्होंने कहा कि गर्मी से बचने के लिए AC का इस्तेमाल न करें और अपने साथ एक प्याज़ रखें. रविवार को मध्य प्रदेश के शिवपुरी में एक पब्लिक मीटिंग में बोलते हुए, सिंधिया ने कहा कि जब तापमान 50 डिग्री से ऊपर चला जाता है, तो गर्मी से निपटने के लिए मैं अपनी 'चंबल की त्वचा' पर भरोसा करता हूं. उनका यह बयान ऐसे वक्त में आया है, जब भारत मौसम विज्ञान विभाग ने कई राज्यों में लू चलने की नई चेतावनी जारी की है. उन्होंने आगे कहा, 'अपनी जेब में एक प्याज़ रखें, आपको कुछ नहीं होगा. आज के ज़माने में हर कोई डिब्बे लेकर घूम रहा है. संचार मंत्री प्याज़ लेकर घूम रहे हैं. ये पुरानी बातें हैं और जैसे-जैसे आयुर्वेद आगे बढ़ रहा है, हमें इन बातों को भूलना नहीं चाहिए. '

पूरे भारत में लू का प्रकोप!

भारत मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक, ज्यादातर इलाकों में इस वक्त अधिकतम तापमान 40 से 46 डिग्री सेल्सियस के बीच चल रहा है. कुछ इलाकों में तापमान पहले ही चरम स्तर पर पहुंच चुका है, जहां अकोला में 46.9 डिग्री सेल्सियस का उच्च तापमान दर्ज किया गया है. मौसम विभाग ने हिमाचल प्रदेश के कुछ अलग-अलग हिस्सों में लू से लेकर भीषण लू की स्थिति की चेतावनी दी है. इसके साथ ही, वीकेंड में जम्मू-कश्मीर में भी लू चलने की संभावना जताई गई है. पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, बिहार और गुजरात जैसे सूबों में भी ऐसी ही स्थितियों का सामना करने की उम्मीद है, जबकि छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों में 28 अप्रैल तक लू की स्थिति बनी रह सकती है.

सड़क पर तड़प-तड़प कर गिरे कबूतर, छिंदवाड़ा में आसमान से बरसती आग ने ली बेजुबानों की जान

महानगर मेट्रो

छिंदवाड़ा के परासिया में आसमान से बरसती आग अब बेजुबानों के लिए काल बन गई है। रविवार को भीषण लू के चलते वार्ड क्रमांक 17 में दर्जनों कबूतरों की तड़पकर मौत हो गई, जिसने इंसानी संवेदनाओं को झकझोर कर रख दिया है। मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा जिले के परासिया में लगातार बढ़ते तापमान ने अब पशु-पक्षियों के लिए भी गंभीर संकट खड़ा कर दिया है। रविवार दोपहर पेंचवेली स्कूल से भंडारिया जाने वाले मार्ग, वार्ड क्रमांक 17 में कई कबूतर मृत अवस्था में मिले, जबकि कुछ तड़पते हुए देखे गए। घटना के बाद क्षेत्र में चिंता का माहौल है और लोग इसे भीषण गर्मी का असर मान रहे हैं।

दोपहर को कई कबूतरों ने तोड़ा दम

बताया जा रहा है कि दोपहर करीब साढ़े तीन बजे जब तापमान अपने चरम पर था, तब सड़क और आसपास का क्षेत्र अत्यधिक गर्म हो गया था। इसी दौरान कबूतर अचानक जमीन पर गिरने लगे। मौके पर मौजूद लोगों ने देखा कि कई कबूतर दम तोड़ चुके थे। भंडारिया में आयोजित एक विवाह समारोह में पहुंचे विनय राजा जोशी ने बताया कि सड़क किनारे झाड़ियों और खुले मैदान में बड़ी संख्या में कबूतर मृत पड़े थे, जिससे स्थिति की गंभीरता का अंदाजा लगाया जा सकता है।

40 के पार पहुंचा तापमान

क्षेत्र में इन दिनों तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच चुका है। सुबह से ही तेज धूप और दोपहर में चलने वाली गर्म लू लोगों के साथ-साथ जीव-जंतुओं के लिए भी खतरनाक साबित हो रही है। घरों के भीतर का तापमान भी 35-36 डिग्री तक पहुंच रहा है, जिससे राहत मिलना मुश्किल हो गया है। पशु-पक्षी प्रेमी जितेंद्र मौर्य के अनुसार, कबूतरों की मौत के पीछे मुख्य कारण पानी की कमी, अत्यधिक गर्मी और भोजन की अनुपलब्धता है। उन्होंने बताया कि कबूतर अपने शरीर का तापमान नियंत्रित रखने के लिए पानी पर निर्भर रहते हैं, लेकिन पानी न मिलने पर वे तेजी से कमजोर हो जाते हैं।

नागरिकों से छत पर पानी रखने की अपील

इसके अलावा गर्म तासीर वाले अनाज का सेवन भी उनके लिए नुकसानदायक हो सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि गंदगी और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर रहने से संक्रमण और बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि कंक्रीट के बढ़ते जंगलों के कारण प्राकृतिक ठंडक खत्म हो रही है, जिससे पक्षियों को राहत नहीं मिल पाती। ऐसे में नागरिकों से अपील की गई है कि वे अपने घरों की छत या बालकनी में मिट्टी के बर्तनों में स्वच्छ पानी रखें और पक्षियों के लिए सुरक्षित स्थानों पर दाना डालें।

'ये देखिए जज साहब मेरी सौतन', ननद की फोटो दिखाकर महिला ने ले लिया एकतरफा तलाक

महानगर मेट्रो

मध्यप्रदेश के ग्वालियर के फैमिली कोर्ट से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहां एक महिला ने पति की बहन को ही 'दूसरी पत्नी' बताकर अदालत से एकतरफा तलाक हासिल कर लिया. पति को जब सच्चाई पता चली तो उसने हाईकोर्ट में इस फैसले को चुनौती दी है. अब मामले की सुनवाई से पूरे घटनाक्रम का खुलासा होगा. ग्वालियर के फैमिली कोर्ट से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है. यहां एक महिला ने अपने पति से तलाक लेने की जिद में अदालत को ही बेवकूफ बना दिया. महिला ने पति की सगी बहन को ही 'दूसरी पत्नी' बताकर कोर्ट से एकतरफा तलाक हासिल कर लिया. उसने बड़ी आसानी से फैमिली फोटो में पति की बहन को उसकी दूसरी पत्नी होने के सबूत के तौर पर पेश कर न्यायालय को गुमराह किया और तलाक की डिक्री ले ली.

धोखे से कोर्ट से लिया फैसला

जब पति को इस फैसले की जानकारी मिली तो उसने दस्तावेज खंगाले और सच्चाई सामने आई.अब पति ने इस एकतरफा तलाक को ग्वालियर हाईकोर्ट में चुनौती दी है और आरोप लगाया है कि पत्नी ने धोखे से कोर्ट से फैसला लिया. मामले में अब हाईकोर्ट सुनवाई करेगा, जिससे पूरे घटनाक्रम पर बड़ा खुलासा हो सकता है. दरअसल, यह मामला ग्वालियर की रहने वाली एक महिला की शादी साल 1998 में हुई थी. उसका पति एक मार्केटिंग कंपनी में अधिकारी है और काम के सिलसिले से अक्सर बाहर रहता थाय इसी वजह से दोनों के बीच में विवाद बढ़ता गया और साल 2015 में महिला अलग रहने लगी. करीब 10 साल से अलग रह रही महिला किसी भी स्थिति में पति से तलाक लेना चाहती थी लेकिन पति तलाक देने के लिए तैयार नहीं था.

फैमिली फोटो में ननद को बता दिया सौतन

ऐसे में साल 2021 में महिला ने फैमिली कोर्ट में तलाक की अर्जी लगाई. जिसमें बताया गया कि पति ने दूसरी शादी कर ली है. पत्नी ने पति से तलाक लेने के लिए कोर्ट में सबूत के तौर पर एक फोटो पेश किया, जिसमें उसका पति अपनी बहन और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ खड़ा था. पत्नी ने उस फोटो में मौजूद ननद यानी अपने पति की सगी बहन को उसकी दूसरी पत्नी बता दिया. ऐसे में कोर्ट ने उसे सबूत मानते हुए महिला को तलाक की डिक्री दे दी. पति को तलाक की जानकारी अप्रैल के पहले हफ्ते में मिली तो उसने सारा रिकार्ड देखा. तब उसे मालूम हुआ कि पत्नी ने उसकी सगी बहन को दूसरी पत्नी बताते हुए एक तरफा तलाक की डिक्री हासिल कर ली थी. ऐसे में अब पति ने ग्वालियर हाईकोर्ट में इस डिक्री को चैलेंज किया है. जिसमें पत्नी द्वारा कोर्ट को गुमराह कर धोखे से फैसला लेने की जानकारी दी है. ऐसे में अब हाई कोर्ट पूरे मामले की सुनवाई करेगा.

नर्मदापुरम में ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकराई कार, हादसे में पांच लोगों की मौत, छह लोग हैं घायल

महानगर मेट्रो

मध्य प्रदेश के नर्मदापुर में दर्दनाक हादसा हुआ है। हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई है। वहीं, आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हुए हैं। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। नर्मदापुरमः मध्य प्रदेश के नर्मदापुरम में देर रात बड़ा हादसा हुआ है। इसके बाद शादी की खुशियां मातम में बदल गई हैं। घटना माखननगर थाना क्षेत्र की है। इस हादसे में पांच लोगों की दर्दनाक मौत हुई है। वहीं, आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हुए हैं, जिनका इलाज अस्पताल में चल रहा है। पीएम के बाद सभी शव को परिजनों को सौंप दिया जाएगा।

कैसे घटी घटना

हादसे में सभी मृतक माखननगर के हैं बुधनी से एक शादी समारोह में शामिल होकर लौट रहे थे सभी ट्रैक्टर-ट्रॉली से जाकर टकराई कार हादसे में पांच की मौत और छह घायल चालक की लापरवाही मानी जा रही वहीं, शुरुआती तौर पर हादसे की वजह कम दृश्यता या चालक की लापरवाही मानी जा रही है, हालांकि असली कारण जांच के बाद ही सामने आएगा। इस दर्दनाक हादसे के बाद पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है। जिला अस्पताल में रातभर परिजनों और ग्रामीणों की भीड़ लगी रही। शादी से लौट रही खुशियां कुछ ही पलों में मातम में बदल गईं।

शादी समारोह से लौट रहे थे लोग

जानकारी के अनुसार, महेंद्रवाड़ी और माखननगर के निवासी एक शादी समारोह में शामिल होने के बाद बुधनी से लौट रहे थे। रविवार-सोमवार की दरमियानी रात करीब एक से दो बजे के बीच नर्मदापुरम-पिपरिया स्टेट हाईवे पर आंचलखेड़ा गांव के पास उनकी टवेरा गाड़ी अनाज से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकरा गई। बताया जा रहा है कि क्रॉसिंग के दौरान टवेरा अनियंत्रित होकर ट्रॉली के साइड में जा भिड़ी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वाहन पूरी तरह चकनाचूर हो गया और मौके पर चीख-पुकार मच गई।

घायलों को पहुंचाया गया अस्पताल

हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से घायलों और मृतकों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में डॉक्टरों ने पांच लोगों को मृत घोषित कर दिया, जबकि 6 से 7 घायलों का इलाज जारी है। नर्मदापुरम पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

ट्रंप पर फायरिंग होनी ही थी, भारत में भी लोगों का मिजाज कुछ ऐसा ही, कांग्रेस के विजय वडेट्टीवार का विवादित बयान

महानगर मेट्रो

महाराष्ट्र कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता विजय वडेट्टीवार ने कहा कि वॉइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स एसोसिएशन के डिनर में हुई गोलीबारी, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी शामिल थे, उनके शासन करने के तरीके को देखते हुए होना ही था। विजय वडेट्टीवार ने इसकी तुलना भारत से भी की। नागपुर : कांग्रेस विधायक विजय वडेट्टीवार ने वॉइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर में हुई हालिया गोलीबारी की घटना पर टिप्पणी करके एक राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया। BJP ने उनकी इन टिप्पणियों को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर हुए हमले को सही ठहराने की कोशिश के तौर पर देखा। इस घटना को सत्ता में बैठे लोगों के प्रति जनता के गुस्से से जोड़ते हुए वडेट्टीवार ने कहा कि जब नेता जनता के हितों के खिलाफ काम करते हैं, तो ऐसी प्रतिक्रियाएं होनी ही हैं। उन्होंने आगे दावा किया कि भारत में भी, भले ही सड़कों पर विरोध प्रदर्शन न हो रहे हों, लेकिन लोगों का मिजाज कुछ ऐसा ही है। उनके इस

बयान पर सत्ताधारी पार्टी ने उनकी कड़ी आलोचना की। कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार ने कहा कि वॉइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर में हुई गोलीबारी की घटना अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शासन करने के तरीके को देखते हुए होना ही था। भारत से वॉइट हाउस घटना की तुलना करते हुए विजय वडेट्टीवार ने कहा कि यहां के लोग भी नाखुश हैं। अमेरिका की गोलीबारी की घटना की भारत से तुलना करते समय उन्होंने किसी भी नेता या संवैधानिक पद का नाम लेने से परहेज़ किया।

'जैसी करनी, वैसी भरनी'

विजय वडेट्टीवार ने कहा कि सत्ता में रहते हुए, ट्रंप ने वैश्विक स्तर पर दबदबा बनाने और दूसरे देशों को अस्थिर करने की कोशिश की। जैसी करनी, वैसी भरनी। उन्होंने हर देश को अपने प्रभाव में लाने के लिए काम किया। चूंकि चीजें वैसी नहीं हुईं जैसा उन्होंने सोचा था, इसलिए ऐसा होना ही था। उन्होंने यह भी जोड़ा कि ट्रंप के फैसलों ने अमेरिका को नुकसान पहुंचाया है।

'लोग बस सड़क पर नहीं उतर रहे'

कांग्रेस विधायक विजय वडेट्टीवार ने कहा कि भारत में भी जनता का मिजाज कुछ अलग नहीं है। चूंकि यहां लोग सड़कों पर नहीं उतर रहे हैं, इसलिए यह भ्रम बना हुआ है कि सब कुछ ठीक है। लेकिन लोगों की भावनाएं अभी भी वही हैं, कि भारत को नुकसान पहुंचा है। ट्रंप ने दुनिया को अपने काबू में करने के लिए हर देश में उथल-पुथल मचाने की कोशिश की। उन्होंने हर देश को नियंत्रित करने का प्रयास किया और कहा कि पूरी दुनिया हमारी गुलाम है। और उन्होंने अमेरिका को भी बर्बाद कर दिया। ईरान से उनका कोई लेना-देना नहीं था, फिर भी उन्होंने हमला कर दिया। ऐसा होना ही था। आज, ट्रंप ने अपनी योजनाओं को पूरा करने के लिए, अपनी इच्छाओं को पूरा करने के लिए... पूरे अमेरिका को बर्बाद कर दिया है। ठीक वैसे ही, जैसा कि भारत में हो रहा है। ऐसा होना ही था। लोग सड़कों पर उतर आए और उनका विरोध किया। विजय वडेट्टीवार, कांग्रेस विधायक

बीजेपी ने विजय वडेट्टीवार पर साधा निशाना

BJP ने विजय वडेट्टीवार पर उनके उस बयान को लेकर निशाना साधा। पार्टी प्रवक्ता शहज़ाद पूनावाला ने कांग्रेस पर राजनीतिक हिंसा का समर्थन करने और उसे सही ठहराने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कभी कांग्रेस कहती है कि 'मोदी की कब्र खुदेगी', तो कभी जान से मारने की धमकियां देती है। खरगे जी कहते हैं कि BJP और रस्स ज़हरीले सांप हैं - इन्हें खत्म कर देना चाहिए। मोदी जी की तुलना आतंकवादियों से करते हैं। और अब, एक 'आदतन अपराधी' विजय वडेट्टीवार की तरफ से यह चौंकाने वाला बयान आया है वही वडेट्टीवार, जिसने 26/11 के मुंबई हमलों के मामले में पाकिस्तान को 'क्लीन चिट' दे दी थी।

'एंटी नेशनल कांग्रेस'

यह 'मोहब्बत की दुकान' नहीं, बल्कि 'नफ़रत के भाईजान' हैं। यह,ह्रष्ट है - यानी 'एंटी-नेशनल कांग्रेस' (राष्ट्र-विरोधी कांग्रेस)। वहीं बाद में अपनी टिप्पणियों को थोड़ा नरम करते हुए, विजय वडेट्टीवार ने कहा कि अमेरिका की गोलीबारी की घटना अपने आप में दुर्भाग्यपूर्ण थी। इतने ऊंचे पद पर बैठे किसी व्यक्ति के साथ ऐसा नहीं होना चाहिए था। लेकिन जनता की प्रतिक्रिया अक्सर नेतृत्व के स्वभाव को दर्शाती है, और ऐसी घटनाएं इसी बात का संकेत होती हैं।

खार में राघव चड्ढा के घर के सामने AAP का प्रदर्शन, मुंबई पुलिस ने कई को हिरासत में लिया, बाद में छोड़ा

महानगर मेट्रो

राघव चड्ढा के खिलाफ मुंबई के खार क्षेत्र में प्रदर्शन कर रहे आम आदमी पार्टी (आप) के कुछ कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। राघव चड्ढा शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए थे। 'आप' की मुंबई यूनिट की अध्यक्ष प्रीति शर्मा मेनन ने दावा किया कि पुलिस ने 'आप' कार्यकर्ताओं को गद्दार चड्ढा के खिलाफ शांतिपूर्ण ढंग से प्रदर्शन करने से रोका।

मुंबई में आप का प्रदर्शन

मुंबई : आम आदमी पार्टी (AAP) के राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा के भाजपा में शामिल होने के विरोध में रविवार को मुंबई में खार इलाके स्थित उनके घर के सामने आप कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। इस दौरान AAP के कई कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। आप पार्टी नेताओं ने इस पुलिसिया कार्रवाई को लोकतांत्रिक विरोध को दबाने वाला कदम बताया है। AAP की मुंबई इकाई की अध्यक्ष प्रीति शर्मा मेनन ने आरोप लगाया कि पार्टी कार्यकर्ता राघव चड्ढा के खिलाफ शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने पहुंचे थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक दिया। प्रीति शर्मा मेनन ने कहा कि राघव चड्ढाने पार्टी और उसके सिद्धांतों से विश्वासघात किया है, इसलिए कार्यकर्ता विरोध जता रहे थे। भाजपा को सड़कों पर प्रदर्शन की खुली छूट है, जबकि AAP कार्यकर्ताओं को रोका जा रहा है। मेनन ने यह भी दावा किया कि स्थानीय नेता रुबेन मास्कारन्हास को पुलिस ने हिरासत में लेकर खार पुलिस स्टेशन पहुंचा दिया। मुंबई पुलिस के पास राघव चड्ढा के मुंबई स्थित आवास की सुरक्षा के अलावा कोई अन्य काम नहीं है। 'आप' की मुंबई इकाई के कार्यकर्ताओं को 'गद्दार' के खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करने से रोका गया। रूबेन को खार पुलिस थाने में हिरासत में लिया गया है। लेकिन भाजपा को मनमाने ढंग से सड़कें अवरुद्ध करने की छूट दी गई है। प्रीति शर्मा मेनन

रुबेन मास्कारन्हास को थाने लाया गया

खार पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने पुष्टि की कि रुबेन मास्कारन्हास समेत कुछ कार्यकर्ताओं को स्टेशन हाउस लाया गया। हालांकि, पुलिस ने कुछ देर बाद ही सभी को छोड़े जाने की बात कही। 'आप' की मुंबई इकाई ने हाल में भाजपा में शामिल हुए चड्ढा और पार्टी के छह अन्य राज्यसभा सदस्यों के खिलाफ खार क्षेत्र में विरोध प्रदर्शन की योजना बनाई थी।

राघव चड्ढा समेत इन्होंने छोड़ी है आप

'आप' को शुक्रवार को उस समय बड़ा झटका लगा था, जब राघव चड्ढा, अशोक मित्तल, संदीप पाठक, हरभजन सिंह, राजेंद्र गुप्ता, विक्रम साहनी और स्वाति मालीवाल ने पार्टी छोड़ दी थी। इन सांसदों ने आरोप लगाया था कि अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली पार्टी अपने सिद्धांतों और नैतिक मूल्यों से भटक गई है।

तबेले में जमीन के नीचे छिपाकर रखा गया था कई किलो गांजा, पुलिस ने ऐसे किया पर्दाफाश

महानगर मेट्रो

महाराष्ट्र राज्य के पुणे के सांगवी क्षेत्र में पुलिस ने गांजा तस्करी के बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है. गिरफ्तार आरोपी की पहचान गणेश चव्हाण के रूप में हुई है. जिससे पूछताछ में कई खुलासे हुए हैं. फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है. पुणे में नशीले पदार्थों के खिलाफ सांगवी पुलिस ने बड़ी और सख्त कार्रवाई करते हुए गांजा तस्करी के एक बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश किया है. गिरफ्तार आरोपी गणेश चव्हाण से की गई गहन पूछताछ के दौरान इस मामले से जुड़े कई अहम सुराग सामने आए हैं, जिसके आधार पर पुलिस ने जांच की दिशा और तेज कर दी है. गणेश चव्हाण को कुछ दिन पहले सांगवी पुलिस ने गिरफ्तार किया था. उसे अदालत में पेश करने के बाद पुलिस कस्टडी में भेजा गया, जहां उससे तकनीकी और सख्त पूछताछ की गई. शुरुआती जांच में पता चला कि उसके पास से बरामद करीब 14 किलो गांजा दूसरे राज्य से लाया गया था. इससे यह मामला बड़े स्तर पर फैला होने की आशंका को देखते हुए पुलिस ने जांच और तेज कर दी. साथ ही इस नेटवर्क में अन्य आरोपियों की संलिप्तता की भी संभावना जताई गई. हालांकि इस दौरान गणेश चव्हाण का साथी विनोद धरे फरार था और पुलिस के संदेह के घेरे में था. पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई थी. पूछताछ के दौरान जब गणेश चव्हाण पर सख्ती की गई, तो उसने अहम जानकारी पुलिस को दी. इसी जानकारी के आधार पर दौंड तालुका के पाटेखान गांव में स्थित विनोद धरे के घर पर सांगवी पुलिस ने छापा मारा.

जमीन के अंदर छिपाया गया था गांजा

छापेमारी के दौरान घर के पास स्थित पशुओं के गोठे में जमीन के अंदर बेहद चालाकी से छिपाकर रखा गया करीब 60 किलो गांजा पुलिस ने बरामद किया. यह कार्रवाई पूरी तरह योजनाबद्ध तरीके से की गई थी. इस बरामदगी के साथ ही इस मामले में अब तक कुल 74 किलो गांजा जब्त किया जा चुका है, जिसकी बाजार में कीमत भी काफी अधिक बताई जा रही है. पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि गणेश चव्हाण और विनोद धरे मिलकर ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में गांजे की सप्लाई करते थे. उन्होंने नशीले पदार्थों का एक नेटवर्क तैयार किया था, जिसमें अन्य लोगों की संलिप्तता की भी आशंका जताई जा रही है. फिलहाल विनोद धरे फरार है और सांगवी पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई है. इस मामले में आगे और बड़े खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है. नशीले पदार्थों के खिलाफ यह कार्रवाई बेहद अहम मानी जा रही है, जिससे इलाके में ऐसे अवैध धंधों पर लगाम लगने की उम्मीद है.

पति ने पत्नी की हत्या कर लकड़ी के बॉक्स में छिपा सीमेंट से कर दिया पैक

-परिवार-पुलिस को किया गुमराह, एक पत्र ने खोला राज, आरोपी फरार

अहमदाबाद (एजेंसी)। सूरत शहर के सलाबतपुरा इलाके में मेरठ में हुए हत्याकांड की तरह एक कांड हुआ जिसमें पत्नी ने नहीं बल्कि पति ने घटना को अंजाम दिया और नीले ड्रम की जगह लकड़ी के बॉक्स में पत्नी की लाश को छुपा दिया। इस हत्याकांड ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पति विशाल सालवी ने अपनी पत्नी की निर्मम हत्या कर अपराध को छिपाने के लिए बेहद शातिर तरीका अपनाया। उसने 20 अप्रैल को अपनी पत्नी और पेशे से डायटीशियन शिल्पा की हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी ने शव को छिपाने के लिए एक लकड़ी का बॉक्स तैयार किया और उसमें शव रखकर ऊपर से मोटी सीमेंट की परत चढ़ा दी, ताकि बदबू बाहर न आए और किसी को शक न हो। पुलिस के मुताबिक 20 अप्रैल को घरेलू झगड़े में विशाल ने शिल्पा की हत्या कर दी। इसके बाद उसने शव को गोदादरा स्थित अपने घर से सलाबतपुरा के पुराने मकान में ले जाकर पहले मंजिल पर लकड़ी के बक्से में रखा और उस पर सीमेंट डालकर छिपा दिया। रिपोर्ट के मुताबिक आरोपी ने अपराध छिपाने के लिए परिवार और पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की उसने रिश्तेदारों को बताया कि वह शिल्पा को एसएमआईएमईआर अस्पताल छोड़कर आया था और वह घर नहीं लौटी। उसने पुलिस में मिसिंग रिपोर्ट भी दर्ज कराई है। शिल्पा के पिता प्रदीप कोस्टा, जो छत्तीसगढ़ से सूरत आए थे, कई बार दोनों के बीच मध्यस्थता कर चुके थे। जब शिल्पा का फोन स्विच ऑफ मिला तो शक बढ़ गया। हालांकि मामले का सबसे ड्रामेटिक मोड़ शनिवार को आया, जब दंपति के बेटे ने व्हाट्सएप पर एक रिश्तेदार को पत्र भेजा। इस पत्र में विशाल ने खुद कबूल किया कि शुरुआती सालों में वैवाहिक जीवन शांतिपूर्ण था लेकिन लगातार घरेलू कलह ने उसे अपराध करने पर मजबूर कर दिया। पुलिस ने इसी पत्र के आधार पर पुराने मकान की तलाशी ली और शव बरामद किया। शव पांच दिन पुराना होने के कारण काफी सड़ चुका था। फिलहाल पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है। बता दें शिल्पा सालवी एमएससी की डिग्रीधारी थीं और सूरत के सरकारी एसएमआईएमईआर मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में डाइटिशियन के रूप में काम करती थीं। दंपति की शादी नवंबर 2010 में हुई थी और उनके दो बच्चे हैं। इनमें 13 साल का बेटा और 8 साल की बेटी है। विशाल पहले डायमंड इंडस्ट्री में काम करता था, लेकिन पिछले कुछ सालों से बेरोजगार था, जिसके चलते परिवार में अक्सर विवाद होता रहता था। इस घटना ने सूरत में घरेलू हिंसा और मानसिक तनाव को लेकर फिर से सवाल खड़े कर दिए हैं। शिल्पा एक शिक्षित और कामकाजी महिला थीं, जिनका परिवार अब दो नाबालिग बच्चों के भविष्य को लेकर चिंतित है।

तोता जंगली पक्षी, फसल नुकसान पर मुआवजा दे सरकार : हाईकोर्ट

-किसानों को प्रति पेड़ 200 रुपये देने के निर्देश

नागपुर (एजेंसी)। महाराष्ट्र हाईकोर्ट की नागपुर खंडपीठ ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि तोता जंगली पक्षी की श्रेणी में आता है, इसलिए उसके द्वारा फसलों को पहुंचाए गए नुकसान की भरपाई राज्य सरकार को करनी होगी। यह मामला किसानों की फसलों, खासकर अनार के पेड़ों को हुए नुकसान से जुड़ा था। अदालत ने स्पष्ट किया कि वन्यजीव संरक्षण कानून के तहत जंगली जीव राज्य की संपत्ति माने जाते हैं, ऐसे में उनके कारण हुए नुकसान की जिम्मेदारी भी राज्य सरकार की होती है। कोर्ट ने संबंधित मामले में प्रति पेड़ 200 रुपये मुआवजा देने का निर्देश दिया है। इस फैसले को किसानों के लिए राहत के रूप में देखा जा रहा है, क्योंकि लंबे समय से जंगली पक्षियों और जानवरों द्वारा फसलों को नुकसान पहुंचाने की शिकायतें सामने आती रही हैं। अब इस निर्णय के बाद किसानों को आर्थिक सहायता मिलने की उम्मीद बढ़ गई है।

जगन्नाथ रथ यात्रा में भीड़ नियंत्रण के लिए सख्ती, कॉर्डन पास होंगे सीमित

भुवनेश्वर (एजेंसी)। पुरी में आयोजित होने वाली प्रसिद्ध जगन्नाथ रथ यात्रा को लेकर इस वर्ष प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को और कड़ा करने का निर्णय लिया है। ओडिशा सरकार ने भीड़ नियंत्रण के लिए रथों के पास जारी किए जाने वाले कॉर्डन पास की संख्या कम करने का फैसला किया है। ये पास भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा के रथों के आसपास बनाए गए सुरक्षा घेरे में प्रवेश के लिए दिए जाते हैं। प्रशासन का यह कदम पिछले वर्ष हुई दुखद घटना के मद्देनजर उठाया गया है, जब भारी भीड़ के कारण दबने से तीन श्रद्धालुओं की जान चली गई थी। इस हादसे ने सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए थे। अधिकारियों का कहना है कि सीमित पास जारी करने से रथों के आसपास भीड़ कम होगी और आपात स्थिति में राहत एवं बचाव कार्य बेहतर तरीके से किए जा सकेंगे। इसके साथ ही अतिरिक्त पुलिस बल, बैरिकेडिंग और निगरानी के लिए आधुनिक तकनीक का भी उपयोग किया जाएगा, ताकि लाखों श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

आज से राष्ट्रपति मुर्मू पांच दिन के हिमाचल दौरे पर, प्रदेश में सुरक्षा इंतेजाम पुख्ता

शिमला (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सोमवार से पांच दिन के हिमाचल प्रदेश दौरे पर रहेंगी। मुर्मू मंगलवार को शिमला के लोक भवन में राज्यपाल द्वारा आयोजित भोज में शामिल होंगी। बुधवार को राष्ट्रपति मुर्मू अटल सुरंग जाएंगी। वह गुरुवार को पालमपुर स्थित चौधरी सरवन कुमार हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में भी शामिल होंगी। राष्ट्रपति मुर्मू अगले महीने की पहली तारीख को अपनी यात्रा के अंतिम दिन शिमला स्थित सेना प्रशिक्षण कमान का भी दौरा करेंगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सोमवार हिमाचल प्रदेश के छह दिन के दौरे पर शिमला पहुंची। वह शिमला से करीब 13 किलोमीटर दूर छराबड़ा स्थित राष्ट्रपति भवन रिट्रीट में ठहरेंगी। शिमला पुलिस ने राष्ट्रपति के दौरे को देखते हुए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। शिमला शहर से लेकर छराबड़ा तक 1000 पुलिस जवान तैनात किए गए हैं। राष्ट्रपति की सुरक्षा में किसी तरह की चूक न हो, इसके लिए दो दिन से शिमला में रिहर्सल भी की जा रही थी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू अगले छह दिन हिमाचल में ही रुकेंगी। राष्ट्रपति सचिवालय द्वारा जारी कार्यक्रम के मुताबिक वे शिमला, अटल टनल और पालमपुर विश्वविद्यालय जाएंगी। 28 अप्रैल की सुबह वे राष्ट्रपति निवास में आयोजित उद्घाटन समारोह में शामिल होंगी।

लू का अंत, तूफान की दस्तक: देशभर में बदलेगा मौसम, 9 राज्यों में बारिश-आंधी का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में पिछले कई दिनों से जारी भीषण गर्मी और लू के प्रकोप से अब राहत मिलने की उम्मीद है। कई राज्यों में पारा 45 डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुंचने के बाद, मौसम विभाग ने आगामी 12 घंटों में तेजी से बदलाव की भविष्यवाणी की है। मौसम विभाग के ताजा अनुमानों के अनुसार, सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ, हवा के रुख में बदलाव और बढ़ती नमी के कारण अगले कुछ दिनों में आंधी, बारिश और तूफान का दौर शुरू होगा। यह मौसमी बदलाव जहां एक ओर तपिश से राहत दिलाएगा, वहीं दूसरी ओर इसके साथ कुछ प्राकृतिक चुनौतियां भी आ सकती हैं, जिनके प्रति लोगों को सतर्क रहने की आवश्यकता है।

भूमध्य सागर से आने वाले वेस्टर्न डिस्टर्बेंस (पश्चिमी विक्षोभ) अब उत्तर भारत में सक्रिय हो चुके हैं। ये मौसमी प्रणालियाँ आमतौर पर गर्मी की लंबी लहरों को तोड़ने में सहायक होती हैं। 27 अप्रैल की शाम से ही इन विक्षोभों का असर दिखना शुरू हो जाएगा और 28 से 30 अप्रैल के बीच इनका प्रभाव और अधिक तीव्र होगा। इस दौरान देश के कई हिस्सों में तेज गर्जना के साथ बारिश, बिजली गिरने और कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि की भी संभावना है। हालांकि यह बदलाव गर्मी से राहत देगा, लेकिन तेज हवाएं, ओले और बिजली गिरने की घटनाएं फसलों और जनजीवन को नुकसान पहुंचा सकती हैं। पूर्वी उत्तर प्रदेश और झारखंड के ऊपर बन रहे साइक्लोनिक सर्कुलेशन भी निचले क्षोभमंडल में नमी को बढ़ा रहे हैं, जिससे इन गतिविधियों को बल मिल रहा है। यह पैटर्न प्री-मानसून गतिविधियों का भी संकेत दे रहा है।

दिल्ली-एनसीआर का हाल

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में मौसम का मिजाज दो चरणों में बदलेगा। दिन के समय भीषण गर्मी और लू का प्रकोप जारी रहेगा, अधिकतम तापमान 43 से 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। लेकिन शाम होते-होते आसमान में बादल छा जाएंगे और कुछ इलाकों में हल्की बारिश या बूंदाबांदी देखने को मिल सकती है। गरज-चमक के साथ 30 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं और धूल भरी आंधी चलने की भी संभावना है, जिससे दृश्यता कम हो सकती है। लोगों को शाम के समय विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

उत्तर प्रदेश और बिहार बदलेगा मौसम

उत्तर प्रदेश में 28 अप्रैल से मौसम पूरी तरह बदलने के संकेत हैं। लखनऊ, कानपुर, वाराणसी और प्रयागराज जैसे बड़े शहरों में आंधी और बारिश की संभावना है। हवाओं की रफ्तार 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है, जिससे बिजली आपूर्ति बाधित होने और पेड़ गिरने का खतरा रहेगा। तापमान में 2-3 डिग्री की गिरावट से थोड़ी राहत मिलेगी, लेकिन आकाशीय बिजली का खतरा बना रहेगा। बिहार में भी दोहरी स्थिति देखने को मिलेगी, कुछ हिस्सों में लू जारी रहेगी, जबकि पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी जैसे जिलों में 50-60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं के साथ बारिश और ओलावृष्टि का अलर्ट है।

राजस्थान और मध्य प्रदेश में हल्की बारिश

राजस्थान में 27 से 29 अप्रैल के बीच हल्की से मध्यम बारिश और तेज हवाएं चल सकती हैं, जिससे गर्मी से कुछ राहत मिलेगी। हालांकि, पश्चिमी राजस्थान के कुछ इलाकों में लू का असर बना रह सकता है। मध्य प्रदेश में भी इसी अवधि में भोपाल, इंदौर और जबलपुर सहित कई शहरों में आंधी और बारिश का अलर्ट है, जहां गरज-चमक और बिजली गिरने की घटनाएं हो सकती हैं।

पहाड़ी और पूर्वोत्तर राज्यों का मौसम

जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड

में तेज बारिश, हवाओं और गरज-चमक के साथ बर्फबारी की भी संभावना है, खासकर ऊंचाई वाले इलाकों में। इससे भूस्खलन और यात्रा में बाधा आ सकती है। पूर्वोत्तर भारत, विशेषकर असम, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश में 60-70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं के साथ भारी बारिश का अलर्ट है, जिससे बाढ़ जैसी स्थिति और बिजली बाधित होने की आशंका है। दक्षिण भारत में भी केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में प्री-मानसून बारिश की उम्मीद है। लोगों को मौसम विभाग की चेतावनी पर ध्यान देने और सुरक्षित रहने की सलाह दी गई है।

राघव चड्ढा बोले- पार्टी बन गई 'टॉक्सिक', भाजपा में शामिल होने के बाद आप पर हमलावर हुए

चंडीगढ़, (एजेंसी)। राघव चड्ढा ने आम आदमी पार्टी छोड़कर भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने के बाद पार्टी नेतृत्व पर तीखा हमला बोला है। राज्यसभा सांसद चड्ढा ने अपने पहले वीडियो संदेश में आप को 卐टॉक्सिक वर्क एन्वॉयरमेंट卐 वाली पार्टी बताते हुए आरोप लगाया कि अब यह चंद भ्रष्ट और समझौता करने वाले लोगों के हाथों में सिमट गई है। आप छोड़ भाजपा में शामिल हुए चड्ढा ने कहा कि पार्टी में काम करने और अपनी बात रखने की स्वतंत्रता नहीं रह गई थी।

उनके अनुसार, कुछ लोग व्यक्तिगत फायदे के लिए फैसले ले रहे हैं, जिससे पार्टी अपने मूल उद्देश्यों से भटक गई है। उन्होंने यह भी कहा कि वह पार्टी के संस्थापक सदस्यों में से एक रहे हैं, लेकिन अब आप वैसी नहीं रही, जैसी इसे शुरू किया गया था। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि अगर कुल सात सांसदों ने पार्टी छोड़ी है, तो क्या सभी गलत हो सकते हैं। चड्ढा ने कहा कि उनके सामने तीन विकल्प थे, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए उन्होंने पार्टी छोड़ना ही उचित समझा। इस बीच सोमवार को राज्यसभा ने आप के सात सांसदों के बीजेपी में विलय को मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही राघव चड्ढा, अशोक मित्तल, विक्रमजीत साहनी, हरभजन सिंह, डॉ. संदीप पाठक, स्वाति मालीवाल और राजिंदर गुप्ता अब आधिकारिक रूप से भाजपा के सांसद बन गए हैं। इस घटनाक्रम के बाद राज्यसभा में भाजपा की ताकत बढ़कर 113 सांसदों तक पहुंच गई है, जो संसद के उच्च सदन में पार्टी की स्थिति को और मजबूत करता है।

ट्रंप पर हमले की कोशिश पर भारत में सियासी उबाल, कांग्रेस विधायक ने कहा- ये तो होना ही था

मुंबई (एजेंसी)। अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन में आयोजित व्हाइट हाउस संवाददाताओं के वार्षिक रात्रिभोज के दौरान पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर हुई गोलीबारी की घटना ने दुनिया भर को चौंका दिया है। इस अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम के बीच भारत में महाराष्ट्र से कांग्रेस विधायक विजय वडेट्टीवार के एक विवादित बयान ने राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज कर दी है। वडेट्टीवार ने ट्रंप पर हुए हमले को जैसी करनी वैसी भरनी करार देते हुए कहा कि उन पर गोलियां चलनी ही थीं।

कांग्रेस विधायक ने मीडिया से बात करते हुए आरोप लगाया कि ट्रंप दुनिया में अपना दबदबा बनाना चाहते थे और दूसरे देशों को अस्थिर करने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने भारत की स्थिति की तुलना करते हुए कहा कि यहां भी लोगों की भावनाएं कुछ ऐसी ही हैं। वडेट्टीवार के मुताबिक, चूंकि भारत में लोग अभी बाहर नहीं आ रहे हैं, इसलिए यह भ्रम बना हुआ है कि सब ठीक है, लेकिन जनता के मन में यह भावना घर कर गई है कि देश को तबाह किया जा रहा है। हालांकि, उन्होंने अपने बयान में किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन घटना की निंदा करते हुए यह भी जोड़ दिया कि उच्च पद पर बैठे व्यक्ति के साथ ऐसा नहीं होना चाहिए था।

उधर, अमेरिका में हुई इस घटना के विस्तृत ब्योरे सामने आए हैं। शनिवार रात करीब 8-34 बजे जब वॉशिंगटन हिल्टन में मेहमानों को रात्रिभोज परोसा जा रहा था, तभी अचानक गोलीबारी की आवाज सुनाई दी। उस वक्त ट्रंप एसोसिएशन की अध्यक्ष वेइजिया जियांग और मेंटलिस्ट ओज पर्लमैन के साथ बातचीत कर रहे थे। स्थिति भांपते ही खुफिया सेवा (सीक्रेट सर्विस) के जवानों ने तुरंत सुरक्षा घेरा बनाया और राष्ट्रपति ट्रंप, प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप, उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस और उषा वेंस को सुरक्षित बाहर निकाला। बाद में एक संवाददाता सम्मेलन में ट्रंप ने बताया कि सुरक्षाकर्मियों ने कैलिफोर्निया के एक संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान 31 वर्षीय कोल टॉमस एलन के रूप में हुई है। जांच में सामने आया है कि एलन ट्रेन से कैलिफोर्निया से वॉशिंगटन आया था और समारोह वाले होटल में ही ठहरा था। ट्रंप ने कहा कि आरोपी प्रशासन के अधिकारियों को निशाना बनाना चाहता था और उसके परिवार ने पहले ही सुरक्षा एजेंसियों को उसकी संदिग्ध गतिविधियों के बारे में सूचित किया था। आरोपी को सोमवार को अमेरिकी न्याय विभाग के समक्ष आपराधिक आरोपों का सामना करना पड़ेगा।

न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता पर नहीं रहा केजरीवाल को भरोसा कहा- अब सत्याग्रह के मार्ग पर चलूंगा

बेंगलुरु (एजेंसी)। नई दिल्ली, (ईएमएस)। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली हाई कोर्ट की न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा को एक बेहद भावुक और कड़ा पत्र लिखकर न्यायिक प्रक्रिया से खुद को अलग करने का ऐलान किया है। केजरीवाल ने अपने पत्र में स्पष्ट रूप से कहा है कि जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा की अदालत से अब उन्हें न्याय मिलने की कोई उम्मीद नहीं बची है, इसलिए उन्होंने अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनते हुए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के सत्याग्रह के मार्ग पर चलने का निर्णय लिया है।

केजरीवाल ने अपने पत्र में एक बड़ा कदम उठाते हुए घोषणा की है कि वह अब इस मामले में न तो व्यक्तिगत रूप से अदालत के समक्ष पेश होंगे और न ही अपने वकीलों के माध्यम से कोई पेशी कराएंगे। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वह अदालत की कार्यवाही का हिस्सा नहीं बनेंगे,

लेकिन जस्टिस स्वर्ण कांता के किसी भी फैसले के खिलाफ ऊपरी अदालत में अपील करने का अपना कानूनी अधिकार सुरक्षित रखेंगे। उन्होंने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर वह न्याय के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा अवश्य खटखटाएंगे।

बता दें कि बीते 20 अप्रैल को जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा की अदालत ने आबकारी नीति मामले की सुनवाई से खुद को अलग करने से इनकार करते हुए आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल और अन्य लोगों की ओर से दायर याचिका को खारिज कर दिया। एक घंटे से अधिक समय तक हुई सुनवाई में न्यायमूर्ति शर्मा ने कहा कि किसी भी वादी को बिना किसी सबूत के न्यायाधीश पर फैसला करने की अनुमति नहीं दी जा सकती है, और न्यायाधीश किसी वादी के पूर्वाग्रह के निराधार डर को दूर करने के लिए खुद को मामले से अलग नहीं कर सकते हैं। इससे पहले, केजरीवाल ने अदालत में स्वयं जिरह करते हुए न्यायाधीश पर गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने दावा किया था कि न्यायाधीश कथित तौर पर एक विशेष विचारधारा से जुड़े कार्यक्रमों में शामिल रही हैं, जिससे उन्हें डर है कि उनके साथ निष्पक्ष न्याय नहीं होगा। इसके अलावा, अदालत ने केजरीवाल की जिरह से जुड़े एक वायरल वीडियो को भी सोशल मीडिया से तुरंत हटाने के निर्देश दिए हैं। इस मामले में केजरीवाल के साथ-साथ कुछ अन्य नेताओं और पत्रकारों के खिलाफ भी जनहित याचिका दायर की गई थी, जिस पर हाई कोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया है। केजरीवाल के इस सत्याग्रह वाले फैसले ने अब कानूनी और राजनीतिक गलियारों में एक नई बहस छेड़ दी है।

मायावती ने तीन बड़े नेताओं को पार्टी से निकाला, बसपा में मची हलचल

लखनऊ(एजेंसी)। यूपी विधानसभा चुनाव से पहले बसपा सुप्रीमो मायावती के एक फैसले से पार्टी में उथल-पुथल मची दी है। मायावती ने पार्टी के तीन वरिष्ठ नेताओं को बाहर का रास्ता दिखा दिया है। ऐसे में जब फरवरी 2027 में चुनाव होने है मायावती के इस फैसले से बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं में असंतोष है। मायावती ने जिन तीन नेताओं को पार्टी से बाहर किया है, उनका पश्चिम यूपी में अच्छा दबदबा है। जानकारों का कहना है कि इस फैसले से विशेष रूप से पश्चिमी यूपी में बसपा की पकड़ कमजोर हो सकती है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मायावती ने जिन तीन नेताओं को बाहर किया है, उसमें धर्मवीर अशोक, जयप्रकाश और सरफराज रैन शामिल हैं। धर्मवीर अशोक बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक कांशी राम के करीबी साथियों में गिने जाते थे। मायावती ने उन्हें कई राज्यों में जिम्मेदारी दी थी। पश्चिमी यूपी सहित कई इलाकों में उनकी अच्छी पकड़ और लोकप्रियता थी। कहा जा रहा है कि उनका अचानक पार्टी से निकाला जाना कार्यकर्ताओं को रास नहीं आ रहा है। उसी तरह जयप्रकाश काफी समय बाद बसपा में वापस लौटे थे और पश्चिमी यूपी में युवाओं को पार्टी से जोड़ने का काम कर रहे थे। एक वरिष्ठ पार्टी पदाधिकारी को पश्चिमी यूपी के मंडल का अतिरिक्त प्रभार दिए जाने से जुड़े विवाद के चलते उन पर कार्रवाई हुई। वहीं सरफराज रैन भी टिकट वितरण और संगठन से जुड़े कामों में सक्रिय थे। इन तीनों नेताओं की बर्खास्तगी से पार्टी की चुनावी तैयारियों पर असर डाल सकती है।

सात सांसदों के आने से बढ़ेगी राज्यसभा में एनडीए की ताकत, लेकिन संवैधानिक संशोधनों के लिए अभी भी संख्या कम

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के 7 राज्यसभा सांसदों के बीजेपी में शामिल होने के बाद विपक्ष के लिए मुश्किलें खड़ी होती नजर आ रही हैं। राघव चड्ढा और संदीप पाठक के नेतृत्व में इन सांसदों ने अयोग्यता का सामना किए बिना बीजेपी में विलय के लिए आवश्यक जादुई दो-तिहाई बहुमत पा लिया। इस बीच अब इस उलटफेर से राज्यसभा में एनडीए और बीजेपी का समीकरण मजबूत होता दिख रहा है।

बड़े पैमाने पर सांसदों के इस्तीफे से पहले, राज्यसभा में भाजपा की संख्या करीब 106 थी, जबकि एनडीए के पास करीब 121 सदस्य थे। राघव चड्ढा, संदीप पाठक, स्वाति मालीवाल, हरभजन सिंह, अशोक मित्तल, विक्रम साहनी और राजेंद्र गुप्ता सहित आप सेवन के शामिल होने से भाजपा की व्यक्तिगत संख्या बढ़कर 113 हो गई है। इसमें महत्वपूर्ण बात यह है कि एनडीए की कुल सीटों की संख्या बढ़कर 128 हो गई है। 243 सदस्यों वाली सदन में बहुमत के लिए 122 सीटों की जरुरत है। 128 सीटों के साथ एनडीए को साधारण बहुमत आसानी से मिल जाएगा। यह एक ऐतिहासिक बदलाव है; कांग्रेस के एकदलीय

वर्चस्व के युग के बाद पहली बार सत्ताधारी गठबंधन को विवादास्पद सामान्य कानूनों को पारित करने के लिए तटस्थ क्षेत्रीय दलों पर निर्भर रहने की आवश्यकता नहीं है।

हालांकि साधारण बहुमत रोजमर्रा के शासन के लिए बड़ी जीत है, लेकिन भारतीय संसदीय शक्ति का सबसे महत्वपूर्ण लक्ष्य संवैधानिक संशोधनों के लिए आवश्यक दो-तिहाई बहुमत है। 245 सदस्यों वाले पूर्ण सदन के लिए, यह अति-बहुमत 164 वोटों का है। आम आदमी पार्टी के सांसदों के दल-बदल से मिली अप्रत्याशित जीत के बावजूद, एनडीए को इस लक्ष्य से 36 सीटें कम रहेगी। इस अंतर का अर्थ यह है कि जहां सरकार अब सामान्य विधेयकों को आसानी से पारित कर सकती है, वहीं एक राष्ट्र, एक चुनाव ढांचा या परिसीमन प्रक्रिया में औपचारिक बदलाव जैसे बड़े संरचनात्मक परिवर्तनों के लिए भाजपा को अभी भी गुटनिरपेक्ष दलों के साथ संबंध सुधारने होगा या भविष्य के द्विवार्षिक चुनावों का इंतजार करना होगा।

आंध्र प्रदेश में ईंधन संकट को लेकर मुख्यमंत्री नायडू ने की समीक्षा बैठक

-अफरा-तफरी में की जा रही खरीदारी से बढ़ी मांग, स्थिति चिंताजनक

अमरावती (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने राज्य में पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता को लेकर उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। हाल के दिनों में ईंधन की भारी मांग और अफरा-तफरी में की जा रही खरीदारी के चलते राज्य के कई पेट्रोल पंपों पर आपूर्ति बाधित हुई है, जिससे स्थिति चिंताजनक बन गई है। अधिकारियों के अनुसार, ईंधन की आपूर्ति में लगभग 10 प्रतिशत की वृद्धि की गई है, लेकिन इसके बावजूद अचानक बढ़ी मांग के कारण बिक्री में असामान्य उछाल दर्ज किया गया है। इस वजह से कई बिक्री केंद्रों पर पेट्रोल और डीजल का स्टॉक तेजी से खत्म हो रहा है और कुछ पंपों को अस्थायी रूप से बंद करना पड़ा है। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि अफवाहों और संभावित कमी

की आशंका के चलते लोग बड़ी मात्रा में ईंधन खरीद रहे हैं, जिससे स्थिति और बिगड़ रही है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि आपूर्ति व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए तत्काल प्रभाव से अतिरिक्त कदम उठाए जाएं और आम जनता में किसी भी प्रकार की घबराहट न फैलने दी जाए।

मछुआरों को डीजल उपलब्ध कराने में आई कठिनाई

समीक्षा के दौरान मत्स्य पालन क्षेत्र में ईंधन आपूर्ति को लेकर भी विशेष चिंता जताई गई। इस क्षेत्र में डीजल की खपत अधिक होती है और आमतौर पर इसे ड्रमों में खरीदा जाता है। वर्तमान स्थिति के कारण मछुआरों को डीजल उपलब्ध कराने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, जिससे उनकी आजीविका प्रभावित हो सकती है।

ईंधन आपूर्ति सुनिश्चित करने दिए निर्देश

मुख्यमंत्री नायडू ने संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि वे मत्स्य पालन और अन्य आवश्यक सेवाओं को प्राथमिकता देते हुए ईंधन की आपूर्ति सुनिश्चित करें। साथ ही, उन्होंने कहा कि राज्य सरकार स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और आवश्यकतानुसार अतिरिक्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं, ताकि आम जनता और प्रमुख क्षेत्रों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

क्या पूर्व पीएम शेख हसीना के प्रत्यर्पण पर विचार कर रही भारत सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना ने अगस्त 2024 से भारत में शरण ली हुई है, जब बांग्लादेश में विरोध प्रदर्शनों के चलते उनकी सरकार गिर गई थी। इसके बाद बांग्लादेश और भारत के रिश्ते तनावपूर्ण हुए, जिसकी एक अहम वजह शेख हसीना थी। बांग्लादेश ने भारत से शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग की, लेकिन दिल्ली ने उस मांग को अनसुना कर दिया। बांग्लादेश में इस साल तारिक रहमान के नेतृत्व में बीएनपी की सरकार बनने के बाद भारत ने 17 अप्रैल को माना है कि शेख हसीना के प्रत्यर्पण के अनुरोध पर विचार हो रहा है।

रिपोर्ट कहती है कि शेख हसीना के प्रत्यर्पण के लिए ढाका के अनुरोध की समीक्षा करने पर भारत की सहमति लचीलेपन का संकेत दे रही है। जानकारों का कहना है कि इसका मतलब यह नहीं है कि नई दिल्ली ने शेख हसीना को ढाका को सौंपने की तैयारी कर ली है। हालांकि यह घोषणा भारत के पहले के टालमटोल वाले रवैये से बड़ा बदलाव है। इसमें दिल्ली की ढाका से बेहतर रिश्ते की कोशिश दिखती है।

जानकार कहते हैं, भारत का शेख हसीना के प्रत्यर्पण अनुरोध की समीक्षा अभी केवल प्रक्रियात्मक भाषा है। सरकारें अक्सर बिना पक्का वादा किए अपनी खुलेपन की भावना को दिखाने के लिए भाषा का इस्तेमाल करती हैं। यह लचीला रुख दिखाता है लेकिन इसका यह मतलब बिल्कुल नहीं है कि भारत उन्हें सौंपने के लिए तैयार है। एक अन्य जानकार ने कहा कि हसीना का प्रत्यर्पण कानूनी नहीं बल्कि राजनीतिक मुद्दा है। इसलिए इस द्विपक्षीय बातचीत के माध्यम से ही सुलझाया जाना चाहिए। भारत ने यह संकेत दिया है कि वह दोनों देशों के बीच मौजूद कुछ राजनीतिक मुद्दों को राजनीतिक तरीके से ही सुलझाना चाहता है।

बांग्लादेश प्रत्यर्पण अधिनियम 1962 के तहत भारत को औपचारिक अनुरोध भेजेगा। दिल्ली के इस अनुरोध की समीक्षा करने के बाद अदालत यह जांच करेगी कि क्या इस मामले में कोई वैध कानूनी आधार है। हसीना अदालत में इस अनुरोध को चुनौती भी दे सकती हैं। भारत का लंबे समय का लक्ष्य हसीना की अवामी लीग को फिर से मजबूत करना था और इस कोशिश में पार्टी की नेता ने अहम भूमिका निभाई। हसीना को ढाका के हवाले कर दिया जाता है, तब इसका सीधा मतलब अवामी लीग का खात्मा होगा। हसीना दिल्ली के लिए एक रणनीतिक संपत्ति बनी रह सकती हैं। हसीनी खासतौर से तब भारत के लिए अहम होंगी, जब बीएनपी सरकार के भारत-विरोधी रवैया अपनाने की कोशिश करेगी। शेख हसीना 1981 से अवामी लीग की अध्यक्ष रही हैं। उनके नेतृत्व में पार्टी ने 2009 से लेकर 2024 में उन्हें सत्ता से हटाए जाने तक लगातार शासन किया।

आठवां वेतन आयोग देगा भारतीय अर्थव्यवस्था को जबरदस्त बूस्ट

ये लोगों की बचत और निवेश की आदत को बेहतर करेगा

नई दिल्ली।

नवंबर 2025 में आठवें वेतन आयोग के गठन के अनुमानों ने भारतीय अर्थव्यवस्था में एक बड़े बदलाव के संकेत दिए है। इसका कुल वित्तीय बोझ केंद्रीय कर्मचारियों पर 3.7 से 3.9 लाख करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है, जो 2016 के सातवें वेतन आयोग से करीब चार गुना अधिक होगा। हालांकि, इसकी असली कहानी केवल इस विशाल खर्च में नहीं, बल्कि भारतीय परिवारों के खर्च और बचत व्यवहार में आने वाले क्रांतिकारी परिवर्तन में छुपी है। इतिहास के मुताबिक भारत में प्रत्येक वेतन आयोग ने एक नई खपत लहर को जन्म दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, 1997 में पांचवें वेतन आयोग के बाद, मध्य वर्ग के पास अतिरिक्त पैसा आया और उन्होंने स्कूटर छोड़कर सीधे बाइक का रुख किया, जिससे हीरो होंडा, बजाज ऑटो और टीवीएस जैसी कंपनियों को बड़ा मौका मिला। इसके बाद, 2008 में छठे वेतन आयोग के दौरान, जब दुनिया आर्थिक संकट से जूझ रही थी, तब भारत में सरकारी कर्मचारियों ने कार और घर खरीदे। मारुति सुजुकी की बिक्री में सरकारी कर्मचारियों की हिस्सेदारी 4 प्रतिशत से बढ़कर 17 प्रतिशत तक पहुंच गई, और एचडीएफसी जैसे आवास ऋण प्रदाताओं का तेजी से विस्तार हुआ। वहीं 2016 के सातवें वेतन आयोग ने हालांकि खपत से अधिक निवेश की आदत को प्रोत्साहित किया। इस दौरान एसआईपी निवेश 3,122 करोड़ से बढ़कर 31,000 करोड़ हो गया, जो यह दिखाता है कि भारतीय परिवारों ने सोने और संपत्ति से हटकर शेयर बाजार में निवेश करना शुरु किया है। वर्ष 2026 में आने वाला आठवां वेतन आयोग बीते सभी वेतन आयोगों से अलग और सबसे बड़ा बदलाव लाने वाला साबित हो सकता है। इस बार सिर्फ वेतन वृद्धि ही नहीं, बल्कि तीन बड़े बदलाव एक साथ हो रहे हैं। पहला, केंद्रीय कर्मचारियों की सैलरी बढ़ेगी, जिससे करीब 50 लाख कर्मचारियों और 65-70 लाख पेंशनर्स को 30-50 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी मिल सकती है। यह पैसा मुख्य रूप से टियर-2 और टियर-3 शहरों में खर्च होगा, जिससे क्षेत्रीय अर्थव्यवस्थाओं को मजबूती मिलेगी। दूसरा, राज्य सरकारें भी खर्च बढ़ाएंगी क्योंकि राज्यों के लगभग 80 लाख कर्मचारी भी वेतन बढ़ोतरी का लाभ उठाएंगे। कुल मिलाकर, केंद्रीय और राज्य कर्मचारियों के लिए यह रकम 7-8 लाख करोड़ तक पहुंच सकती है, जो सीधे अर्थव्यवस्था में बंपर पैसा डालेगी। तीसरा और सबसे महत्वपूर्ण बदलाव 1 अप्रैल 2026 से लागू हुए नए श्रम कानून के कारण आएगा, जिसने सैलरी स्ट्रक्चर को बदल दिया है। अब मूल वेतन और महंगाई भत्ता (बेसिक +डीए) कुल सीटीसी का कम से कम 50 प्रतिशत होना अनिवार्य हो गया है। इससे भविष्य निधि (पीएफ) और सेवानिवृत्ति बचत में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। उदाहरण के लिए, 50,000 सैलरी वाले कर्मचारी का पीएफ 3,600 से बढ़कर 6,000 तक हो सकता है। यह बदलाव करीब 10 करोड़ कर्मचारियों को प्रभावित करेगा और लंबी अवधि में लाखों करोड़ की बचत बनाएगा। इस अतिरिक्त धन का खर्च विभिन्न वर्गों में अलग-अलग तरीके से होगा। मध्यम आय वर्ग पैसे को कार, घर, यात्रा, एसआईपी और अन्य निवेशों के साथ-साथ निजी शिक्षा पर खर्च करेगा। वहीं, निम्न आय वर्ग खाना, गैस, मोबाइल, बच्चों की पढ़ाई, छोटे ऋणों की ईएमआई चुकाने और अन्य दैनिक उपभोग की वस्तुओं पर खर्च करेगा। यही तेजी से घूमने वाला पैसा अर्थव्यवस्था को नई गति प्रदान करेगा। आठवें वेतन आयोग से कई प्रमुख सेक्टरों को सबसे बड़ा फायदा मिलने की उम्मीद है। ऑटो सेक्टर में कारों और टू-व्हीलर्स की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। आवास और ऋण क्षेत्र में होम लोन और रियल एस्टेट बाजार में तेजी देखी जाएगी। म्यूचुअल फंड और एसआईपी में लंबी अवधि के निवेश में और उछाल आने की प्रबल संभावना है। एफएमसीजी और उपभोक्ता सामान क्षेत्र में हिंदुस्तान यूनीलीवर, डाबर और वरुण बेवरेजेज जैसी कंपनियों को लाभ मिल सकता है। साथ ही, फाइनेंस और माइक्रोफाइनेंस क्षेत्र में बजाज फाइनेंस, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों और छोटे बैंक मजबूत होने है।

सेंसेक्स 639 अंक बढ़कर 77,304 पर बंद निफ्टी में 195 अंक की तेजी रही ऑटो और फार्मा शेयर्स में ज्यादा खरीदारी

निवेशकों को 7 लाख करोड़ का मुनाफा

मुंबई।

शेयर बाजार में सप्ताह की शुरुआत हरियाली से हुई है। सोमवार को सेंसेक्स 639 अंक की तेजी के साथ 77,304 पर बंद हुआ। निफ्टी में 195 अंक की बढ़त रही, ये 24,093 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। ऑटो, आईटी, मेटल, मीडिया और फार्मा शेयर्स में ज्यादा खरीदारी रही। शेयर बाजार में आई शानदार तेजी की वजह से निवेशकों के पोर्टफोलियों में शानदार तेजी देखने को मिला। बीएसई मार्केट कैपिटलाइजेशन 461 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 468 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। यानी कि निवेशकों को 7 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ। सन फार्मा के शेयर में सोमवार को 6.83 प्रतिशत की तेजी रही।

कंपनी ने जानकारी दी है कि वह अमेरिका की ऑर्गेनॉन एंड कंपनी को खरीदने जा रही है। यह पूरी डील 11.75 बिलियन डॉलर

(करीब 1 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा) की वैल्यू पर पूरी तरह कैश में होगी। कच्चा तेल 106 डॉलर के पार ट्रेड कर रहा ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमतें 106 डॉलर प्रति बैरल के पार निकल गई हैं। बाजार में तेल की मजबूत डिमांड और स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज को लेकर चिंता बढ़ी है जिस वजह से ये तेजी आई है। हॉर्मुज को तेल की सप्लाई के लिए सबसे अहम रास्ता माना जाता है।

वरुण बेवरेजेज का जनवरी-मार्च तिमाही का मुनाफा बढ़कर 879 करोड़

नई दिल्ली ।

खाद्य एवं पेय कंपनी पेप्सीको की सबसे बड़ी फ्रेंचाइजी बॉटलर वरुण बेवरेजेज लिमिटेड (वीबीएल) का जनवरी-मार्च 2026 तिमाही में मुनाफा 20.14 फीसदी बढ़कर 878.71 करोड़ रुपये हो गया। यह वृद्धि भारत और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में दोहरे अंक की मात्रा वृद्धि से समर्थित रही। कंपनी ने जनवरी-मार्च 2025 में 731.35 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। कंपनी ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में परिचालन आय सालाना आधार पर 18.33 फीसदी बढ़कर 6,721.53 करोड़ रुपये हो गई। इस तिमाही के दौरान बिक्री मात्रा 16.3 फीसदी बढ़कर 36.34 करोड़ केस हो गई जो 2025 की इसी तिमाही में 31.24 करोड़ केस थी। जनवरी-मार्च तिमाही में कुल खर्च 18.35 फीसदी बढ़कर 5,597.92 करोड़ रुपये हो गया। अन्य आय सहित कुल एकीकृत आय 18.5 प्रतिशत बढ़कर 6,765.06 करोड़ रुपये रही।

एलएंडटी फाइनेंस ने दर्ज किया 3,003 करोड़ का रिकॉर्ड मुनाफा

खुदरा ऋण में मजबूत वृद्धि, प्रति शेयर 2.75 रुपए लाभांश घोषित

मुंबई ।

देश की प्रमुख गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी एलएंडटी फाइनेंस ने हाल ही में समाप्त हुए वित्त वर्ष 2023-24 में रिकॉर्ड वित्तीय प्रदर्शन दर्ज किया है। कंपनी का समेकित मुनाफा सालाना आधार पर 14 प्रतिशत बढ़कर 3,003 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में भी कंपनी का लाभ 27 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 807 करोड़ रुपये रहा। वित्तीय परिणामों के अनुसार, 31 मार्च को समाप्त वित्त वर्ष में कंपनी द्वारा दिया गया खुदरा ऋण 26 फीसदी बढ़कर 1,19,508 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। चौथी तिमाही में खुदरा वितरण वार्षिक आधार पर 62 प्रतिशत बढ़कर 24,107 करोड़ रुपये रहा, जो किसी भी तिमाही में अब तक का सबसे अधिक वितरण है। निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए प्रति इक्विटी शेयर 2.75 रुपये के लाभांश की सिफारिश की है। कंपनी ने अगले पांच साल के लिए अपनी महत्वाकांक्षी रणनीतिक योजना की भी घोषणा की है। एलएंडटी फाइनेंस तकनीक-आधारित निष्पादन पर ध्यान केंद्रित करेगी, जिसका लक्ष्य 20 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि, 2 प्रतिशत से कम क्रेडिट लागत, 3-3.2 प्रतिशत का संपत्ति पर रिटर्न और 16-18 प्रतिशत का इक्विटी पर रिटर्न प्राप्त करना है।

अहमदाबाद विमान हादसे के बाद भी एयरइंडिया ने बीमा प्रीमियम में की बढ़ोतरी?

प्रीमियम अब 33 मिलियन डॉलर हुआ जो पिछले साल के मुकाबले 10फीसदी ज्यादा

नईदिल्ली। गुजरात के अहमदाबाद में 12 जून 2025 को एयर इंडिया का यात्री विमान एआई-171 दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इस गंभीर हादसे में 475 मिलियन डॉलर के क्लेम का सामना करने के बावजूद, टाटा समूह की एयरलाइन एयर इंडिया ने अपने एविएशन इंश्योरेंस को मामूली बढ़ोतरी के साथ रिन्यू किया है। कंपनी ने करीब 300 विमानों के बेड़े और 20 अरब डॉलर की संपत्ति को कवर करने वाली बीमा पॉलिसी को नवीनीकृत किया, जिसका वार्षिक प्रीमियम अब करीब 33 मिलियन डॉलर हो गया है। यह पिछले साल के 30 मिलियन डॉलर से केवल 10फीसदी ज्यादा है। रिपोर्ट के मुताबिक अब सवाल उठ रहा है कि इतने बड़े क्लेम और एक गंभीर हादसे के बावजूद बीमा दरों में बड़ी वृद्धि क्यों नहीं हुई। उद्योग से जुड़े सूत्रों और लंदन जैसे प्रमुख एविएशन इंश्योरेंस हब के विशेषज्ञों के मुताबिक इसकी मुख्य वजह वैश्विक रीइंश्योरेंस बाजार का नरम रहना है। बाजार में पर्याप्त फंड और कंपनियों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा बनी हुई है, जो बड़े नुकसान के बाद भी एयर इंडिया जैसी एयरलाइंस के लिए प्रीमियम में तेज बढ़ोतरी को रोक रही है। एयरलाइन की देनदारी कवर पहले की तरह करीब 1.5 अरब डॉलर पर स्थिर है। वैश्विक बीमा बाजार की वर्तमान स्थिति, विशेषकर एविएशन सेक्टर में, ऐसी है कि बड़े नुकसान भी तत्काल प्रीमियम दरों पर व्यापक असर नहीं डालते। सूत्रों का कहना है कि इस बार एयर इंडिया को रिन्यूअल के दौरान एक बार का अतिरिक्त खर्च जरूर वहन करना पड़ा, लेकिन इसके अलावा प्रीमियम में कोई खास बढ़ोतरी नहीं की गई। पिछले साल कवर देने वाली बीमा और रीइंश्योरेंस कंपनियों ने इस बार भी वही शर्तें जारी रखीं। एयर इंडिया की इस पॉलिसी में टाटा एआईजी जनरल इंश्योरेंस (45फीसदी), आईसीआईसीआई लोम्बार्ड जनरल इंश्योरेंस (7फीसदी), न्यू इंडिया एश्योरेंस (32फीसदी) और ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी (14फीसदी) जैसी प्रमुख भारतीय बीमा कंपनियां शामिल हैं। इस पॉलिसी का करीब 95फीसदी हिस्सा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रीइंश्योर किया गया है, जिसमें एआईजी, एक्सा और एलायंस जैसी बड़ी वैश्विक कंपनियां और जीआईसी री भी भागीदार हैं। ग्लोबल एविएशन ब्रोकिंग कंपनी विलिस के मुताबिक 2025 एयरलाइन बीमा कंपनियों के लिए चुनौतीपूर्ण रहा है, क्योंकि इस दौरान कई महंगे क्लेम आए। फिर भी, प्रीमियम पर सीधा असर इसलिए नहीं पड़ा क्योंकि बाजार में पर्याप्त क्षमता है और हर क्लेम में सभी बीमा कंपनियां शामिल नहीं होतीं। हालांकि, जनरल इंश्योरेंस काउंसिल के आंकड़ों के मुताबिक वित्त 2026 में भारतीय बीमा कंपनियों का कुल सकल प्रीमियम मामूली रूप से 0.8फीसदी घटकर 1,089.27 करोड़ रुपए रह गया, जिसमें न्यू इंडिया एश्योरेंस का योगदान सबसे अधिक था। विशेषज्ञों का मानना है कि यह मौजूदा स्थिरता वैश्विक बाजार में उपलब्ध पर्याप्त क्षमता के कारण है, लेकिन अगर बड़े और महंगे हादसे लगातार होते रहे, तो यह कम कीमत पर जोखिम कवर करने की स्थिति बदल सकती है और बाजार अचानक सख्त हो सकता है। भविष्य में रीइंश्योरेंस की बढ़ती लागत और साइबर सुरक्षा जैसे नए खतरे भी प्रीमियम दरों को प्रभावित कर सकते हैं।

पेटीएम को नए अवसर बर्नस्टीन का भरोसा बरकरार

ब्रोकरेज कंपनी ने 1,500 के लक्ष्य मूल्य के साथ 'आउटपरफॉर्म' रेटिंग दोहराई

नई दिल्ली ।

वैश्विक ब्रोकरेज बर्नस्टीन ने पेटीएम पर अपना भरोसा दोहराते हुए कहा है कि पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (पीपीबीएल) से जुड़े हालिया नियामकीय घटनाक्रम का पेटीएम के कारोबार पर कोई असर नहीं पड़ेगा, बल्कि इससे नए अवसर खुल सकते हैं। ब्रोकरेज ने 1,500 रुपये के लक्ष्य मूल्य के साथ आउटपरफॉर्म रेटिंग बरकरार रखी है, जो करीब 31 प्रतिशत की संभावित बढ़त का संकेत देता है। बर्नस्टीन ने कहा कि नियामक द्वारा पेमेंट्स बैंक लाइसेंस पर कार्रवाई एक क्रमिक घटनाक्रम है। पेटीएम ने 2024 की शुरुआत में नियामकीय कार्रवाई के बाद ही पेमेंट्स बैंक और मूल कंपनी के बीच स्पष्ट अलगाव स्थापित कर लिया था। ब्रोकरेज के अनुसार, पीपीबीएल का संचालन एक वर्ष से अधिक समय से निलंबित होने के कारण पेटीएम के आंकड़ों पर कोई असर पड़ने की संभावना नहीं है।

पेटीएम ने पहले ही पेमेंट बैंक में अपने निवेश को बट्टे खाते में डाल दिया था, जिससे कोई एकमुश्त वित्तीय प्रभाव नहीं पड़ेगा। बर्नस्टीन निकट भविष्य के घटनाक्रमों से आगे बढ़ते हुए पेटीएम के लिए रणनीतिक अवसर देख रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, यह घटनाक्रम कंपनी के लिए गैर-

बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) या पीपीआई (प्रीपेड पेमेंट इंस्ट्रूमेंट) जैसे वैकल्पिक नियामकीय ढांचे अपनाने का रास्ता खोल सकता है। इधर, वन 97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड (पेटीएम) ने शेयर बाजार को सूचित किया है कि भारतीय रिजर्व बैंक की कार्रवाई का कंपनी पर कोई वित्तीय या व्यावसायिक प्रभाव नहीं पड़ेगा। कंपनी ने दोहराया कि उसकी कोई भी सेवा पीपीबीएल से जुड़ी नहीं है, और पेटीएम ऐप, पेटीएम यूपीआई सहित सभी पेशकश सामान्य रूप से जारी रहेंगी।

डिजिटल लेंडर किश्त का आईपीओ मूल्य दायरा तय, 162-171 रुपए प्रति शेयर

926 करोड़ का आईपीओ 30 अप्रैल को खुलेगा, 8 मई को सूचीबद्ध होगा

नई दिल्ली ।

ऑनलाइन ऋण प्रदान करने वाले मंच किश्त का संचालन करने वाली वन ईएमआई टेक्नोलॉजी सॉल्यूशंस लिमिटेड ने अपने 926 करोड़ रुपए के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए मूल्य दायरा निर्धारित कर दिया है। कंपनी ने सोमवार को घोषणा की कि उसके आईपीओ के लिए प्रति शेयर 162-171 रुपए का मूल्य दायरा तय किया गया है। यह आईपीओ 30 अप्रैल को खुलेगा और 5 मई को बंद होगा। बड़े (एंकर) निवेशक 29 अप्रैल को बोली लगा पाएंगे। इस आईपीओ में 850 करोड़ रुपए के नए शेयर जारी किए जाएंगे, जबकि 76 करोड़ रुपए के 44,39,788 शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) भी शामिल है। कंपनी के शेयर 8 मई को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर सूचीबद्ध होने की उम्मीद है।

अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस पावर के शेयरों में आया

उछाल 48 फीसदी की आई तेजी

मुंबई।

भारत के उद्योगपति अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस पावर के शेयरों में तूफानी तेजी आई है। रिलायंस पावर के शेयर सोमवार को बीएसई में इंट्राडे के दौरान 5 फीसदी से ज्यादा की तेजी के साथ 30.07 रुपए पर पहुंच गए। रिलायंस पावर के शेयर पिछले एक महीने में 41 फीसदी से ज्यादा उछल गए। वहीं, 30 मार्च के बाद से रिलायंस पावर के शेयरों में 48 फीसदी की तेजी देखने को मिली है। अनिल की पावर कंपनी का मार्केट कैप सोमवार को 12300 करोड़ रुपए के पार पहुंच गया। रिलायंस पावर के शेयर 52 हफ्ते के अपने निचले स्तर से 48 फीसदी उछले। रिलायंस पावर के शेयर 30 मार्च 2026 को 20.23 रुपए पर जा पहुंचे थे। कंपनी के शेयर 27 अप्रैल 2026 को बीएसई में 30.07 रुपए पर पहुंच गए। पिछले 5 दिन में रिलायंस पावर के शेयरों में 6 फीसदी से ज्यादा की तेजी आई है। अगर पिछले 6 महीने की बात करें तो रिलायंस पावर के शेयरों में 32 फीसदी की गिरावट देखने को मिली है। पिछले एक साल में पावर कंपनी के शेयर 27 फीसदी लुढ़क गए हैं। अनिल अंबानी की यह कंपनी पावर जेनरेशन इंडस्ट्री से जुड़ी है। अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस पावर के शेयर पिछले 6 साल में 1430 फीसदी से ज्यादा चढ़ गए हैं। रिलायंस पावर के शेयर 24 अप्रैल 2020 को 1.95 रुपए पर थे। कंपनी के शेयर 27 अप्रैल 2026 को 30.07 रुपए पर जा पहुंचे। अगर पिछले पांच साल की बात करें तो रिलायंस पावर के शेयरों में 515 फीसदी से ज्यादा का उछाल आया। कंपनी के शेयर इस अवधि में 4.85 रुपए से बढ़कर 30 रुपए के पार जा पहुंचे हैं। पिछले 3 साल में रिलायंस पावर के शेयरों में 145 फीसदी से ज्यादा की तेजी आई है। रिलायंस पावर के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 76.49 रुपए है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 20.23 रुपए है। रिलायंस पावर अपने शेयरधारकों को बोनस शेयर का तोहफा भी दे चुकी है।

कंपनी ने मई 2008 में अपने निवेशकों को 3:5 के रेशियो में बोनस शेयर दिए यानी पावर कंपनी ने अपने शेयरधारकों को हर 5 शेयर पर 3 बोनस शेयर बांटे। रिलायंस पावर में प्रमोटर की हिस्सेदारी 24.98 फीसदी है, जबकि पब्लिक शेयरहोल्डिंग 75.02 फीसदी है।

क्रेडिट कार्ड से नकद निकासी बन सकती है महंगी आफत

आरबीआई के आंकड़ों में क्रेडिट कार्ड से खर्च में 6 फीसदी की बढ़ोतरी

नई दिल्ली ।

भारतीय मध्यम वर्ग के लिए क्रेडिट कार्ड अब सिर्फ खरीदारी का साधन नहीं, बल्कि लाइफस्टाइल का अभिन्न अंग बन चुका है। आरबीआई के ताज़ा आंकड़े बताते हैं कि फरवरी 2026 में क्रेडिट कार्ड से खर्च बढ़कर 1.78 लाख करोड़ रुपये हो गया है, जो पिछले साल से 6 फीसदी अधिक है। हालांकि, इस बढ़ती सुविधा के बीच एक आदत ऐसी भी है जो आपकी वित्तीय सेहत पर भारी पड़ सकती है- क्रेडिट कार्ड से नकद निकासी। फरवरी 2026 में जहां कुल क्रेडिट कार्ड लेनदेन में 6 फीसदी की वृद्धि देखी गई, वहीं इसी अवधि में क्रेडिट कार्ड से 364.26 करोड़ रुपये नकद निकाले गए।

यह एक ऐसी सुविधा है जो असल में आपकी जेब पर सबसे महंगा बोझ डालती है। क्रेडिट कार्ड से खरीदारी करने पर आपको अक्सर 45-50 दिनों का ब्याज-मुक्त समय मिलता है, लेकिन नकद निकासी के मामले में यह नियम लागू नहीं होता। जिस पल आप एटीएम से पैसे निकालते हैं, उसी दिन से 36 से 48 फीसदी तक का भारी-भरकम सालाना ब्याज लगना शुरू हो जाता है। इसके अतिरिक्त, निकाली गई राशि पर 2.5 फीसदी से 3 फीसदी (न्यूनतम 300-500 रुपये) का कैश एडवांस शुल्क भी लगता है। इतना ही नहीं, क्रेडिट कार्ड से बार-बार नकद निकालना बैंक की नज़र में आपकी वित्तीय अस्थिरता को दर्शाता है, जिससे आपका सिबिल स्कोर नकारात्मक रूप से प्रभावित हो सकता है और भविष्य में अन्य ऋण प्राप्त करना मुश्किल हो सकता है। यदि आपको तत्काल नकद की आवश्यकता है, तो क्रेडिट कार्ड के बजाय हमेशा एक आपातकालीन फंड बनाने, कम ब्याज वाला पर्सनल लोन लेने या छोटे खर्चों के लिए बाय नाउ पे लेटर जैसे सुरक्षित विकल्पों पर विचार करें।

हिंदुस्तान जिंक का विस्तार कार्यक्रम वैश्विक जिंक उत्पादन में शीर्ष पर पहुंचने तैयारी

कंपनी 50-60 करोड़ डॉलर के पूंजीगत व्यय से 3-4 साल में उत्पादन दोगुना करेगी

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण बढ़ती इनपुट लागतों के बावजूद, हिंदुस्तान जिंक (एचजेडएल) एक महत्वाकांक्षी विस्तार योजना के लिए कमर कस रहा है। कंपनी अगले 3 से 4 वर्षों में अपने धातु उत्पादन को दोगुना करने के लिए 50 से 60 करोड़ डॉलर का पूंजीगत व्यय कार्यक्रम तैयार कर रही है। इसका प्राथमिक लक्ष्य दुनिया की सबसे बड़ी जिंक उत्पादक बनना और चांदी व महत्वपूर्ण खनिजों के कारोबार का विस्तार करना है। हालांकि, मौजूदा भू-राजनीतिक स्थिति से इस साल जिंक उत्पादन लागत में प्रति टन 50 से 60 डॉलर का इजाफा होने की आशंका है। यह जानकारी हिंदुस्तान जिंक के एक मुख्य अधिकारी ने हाल ही में एक साक्षात्कार में दी। अे धिकारी के अनुसार कंपनी का लक्ष्य वर्तमान 10 लाख टन धातु उत्पादन क्षमता को बढ़ाकर 20 लाख टन तक पहुंचाना है। इस विस्तार के साथ अकेले जिंक का उत्पादन लगभग 8 लाख टन से बढ़कर 16 लाख टन हो जाएगा, जिससे हिंदुस्तान जिंक दुनिया की सबसे बड़ी जिंक उत्पादक कंपनी बन जाएगी। कंपनी अधिक दक्षता वाली आधुनिक इकाइयां भी स्थापित कर रही है, जो उत्पादन लागत को कम करने में सहायक होंगी। इसके साथ ही, नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग को भी वर्तमान 70 फीसदी से बढ़ाकर 80-90 फीसदी तक ले जाने की योजना है। कालांतर में निवेशक कंपनी से 1,200 से 1,500 टन के बीच चांदी उत्पादन की उम्मीद कर सकते हैं। भू-राजनीतिक तनाव के कारण बढ़ती इनपुट लागत इस साल कंपनी के लिए एक चुनौती पेश कर रही है। उन्होंने बताया कि पश्चिम एशिया की लड़ाई की वजह से जिंक उत्पादन लागत में प्रति टन 50 से 60 डॉलर का इजाफा हो सकता है। वित्त वर्ष 2027 के दौरान, कंपनी ने जिंक लागत 975 से 1,000 डॉलर प्रति टन रहने का अनुमान लगाया है, जिसमें यह जोखिम प्रीमियम शामिल है। उन्होंने पिछले वित्त वर्ष की पहली छमाही में हुए उत्पादन नुकसान का भी जिक्र किया, जो नए आर6 रोस्टर की स्थापना में देरी के कारण हुआ था। इस देरी से उत्पादन प्रभावित हुआ, क्योंकि पुराने रोस्टर बंद होने वाले थे और नया तैयार नहीं था। हालांकि, दूसरी छमाही तक आर6 के सफलतापूर्वक चालू होने से कंपनी ने रिकॉर्ड उत्पादन दर्ज किया और चुनौतियों का सामना करते हुए बेहतर प्रदर्शन किया।

पीएनबी एफडी स्कीम 2 लाख पर 5 साल में मिलेगा 70,701 ब्याज

सीनियर सिटीजन को लगभग 6.90 फीसदी तक का मिल सकता है आकर्षक ब्याज

नई दिल्ली ।

पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) उन निवेशकों के लिए एक आकर्षक विकल्प लेकर आया है जो बाजार के उतार-चढ़ाव से बचकर सुरक्षित और स्थिर रिटर्न चाहते हैं। बैंक की 5 साल की फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) स्कीम में निवेश कर आप बिना किसी जोखिम के अपनी पूंजी बढ़ा सकते हैं। यह योजना कम जोखिम पसंद करने वाले और सुरक्षित निवेश की तलाश करने वाले लोगों के लिए एक भरोसेमंद विकल्प है। पीएनबी वर्तमान में 5 साल की एफडी पर सामान्य ग्राहकों को लगभग 6.10 फीसदी वार्षिक ब्याज दे रहा है। वहीं, वरिष्ठ नागरिकों को करीब 6.60 फीसदी और सुपर सीनियर सिटीजन को लगभग 6.90 फीसदी तक का आकर्षक ब्याज मिल सकता है।

हालांकि, निवेश से पहले बैंक से ताज़ा दरों की पुष्टि करना महत्वपूर्ण है, क्योंकि ये बैंक की नीतियों के अनुसार बदल सकती हैं। यदि कोई सामान्य ग्राहक 2,00,000 रुपए की राशि 5 साल के लिए निवेश करता है, तो मैच्योरिटी पर उन्हें लगभग 70,701 रुपए का ब्याज मिलेगा, जिससे कुल रकम 2,70,701 रुपए हो जाएगी। वरिष्ठ नागरिकों के लिए, समान निवेश पर अनुमानित ब्याज लगभग 77,445 रुपए होगा, और कुल मैच्योरिटी राशि 2,77,445 रुपए तक पहुंच सकती है। सुपर सीनियर सिटीजन को करीब 81,568 रुपए का ब्याज मिलेगा, जिससे उनकी कुल

रकम 2,81,568 रुपए हो जाएगी। फिक्स्ड डिपॉजिट को एक सुरक्षित निवेश माना जाता है क्योंकि इसमें निवेश के समय ही आपका रिटर्न स्पष्ट हो जाता है, जिससे वित्तीय स्थिरता और मन की शांति मिलती है।

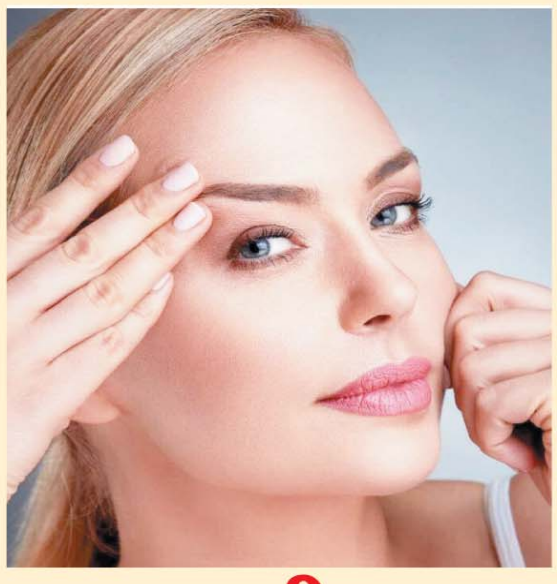

लटकती त्वचा से पाएं निजात

कई महिलाओं को लगता है कि केवल पार्लर ट्रीटमेंट या महंगे प्रोडक्ट्स ही खूबसूरती निखारते हैं, लेकिन सच्चाई इससे काफी अलग है। कई ऐसे पौधे मौजूद हैं जो स्किन के लिए किसी नेचुरल ब्यूटी प्रोडक्ट से कम नहीं। अगर आप लटकी हुई त्वचा या डल फेस से परेशान हैं, तो एक आसान नुस्खा आपकी स्किन को फिर से टाइट और ग्लोइंग बना सकता है।

सबसे पहले ये समझना जरूरी है कि स्किन का लटकना या ढीलापन सिर्फ उम्र के कारण नहीं होता। आजकल 25-30 साल की उम्र में भी लोग स्किन के लटकने की शिकायत करने लगे हैं। इसका कारण है लगातार स्क्रीन टाइम, नींद की कमी, केमिकल बेस्ड क्रीम्स और खराब खानपा।. जब स्किन के नीचे मौजूद कोलेजन कम होने लगता है, तो चेहरे पर कसावट भी घट जाती है। ऐसे में नेचुरल इंग्रीडिएंट्स से स्किन को अंदर से पोषण देना सबसे बेहतर तरीका है।

स्किन को कसने और ग्लो बढ़ाने के लिए सिर्फ तीन चीजों की जरूरत है। तुलसी की पत्तियां, चावल का आटा और मुल्तानी मिट्टी। ये तीनों चीजें मिलकर स्किन को नेचुरल टाइटनिंग देती हैं, साथ ही डार्क स्पॉट्स और झुर्रियों को भी कम करती हैं।

तुलसी की पत्तियां (सूखी और पाउडर के रूप में)

चावल का आटा

मुल्तानी मिट्टी

कैसे तैयार करें फेस पैक ?

1. सबसे पहले तुलसी की ताजी पत्तियों को तोड़कर छांव में सुखा लें।

2. सूख जाने पर इन्हें पीसकर महीन पाउडर बना लें।

3. अब इसमें तुलसी पाउडर की मात्रा से 4 गुना ज्यादा चावल का आटा मिलाएं।

4. फिर इस मिक्स में 4 गुना मुल्तानी मिट्टी डालें और अच्छे से मिक्स कर लें।

5. जब भी लगाना हो, इस पाउडर में कच्चा दूध या एलोवेरा जेल मिलाकर पेस्ट बना लें।.

6. इस पेस्ट को चेहरे और गर्दन पर लगाकर 30 मिनट तक छोड़ दें।

7. समय पूरा होने पर सादे पानी से धो लें।

रोजाना या हफ्ते में 3 बार इसका इस्तेमाल करने से स्किन पर फर्क आने लगेगा।

रील्स से रियल लाइफ तक: मोबाइल की दुनिया में खोती खुशी !

क्या सोशल मीडिया छीन रहा है युवाओं की मुस्कान?

मोबाइल हाथ में आते ही उंगलियां जैसे अपने आप स्क्रीन पर दौड़ने लगती हैं. एक रील खत्म होती है तो दूसरी सामने, फिर स्टोरी, फिर पोस्ट... और देखते-देखते कब एक-दो घंटे निकल जाते हैं, पता ही नहीं चलता. आज के युवाओं के लिए यह सिर्फ टाइमपास नहीं, बल्कि रोज की आदत बन चुकी है, लेकिन इसी आदत के पीछे एक ऐसा सच छिपा है, जो थोड़ा परेशान करने वाला है. हाल ही में आई एक ग्लोबल रिपोर्ट ने इशारा किया है कि ज्यादा सोशल मीडिया इस्तेमाल करने वाले युवाओं की खुशी और संतुष्टि धीरे-धीरे कम हो रही है. खास बात यह है कि इसका असर सबसे ज्यादा किशोर लड़कियों में देखा गया है.

सोशल मीडिया और खुशी का रिश्ता

आज के दौर में सोशल मीडिया सिर्फ बातचीत का जरिया नहीं रहा, बल्कि यह हमारी सोच, भावनाओं और आत्मविश्वास तक को प्रभावित करने लगा है. रिपोर्ट में साफ तौर पर सामने आया है कि जो किशोर ज्यादा समय सोशल मीडिया पर बिताते हैं, उनमें लाइफ सैटिस्फैक्शन कम देखने को मिलता है. यह जरूरी नहीं कि सोशल मीडिया ही इसका सीधा कारण हो, लेकिन दोनों के बीच एक मजबूत कनेक्शन जरूर दिख रहा है. जिन युवाओं का स्क्रीन टाइम सीमित है, वे खुद को ज्यादा खुश और संतुष्ट महसूस करते हैं. वहीं, लंबे समय तक ऑनलाइन रहने वाले युवाओं में यह स्तर गिरता नजर आता है.

किशोर लड़कियों पर ज्यादा असर क्यों?

रिपोर्ट का सबसे चौंकाने वाला हिस्सा यह है कि 15 साल की लड़कियों में यह असर सबसे ज्यादा देखा गया है. इसका एक बड़ा कारण है सोशल मीडिया पर दिखने वाला 'परफेक्ट लाइफ' का भ्रम. आज इंस्टाग्राम और अन्य प्लेटफॉर्म पर हर कोई अपनी जिंदगी का सबसे अच्छा हिस्सा दिखाता है. खूबसूरत तस्वीरें, शानदार लाइफस्टाइल, ट्रैवल, ब्रांडेड कपड़े. यह सब देखकर कई बार किशोर लड़कियां खुद की तुलना करने लगती हैं. यही तुलना धीरे-धीरे आत्मविश्वास को कम कर देती है.

सेहत, रिलेशनशिप, लाइफ या धर्म-ज्योतिष से जुड़ी है कोई निजी उलझन तो हमें करें WhatsApp, आपका नाम गोपनीय रखकर देंगे जानकारी.

आखिर युवा देख क्या रहे हैं?

यह सिर्फ इस बात पर निर्भर नहीं करता कि आप कितना समय सोशल मीडिया पर बिताते हैं, बल्कि यह भी मायने रखता है कि आप वहां क्या देख रहे हैं, अगर कोई यूजर लगातार ऐसे कंटेंट देख रहा है जो दिखावे, ग्लैमर और 'परफेक्ट लाइफ' को बढ़ावा देता है, तो इसका असर मानसिक स्थिति पर पड़ सकता है. वहीं, अगर सोशल मीडिया का इस्तेमाल दोस्तों और परिवार से जुड़ने के लिए किया जाए, तो इसका असर पॉजिटिव भी हो सकता है. आजकल एल्गोरिदम ऐसे कंटेंट को आगे बढ़ाता है, जो ज्यादा एंगेजमेंट लाता है. इसका मतलब है कि यूजर्स को वही चीजें ज्यादा दिखती हैं, जो उन्हें लंबे समय तक स्क्रीन पर रोके रखें. चाहे वह कंटेंट उनके लिए अच्छा हो या नहीं.

किन देशों में दिखा ज्यादा असर?

रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जैसे अंग्रेजी भाषी देशों में यह गिरावट ज्यादा देखने को मिली है. पिछले करीब एक दशक में इन देशों के युवाओं की लाइफ सैटिस्फैक्शन कम हुई है. इसके पीछे सिर्फ सोशल मीडिया ही नहीं, बल्कि सामाजिक सपोर्ट भी एक बड़ा कारण माना जा रहा है. जिन युवाओं को परिवार और समाज से कम सपोर्ट मिलता है, वे ज्यादा असंतुष्ट महसूस करते हैं. दिलचस्प बात यह है कि बाकी दुनिया के कई हिस्सों में युवाओं की खुशी का स्तर बढ़ा है. इससे यह साफ होता है कि सिर्फ डिजिटल दुनिया ही नहीं, बल्कि असली दुनिया में मिलने वाला सपोर्ट भी उतना ही जरूरी है.

क्या सरकारें उठाने लगी हैं कदम?

इस बढ़ते असर को देखते हुए कई देशों ने बच्चों और किशोरों के सोशल मीडिया इस्तेमाल को लेकर सख्ती पर विचार शुरू कर दिया है. ऑस्ट्रेलिया जैसे देश 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर रोक लगाने की दिशा में कदम उठा रहे हैं. यह कदम इसलिए उठाए जा रहे हैं क्योंकि अब यह सिर्फ एंटरटेनमेंट का मामला नहीं रहा, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ा मुद्दा बन चुका है.

असली समस्या : स्क्रीन टाइम या कंटेंट?

अगर ध्यान से देखें तो मामला सिर्फ स्क्रीन टाइम का नहीं है. असली सवाल यह है कि हम डिजिटल दुनिया में क्या देख रहे हैं और उससे कितना प्रभावित हो रहे हैं. मान लीजिए, एक छात्र रोज घंटों मोटिवेशनल या एजुकेशनल कंटेंट देखता है, तो उसका असर अलग होगा. वहीं, अगर कोई लगातार दूसरों की 'परफेक्ट लाइफ' देखकर खुद को कमतर समझने लगे, तो यह उसकी खुशी को जरूर प्रभावित करेगा.

क्या किया जा सकता है?

इसका हल पूरी तरह सोशल मीडिया छोड़ देना नहीं है, बल्कि इसे समझदारी से इस्तेमाल करना है. कुछ छोटे बदलाव बड़ा फर्क ला सकते हैं-जैसे स्क्रीन टाइम सीमित करना, अपने कंटेंट फीड को कंट्रोल करना और असली दुनिया में ज्यादा समय बिताना. परिवार और दोस्तों के साथ बातचीत, आउटडोर एक्टिविटी और खुद के लिए समय निकालना-ये सब चीजें मानसिक संतुलन बनाए रखने में मदद करती हैं. सोशल मीडिया आज की जरूरत बन चुका है, लेकिन इसका जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल धीरे-धीरे युवाओं की खुशी को प्रभावित कर रहा है. खासकर किशोर लड़कियों में इसका असर ज्यादा दिखना चिंता की बात है. ऐसे में जरूरी है कि हम डिजिटल दुनिया और असली जिंदगी के बीच सही संतुलन बनाना सीखें.

रिपोर्ट कार्ड से नहीं खुलेगा राज ! पीटीएम में ये सवाल पूछेंगे तो ही समझ आएगी बच्चे की असली ग्रोथ

साल के आखिर में होने वाली पीटीएम यानी पेरेंट टीचर ?मीटिंग को अक्सर माता-पिता सिर्फ रिपोर्ट कार्ड देखने तक सीमित कर देते हैं. कुछ मिनट बैठकर नंबर पूछे, 'ठीक है' कहा और घर लौट आए, लेकिन सच कहें तो बच्चे की असली कहानी नंबरों से कहीं ज्यादा बड़ी होती है. उसकी क्लास में मौजूदगी कैसी है, वह दोस्तों के साथ कैसा व्यवहार करता है, छोटी-छोटी हार-जीत को कैसे संभालता है-ये सब बातें उसके भविष्य की नींव तय करती हैं. यही वजह है कि आखिरी पीटीएम सिर्फ एक फॉर्मेलिटी नहीं, बल्कि बच्चे को समझने का मौका होती है, अगर सही सवाल पूछे जाएं, तो आप बच्चे के इमोशनल, सोशल और बिहेवियरल ग्रोथ की असली तस्वीर जान सकते हैं. इस बार पीटीएम में जाएं तो सिर्फ मार्कशीट नहीं, ये 9 जरूरी सवाल जरूर साथ लेकर जाएं.

कौन-कौन से सवाल जरूर पूछें?

1. क्या मेरा बच्चा क्लास में खुश और सहज रहता है?

यह सबसे बुनियादी सवाल है, लेकिन यहीं से सब शुरू होता है, अगर बच्चा क्लास में सहज नहीं है, तो पढ़ाई पर भी असर पड़ेगा. टीचर से जानिए कि वह स्कूल में खुद को कितना सुरक्षित और खुश महसूस करता है.

2. वह दूसरे बच्चों के साथ कैसे घुलता-मिलता है?

दोस्ती करना भी एक स्किल है. कुछ बच्चे जल्दी घुल-मिल जाते हैं, जबकि कुछ को समय लगता है, अगर बच्चा अलग-थलग रहता है, तो इस पर ध्यान देने की जरूरत है.

सेहत, रिलेशनशिप, लाइफ या धर्म-ज्योतिष से जुड़ी है कोई निजी उलझन तो हमें करें WhatsApp, आपका नाम गोपनीय रखकर देंगे जानकारी.

3. क्या वह ग्रुप में खेलता है या अकेले रहना पसंद करता है?

यह सवाल बच्चे की पर्सनालिटी को समझने में मदद करता है. हर बच्चा अलग होता है, लेकिन लगातार अकेलापन कभी-कभी चिंता का संकेत हो सकता है.

बच्चे की भावनाओं को समझना भी जरूरी

4. जब चीजें उसके मन मुताबिक नहीं होतीं, तो वह कैसे रिएक्ट करता है?

मान लीजिए बच्चा गेम हार गया या उसकी बारी देर से आई-क्या वह गुस्सा करता है या शांत रहता है? यह उसकी इमोशनल कंट्रोल क्षमता दिखाता है.

5. क्या वह क्लास एक्टिविटीज में हिस्सा लेता है?

क्या बच्चा हाथ उठाकर जवाब देता है या पीछे बैठकर चुप रहता है? इससे उसका आत्मविश्वास साफ झलकता है.

6. क्लास में उसके सबसे करीबी दोस्त कौन हैं?

यह जानना जरूरी है कि बच्चा किन बच्चों के साथ ज्यादा समय बिताता है. उसका सर्कल उसके व्यवहार को काफी प्रभावित करता है.

समस्या सुलझाने की क्षमता भी देखें

7. अगर किसी से झगड़ा हो जाए, तो वह क्या करता है?

क्या बच्चा तुरंत शिकायत करता है, रोने लगता है या खुद बात करके सुलझाने की कोशिश करता है? यह उसकी प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल्स का संकेत है.

8. क्या वह दूसरों की मदद करता है?

सहानुभूति एक बड़ी खूबी है, अगर बच्चा दूसरों की मदद करता है या उनके प्रति संवेदनशील है, तो यह उसके अच्छे व्यक्तित्व का संकेत है.

9. क्या जरूरत पड़ने पर वह मदद मांगता है?

कई बच्चे शर्म या डर के कारण मदद नहीं मांगते, अगर बच्चा खुलकर अपनी बात रखता है, तो यह उसके आत्मविश्वास को दिखाता है.

सिर्फ नंबर नहीं, पूरी तस्वीर देखें

आज के समय में सिर्फ अच्छे नंबर ही सफलता की गारंटी नहीं हैं. एक बच्चा जो भावनात्मक रूप से मजबूत है, दूसरों के साथ अच्छा व्यवहार करता है और खुद को समझता है-वही आगे जाकर बेहतर इंसान बनता है.

पीटीएम में सही सवाल पूछकर आप अपने बच्चे को बेहतर समझ सकते हैं. यह न सिर्फ उसकी पढ़ाई, बल्कि उसकी पूरी जिंदगी को दिशा देने में मदद करेगा.

पीटीएम में क्यों जरूरी हैं सही सवाल?

पीटीएम सिर्फ एक मीटिंग नहीं, बल्कि स्कूल और घर के बीच पुल की तरह होती है. यहां टीचर वो बातें बता सकते हैं जो बच्चा घर पर नहीं दिखाता. कई बार बच्चे क्लास में अलग व्यवहार करते हैं-कुछ ज्यादा चुप हो जाते हैं, तो कुछ ज्यादा एक्टिव. अगर आप सही सवाल नहीं पूछते, तो ये जरूरी बातें छूट जाती हैं. और फिर हम सोचते रह जाते हैं कि 'बच्चा बदल क्यों रहा है?'

वॉशिंग मशीन में रोज कपड़े धोएं या सप्ताह में, इसका सही तरीका क्या हैं?

आज के समय में वॉशिंग मशीन हर घर की एक बेहद खास जरूरत बन चुकी है. लेकिन कई बार एक आम सवाल लोगों के मन में आता है, क्या वॉशिंग मशीन में रोज कपड़े धोना चाहिए या सप्ताह में 2 बार धोना बेहतर होता है? इसका सही जवाब आपकी जीवनशैली, कपड़ों की संख्या और मशीन के रख-रखाव पर निर्भर करती है. आइए इसके पीछे के कारणों को विस्तार से समझते हैं.

रोज़ वॉशिंग मशीन चलाने के फायदे

रोज कपड़े धोने का सबसे बड़ा लाभ यह है कि कपड़े जमा नहीं होते. जिन परिवारों में बच्चे होते हैं या जिन लोगों को रोज ऑफिस जाना होता है, वहां रोज धुलाई से कपड़े साफ और ताजे रहते हैं.

इसके अलावा, रोज धोने पर कपड़ों पर दाग जमने का खतरा कम रहता है, जिससे कम डिटर्जेंट और कम मेहनत में कपड़े साफ हो जाते हैं. हल्का लोड होने से मशीन पर ज्यादा जोर नहीं पड़ता और वॉश क्वालिटी भी बेहतर रहती है.

रोज़ धोने के नुकसान

हालांकि रोज वॉशिंग मशीन चलाने के कुछ नुकसान भी हैं. सबसे पहला नुकसान है बिजली और पानी की खपत. रोज मशीन चलाने से बिजली का बिल और पानी की खपत बढ़ सकती है.

इसके अलावा, कम कपड़ों के साथ मशीन चलाने से ड्रम और मोटर का सही उपयोग नहीं हो पाता, जिससे लंबे समय में मशीन की कार्यक्षमता पर असर पड़ सकता है. कुछ कपड़े बार-बार धोने से जल्दी पुराने भी दिखने लगते हैं.

सप्ताह में 2 बार मशीन में कपड़े धोने के फायदे

सप्ताह में 2 बार कपड़े धोना कई मामलों में ज्यादा व्यावहारिक और सही माना जाता है. इस तरीके से मशीन को फुल या ऑप्टिमल लोड मिलता है, जिससे पानी और बिजली दोनों की बचत होती है. एक साथ ज्यादा कपड़े धोने से समय की भी बचत होती है और मशीन का उपयोग संतुलित रहता है. साथ ही, यह तरीका पर्यावरण के लिहाज से भी बेहतर माना जाता है.

आईपीएल में आज होगा पंजाब और रॉयल्स में मुकाबला

चंडीगढ़ (एजेंसी)। आईपीएल में यहां मंगलवार को पंजाब किंग्स की टीम का मुकाबला राजस्थान रॉयल्स से होगा। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में पंजाब किंग्स का लक्ष्य अपनी घरेलू मैदान में जीत के सिलसिले को बनाये रखा रहेा। पंजाब ने अभी तक अपने सभी मैच जीते हैं और वह अंक तालिका में शीर्ष पर है। उसका लक्ष्य ये मैच जीतकर प्लेऑफ में सबसे पहले जगह बनाना रहेगा। वहीं राजस्थान रॉयल्स चौथे स्थान पर हैं और उसके पास भी वैभव सूर्यवंशी , यशस्वी जायस्वाल जैसे खिलाड़ी हैं। ऐसे में कप्तान रियान पराग की रॉयल्स को कमजोर नहीं माना जा सकता है।

इस मैच में रॉयल्स को जीतना है तो उसके सभी खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। रिकी पोंटिंग के मुख्य कोच का पद संभालने और अय्यर के कप्तान बनने के बाद पंजाब किंग्स काफी बेहतर हुई है। वह पिछले सत्र में उपविकेजा रही थी और इस बार उसका लक्ष्य खिताब जीतना रहेगा। इस सत्र में पंजाब शुरु से ही हावी है। श्रेयस ने अच्छी कप्तानी की है पर उनकी पूरी टीम ने एकजुट होकर अपना योगदान दिया है। उसने इस सत्र में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 265 रन के लक्ष्य भी हासिल कर अपने मजबूत इरादे दिखाये थे।

पंजाब किंग्स की ओर से प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन सिंह ने भी अच्छी बल्लेबाजी कर पावर प्ले में जमकर रन बनाये हैं। वहीं रॉयल्स ने टूर्नामेंट की अच्छी शुरुआत की थी पर पहले चार मैच जीतने के बाद से टीम उस निरंतरता को बनाये नहीं रखा पायी। उसने अब तक जो आठ मैच खेलें हैं उनमें कप्तान रियान पराग का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है जिससे उसके मध्य क्रम पर दबाव बन रहा है। टीम

पिछले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ अपने स्कोर का बचाव नहीं कर पाया था था। उसकी फील्डिंग काफी खराब रही और सनराइजर्स ने 239 रन का लक्ष्य आसानी से हासिल कर दिया जिससे भी उसपर दबाव

रहेगा। ऐसे में उसे बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो के बीच 30 मुकाबले हुए हैं जिसमें से रॉयल्स ने 17 जबकि पंजाब ने 13 जीते हैं। इस प्रकार आंकड़ों में पंजाब भारी है।

टीम इस प्रकार है

पंजाब किंग्स: श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, हरनूर सिंह, प्रभसिमरन सिंह, मिचेल ओवेन, नेहल वढेरा, अजमतुल्लाह उमरजई, मार्को यानसन, मुशीर खान, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, सूर्यांश शेडगे, अर्शदीप सिंह, जेवियर बार्टलेट, युजवेंद्र चहल, लॉकी फर्ग्यूसन, हरप्रीत बराड़, विजयकुमार विशाक, यश ठाकुर, कूपर कोनोली, बेन ड्वार्शुइस, प्रवीण दुबे, विशाल निशाद, पाइला अविनाश और विष्णु विनोद.

राजस्थान रॉयल्स: रियान पराग (कप्तान),शुभम दुबे, शिमरोन हेटमायर, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल, लुआन-ड्रे प्रिटोरियस, वैभव सूर्यवंशी, डोनोवन फरेरा, रवींद्र जड़ेजा, जोफ्रा आर्चर, नांद्रे बर्गर, तुषार देशपांडे, क्वेना मफाका, संदीप शर्मा, युद्धवीर सिंह चरक, रवि बिश्नोई, अमन राव पेराला, एडम मिल्ने, कुलदीप सेन, दासुन शनाका, सुशांत मिश्रा, विग्नेश मिश्रा पुथुर, रवि सिंह और ब्रिजेश शर्मा.

भारत ने ऑस्ट्रेलिया का किया सूपड़ा साफ, थॉमस कप के क्वार्टर फाइनल में पहुंचा

होर्सेंस (डेनमार्क) (एजेंसी)। भारतीय पुरुष टीम ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए सोमवार को यहां ग्रुप ए के मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 5-0 से करारी शिकस्त देकर थॉमस कप बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। भारत और चीन इस ग्रुप में शीर्ष पर हैं। 2022 के चैंपियन भारत ने कनाडा पर 4-1 से जीत के साथ शुरुआत की थी।

चीन ने अपने पहले मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 5-0 से हराया था। उसने सोमवार को कनाडा को 4-1 से पराजित किया। भारत और चीन अब बुधवार को अपने अंतिम ग्रुप मुकाबले में एक दूसरे का सामना करेंगे, जिससे ग्रुप में शीर्ष स्थान का फैसला होगा। पेरिस ओलंपियन और राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन लक्ष्य सेन ने एप्रेम स्टीफन सैम पर 21-14, 21-16 से जीत हासिल करके भारत को शुरुआती बढ़त दिलाई।

US ओपन चैंपियन और हाल में बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में उपविजेता रहे आयुष शेट्टी ने श्रेय ढांड को 21-8, 21-6 से आसानी से हराकर भारत की बढ़त को दोगुना कर दिया। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारत की शीर्ष युगल जोड़ी ने रिजकी हिदायत और जैक यू को 21-14, 21-16 से हराकर स्कोर 3-0 कर दिया।

इससे भारत की क्वार्टर फाइनल में जगह सुनिश्चित हो गई। विश्व चैंपियनशिप 2023 और एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता एचएस प्रणय ने आधे घंटे से भी कम समय में ऋषि होंडा भूपति पर 21-11, 21-17 से जीत हासिल की। हरिहरन अमसाकरुनन और एमआर अर्जुन ने दूसरे युगल मुकाबले में एंडिका रामाडियांस्या और एफ्रैम स्टीफ़न सैम को 21-12, 21-10 से हराया जिससे भारत इस मुकाबले में क्लीन स्वीप करने में सफल रहा।

आईपीएल में ऑरेंज कैप की सूची में अभिषेक, पर्पल कैप की सूची में अंशुल शीर्ष पर

मुम्बई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 सत्र के करीब आधे मुकाबले हो गये हैं। इसके बाद सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप की सूची में सनराइजर्स हैदराबाद के आक्रामक बल्लेबाज अभिषेक शर्मा 380 रनों के साथ ही शीर्ष पर बने हुए हैं। वहीं गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल 330 रन बनकार पांचवे नंबर पर पहुंच गये हैं। दूसरी ओर सबसे अधिक विकेट के लिए मिलने वाली पर्पल कैप की सूची चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के अंशुल कंबोज शीर्ष पर बने हुए हैं। ऑरेंज और पर्पल कैप की सूची में हर मैच के साथ बदलाव आ रहे हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ऑरेंज कैप की सूची में शीर्ष पाँच से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह शुभमन 330 रन बनाकर पांचवें स्थान पर पहुंच गये हैं। शीर्ष पाँच में अन्य बल्लेबाजों में केएल राहुल और वैभव सूर्यवंशी दोनों 357 रनों के साथ क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं, जबकि हेनरिक क्लासेन 349 रनों के

साथ चौथे स्थान पर काबिज हैं। इससे साफ है कि ऑरेंज कैप की दौड़ में कड़ा मुकाबला जारी है। दूसरी ओर गेंदबाजों के लिए पर्पल कैप की टक्कर और भी रोमांचक हो गई है। सीएसके के तेज गेंदबाज अंशुल बेहतरीन प्रदर्शन के साथ ही इस दौड़ में नंबर एक पर बने हुए हैं। उन्होंने 14 विकेट लेकर सनराइजर्स हैदराबाद के ईशान मलिंगा 14 को पीछे छोड़ दिया है, हालांकि दोनों गेंदबाजों के विकेटों की संख्या समान है। मुम्बई इंडियंस के जोफ्रा आर्चर 13 विकेट लेकर तीसरे नंबर पर हैं। वहीं दिल्ली कैपिटल्स के युवा गेंदबाज प्रिंस यादव ने भी 13 लेकर शीर्ष पाँच में प्रवेश कर लिय है, वह चौथे नंबर पर हैं। वहीं गुजरात टाइटंस के अनुभवी कगिसो रबाडा 13 विकेट लेकर पांचवें स्थान पर हैं।

प्लेऑफ के लिए पंजाब सहित ये चार टीमें प्रबल दावेदार बनकर उभरीं

सीएसके, मुम्बई सहित अन्य टीमों का बाहर होना तय

मुम्बई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र के करीब आधे मुकाबले हो गये हैं। अभी तक कुल 70 मैचों में से 36 मुकाबले पूरे हो गये हैं। इससे बाद प्लेऑफ के लिए अब टीमों के बीच मुकाबला और कड़ा हो गया है। पंजाब किंग्स की टीम इस सत्र में सबसे अधिक अंक लेकर शीर्ष पर चल रही है। पंजाब ने अभी तक खेले गए 7 मैचों में से 6 में जीत दर्ज की है, जबकि कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ उनका एक मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया था। इस प्रकार कुल 13 अंकों के साथ, पंजाब अंक तालिका में शीर्ष पर है और प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए नंबर एक पर है। अगले दो से तीन मैचों में ही उसे नॉकआउट दौर का टिकट मिलना तय है।

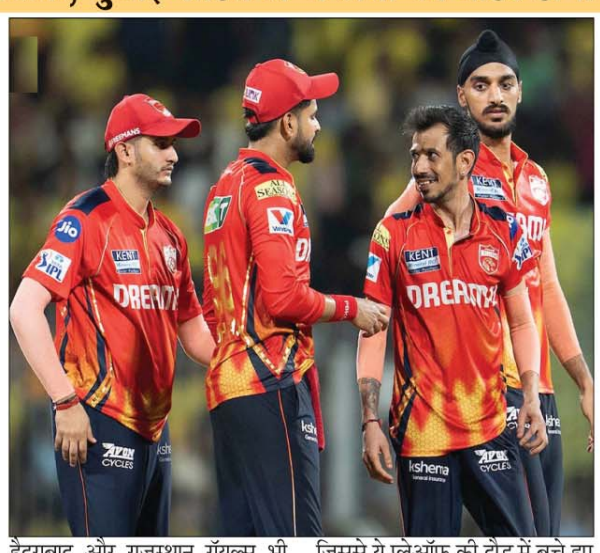

वहीं पंजाब के अलावा, अंक तालिक में शी-4 में शामिल गत विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स भी शामिल हैं। राजस्थान और हैदराबाद ने 8-8 मुकाबले खेल लिए हैं, जबकि बेंगलुरु ने अभी तक 7 मैच खेले हैं। इन तीनों टीमों के भी 10-10 अंक हैं, जिससे ये प्लेऑफ की दौड़ में बचे हुए तीन स्थानो के लिए सबसे बड़े दावेदार के तौर पर उभरे हैं। इनका जबरदस्ता प्रदर्शन इन्हें इसके योग्य बनाता है।

वहीं चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके), दिल्ली कैपिटल्स और गुजरात टाइटंस के लिए प्लेऑफ की में पहुंचना कठिन है। इन तीनों ही टीमों के 7-7 मैचों के बाद 6-6 अंक हैं। जबकि प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए कम से कम 16 अंकों की जरुरत होती है। ऐसे में चेन्नई, दिल्ली और गुजरात को प्लेऑफ के लिए अपने बचे हुए 7 में से कम से कम 5 मैच जीतने होंगे, जो अभी संभव नजर नहीं आ रहा है।

इकसे अलावा मुंबई इंडियंस, लखनऊ सुपर जायंट्स और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की बात करें तो ये टीमें आईपीएल से बाहर होने की दहलीज पर पहुंच गयी हैं। मुंबई और लखनऊ ने अब तक 7-7 मैच खेले हैं और इनके केवल 4-4 अंक हैं। कोलकाता नाइट राइडर्स का प्रदर्शन और भी निराशाजनक रहा है, जिसने इतने ही मैचों में केवल एक जीत दर्ज की है। इन तीनों टीमों की वापसी अब संभवन नजर नहीं आती।

रहाणे ने जीत का श्रेय रिंकू की पारी को दिया

नई दिल्ली (ईएमएस)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) कप्तान आजिंग्य रहाणे ने सुपर ओवर में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ जीत पर खुशी जतायी है। रहाणे ने इस जीत का श्रेय रिंकू सिंह की धमाकेदार बल्लेबाजी को दिया है। रहाणे ने कहा कि रिंकू की पारी ने मैच बदल दिया। उसके कारण ही उनकी टीम एक सम्मानजनक स्कोर तक पहुंची। रिंकू ने इस मैच में एक ही ओवर में चार छक्के लगाकर 83 रनों की पारी खेली। इससे अंक तालिका में केकेआर पहली बार एक स्थान ऊपर आयी है। मैच के बाद जब रहाणे ने कहा कि रिंकू की पारी से अंतर आया। रहाणे ने कहा कि रिंकू ने जिस प्रकार से 16 ओवर के बाद बल्लेबाजी की है उससे मैं बेहद खुश हूं।उसकी पारी ने सब बदल दिया। जिस प्रकार उसने अंतिम ओवर में रन बटोरे उससे ही हम मैच में वापस आये। वहीं पिच की सराहना करते हुए रहाणे ने कहा, हमने यहां मुश्ताक अली खेला था और जिस पिच पर हमने खेला वह मुश्ताक अली जैसी ही थी। इसलिए हमने सोचा कि जब हम बल्लेबाजी कर रहे थे तो इस विकेट पर 160, 170 बहुत अच्छा लक्ष्य होगा, लेकिन हमारी टीम पावर प्ले में रन नहीं बनाने के कारण पिछड़ गयी। उन्होंने कहा कि हमारे गेंदाबाजों ने काफी अच्छी गेंदबाजी की।

वैभव जैसी प्रतिभा एक पीढ़ी में एक बार ही किसी को मिलती है : कैफ

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने राजस्थान रॉयल्सके युवा सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि उनके जैसी प्रतिभा एक पीढ़ी में एक बार ही किसी खिलाड़ी में मिलती है। कैफ ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ वैभव की विस्फोटक पारी को देखते हुए ये बात कही है। वैभव ने इस मैच में केवल 37 गेंदों में ही 103 रनों की आक्रामक पारी खेली थी। जिसमें 12 छक्के और पांच चौके शामिल थे। कैफ ने इसी पारी को देखते हुए कहा कि इतनी कम उम्र में, वैभव आईपीएल में शीर्ष गेंदबाजों पर भी आसानी से बड़े शॉट लगा रहे हैं। उन्होंने वैभव के निडर होकर खेलने के तरीके को विशेष रुप से पसंद किया है। साथ ही कहा कि इस

बल्लेबाज ने जिस प्रकार से प्रफुल हिंगे पर लगातार चार छक्के लगाये। वह भी साबित करता है कि वैभव दबाव में नहीं आते जबकि पिछले मैच में हिंगे ने पहली ही गेंद पर उन्हे आउट कर दिया था। कैफ के अनुसार जिस प्रकार से वैभव ने पैट कमिंस जैसे विश्व स्तरीय गेंदबाज को निशाना बनाया है वह भी बड़ी बात है। इससे पहले के मुकाबालों में उन्होंने जसप्रीत बुमराह और जोफा आर्चर की भी पिटाई की थी। कैफ का मानन है कि वैभव एक निडर क्रिकेटर हैं जो आईपीएल में ऐसे खेल रहे हैं, जैसे वह किसी गली क्रिकेट में खेल रहे हों। पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने सूर्यवंशी के मानसिक रवैये को भी सराहा। उन्होंने कहा, दो सत्र में दो शतक और दोनों ही 250 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से उनकी मानसिक मजबूती को दिखता है।उन्हें इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि गेंदबाज कौन है या मैच की स्थिति क्या है। वह बस लगातार आक्रमण करते रहते हैं। कैफ ने कहा, वह एक ऐसे अनुभवी खिलाड़ी की तरह बल्लेबाजी करता है, जैसे की उसने एक दशक तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेला हो। गेंद की लेंथ को जल्दी पहचानने की उसकी योग्यता, क्रीज पर उसका संतुलन और उसकी जबरदस्त ताकत ये सभी विश्व-स्तर के हैं। इसके अलावा, 15 साल की उम्र में दिमाग शांत बने रहना उसका एक दुर्लभ गुण हैया। वह इसी प्रकार खेलता रहे तो भारतीय क्रिकेट को दो शतक के लिए एक बेहतरीन बल्लेबाज मिल जाएगा।

ईशान बोले टीम से बाहर होने पर हिम्मत नहीं हारी , वापसी के लिए प्रयास किया

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल में शानदार बल्लेबाजी कर रहे सनराइजर्स हैदराबाद के विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन ने कहा है कि जब उन्हें साल 2024 में राष्ट्रीय टीम से बाहर कर दिया गया था। तब भी उन्होंने हिम्मत नहीं हारी थी और वह लगातार अभ्यास करते रहे। ऐसे में टीम से करीब दो साल तक बाहर रहने के बाद भी वह वापसी में सफल रहे। ईशान के अनुसार टीम से बाहर रहने के दौरान उन्होंने हताश होने की जगह पर अपने खेल को बेहतर बनाने और निरंतरता हासिल करने पर ध्यान दिया। इसी प्रतिबद्धता के बल पर उन्होंने इस साल न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला और आगामी टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम में अपनी जगह मिली।

किशन ने अपनी वापसी का श्रेय घरेलू सत्र में शानदार प्रदर्शन को दिया, जहां उन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में 500 से अधिक रन बनाए और अपनी कप्तानी में झारखंड को प्रतियोगिता का खिताब भी जिताया। उन्होंने कहा, जब मैं भारतीय टीम से बाहर था, तो मैंने खुद से कहा कि मैं इसको लेकर रोना नहीं रो सकता या उदास नहीं हो सकता। किसी भी खिलाड़ी के लिए ऐसा करना सबसे आसान होता है। इससे शायद कुछ लोगों की सहानुभूति मिल जाए,

शायद आपको अच्छा भी लगे, लेकिन इससे कुछ हासिल नहीं होगा। उन्होंने आगे जोर दिया, राष्ट्रीय टीम में वापसी करने का एकमात्र तरीका रन बनाना था। मैं बस अपने खेल में सुधार करना चाहता था और जितना हो सके उतने रन बनाना चाहता था, भले ही इसका मतलब किसी भी अन्य बल्लेबाज से ज्यादा छक्के लगाना हो। किशन ने बताया कि राष्ट्रीय टीम से बाहर रहने के दौरान खेल के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और भी बढ़ गई। इसी लगन ने उन्हें घरेलू क्रिकेट में लगातार ढेरों रन बनाने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने कहा, लगातार रन बनाने से ही आप टीम में वापसी कर सकते हैं। यदि एक सत्र में 300 रन काफी नहीं हैं तो 400 रन बनाएं। अगर यह भी काफी नहीं है तो 500 रन बनाएं। आखिर क्रिकेट ही हमारी आजीविका का साधन है। विकेटकीपर बल्लेबाज ने अपनी मानसिकता साझा करते हुए कहा, जब आप टीम से बाहर होते हैं तो आपको इसकी अहमियत समझ आती है और आप हर मैच का सम्मान करने लगते हैं। आपके अंदर अच्छा प्रदर्शन करने और जीत हासिल करने की ललक जाग उठती है। मेरा भी यही लक्ष्य था कि मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूं। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने के अपने अनुभव पर किशन ने कहा कि इससे उन्हें पारी को गति देने और आखिर तक बल्लेबाजी करने का आत्मविश्वास मिला है।

चोट के कारण एशियाई चैंपियनशिप से बाहर हो सकती हैं मीराबाई चानू

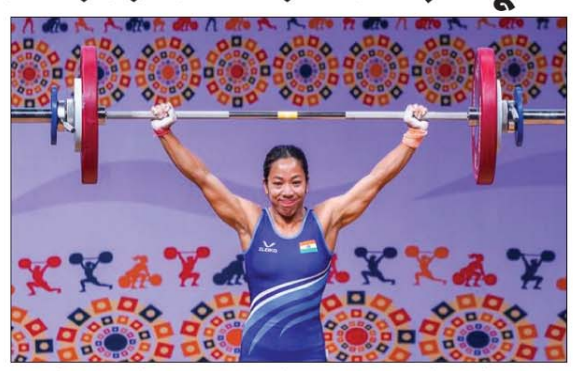

नई दिल्ली । भारत की स्टार भारोत्तोलक मीराबाई चानू अगले महीने गांधीनगर में होने वाली एशियाई चैंपियनशिप में कंधे की चोट के कारण हिस्सा नहीं ले पाएंगी। तोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता और पूर्व विश्व चैंपियन मीराबाई को फरवरी में हुई राष्ट्रीय चैंपियनशिप के दौरान यह चोट लगी थी। इस मामले की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने पीटीआई को बताया, 'राष्ट्रीय चैंपियनशिप के दौरान मीराबाई के कंधे में हल्की चोट लग गई थी। यह साल बहुत अहम है क्योंकि राष्ट्रमंडल खेल और एशियाई खेल होने वाले हैं और वह कोई भी जोखिम नहीं ले सकतीं।' भारतीय टीम में मीराबाई की जगह कोमल कोहर को शामिल किए जाने की संभावना है। मोदीनगर में हुई राष्ट्रीय चैंपियनशिप में 31 साल की मीराबाई ने कुल 205 किग्रा (89 किग्रा और 116 किग्रा) भार उठाकर 48 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था। मीराबाई 23 जुलाई से दो अगस्त तक होने वाले राष्ट्रमंडल खेल 2026 में 48 किग्रा वर्ग में हिस्सा लेंगी जिसके बाद अक्टूबर में होने वाले एशियाई खेले 2026 के लिए वह अपना वजन बढ़ाकर 53 किग्रा वर्ग में आ जाएंगी। एशियाई खेल ही एकमात्र ऐसा बड़ा टूर्नामेंट है जिसमें मणिपुर की इस भारोत्तोलक ने अभी तक कोई पदक नहीं जीता है। साथ ही यह 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक के लिए पहला क्वालीफाइंग टूर्नामेंट भी होगा। एशियाई चैंपियनशिप मूल रूप से एक से 10 अप्रैल तक होनी थी लेकिन पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण इसे एक महीने से अधिक समय के लिए टाल दिया गया था। यह संघर्ष अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर किए गए हमलों से शुरू हुआ था। यह पहली बार होगा जब भारत सीनियर महाद्वीपीय प्रतियोगिता की मेजबानी करेगा।

बीसीसीआई ने आचारसंहित उल्लंघन के लिए केकेआर के अंगक्रिश पर जुर्माना लगाया

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने आचार संहिता उल्लंघन के लिए कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के उभरते हुए बल्लेबाज अंगक्रिश रघुवंशी पर जुर्माना लगाया है। अंगक्रिश पर ये जुर्माना केकेआर को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मिली जीत के बाद लगाया गया। बोर्ड की आईपीएल गवर्निंग बॉडी ने इस बल्लेबाज पर मैच फीस का 20 फीसदी जुर्माना लगाया है। इसके साथ ही, उन्हें लीग उनके खाते में एक नकारात्मक अंक भी जोड़ा गया है। इस बल्लेबाज पर ये कार्रवाई उसकी उग्र प्रतिक्रिया को देखते हुए की गयी है। बीसीसीआई की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान में बताया गया कि अंगक्रिश को आईपीएल आचार संहिता के तहत लेवल 1 अपराध का दोषी पाया गया है। यह क्रिकेट उपकरण या कपड़े, मैदान उपकरण आदि के दुरुपयोग से संबंधित है। अंगक्रिश ने अपने अपराध को स्वीकार कर लिया है, जिसके बाद मैच रेफरी का फैसला अंतिम माना गया। गौरतब है कि यह मामला तब का है जब तीसरे अंपायर के आउट दिए जाने के बाद अंगक्रिश ने आपा खो दिया और पवेलियन लौटते समय बल्ले से बाउंड्री कुशन पर मारा और अपना हेलमेट भी जमीन पर फेंक दिया। उनकी यह प्रतिक्रिया खेल भावना के विपरीत मानी गई और इसी के चलते उन पर यह जुर्माना लगाया गया है। गौरतलब है कि ये यह पूरा विवाद केकेआर की पारी के पांचवें ओवर का है। तब इस बल्लेबाज ने प्रिंस यादव की गेंद पर शॉट खेला और तेजी से एक रन लेने के लिए दौड़े।

'उसे लैब में टेस्ट करवाओ', वैभव सूर्यवंशी की तारीफ में बोले पाकिस्तानी क्रिकेट एक्सपर्ट नियाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। 15 साल के बच्चे के लिए क्रिकेट बॉल को उस तरह से मारना आम बात नहीं है जिस तरह से वैभव सूर्यवंशी मार रहे हैं। इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2026 सीजन की शुरुआत से ही सूर्यवंशी इस टूर्नामेंट के सबसे खतरनाक बल्लेबाजों में से एक बनकर उभरे हैं। वह रन बनाने वालों की लिस्ट में टॉप पर पहुंचने की कोशिश भी कर रहे हैं और उम्मीद कर रहे हैं कि सीजन के आखिर में ऑरेंज कैप उनकी होगी। पाकिस्तान के एक शो में क्रिकेट एक्सपर्ट नौमान नियाज ने मजाक में कहा कि राजस्थान रॉयल्स के इस ओपनिंग बल्लेबाज के अंदर एक AI चिप लगी हुई है क्योंकि वह जिस आसानी से छक्के मार रहे हैं, उसे देखते हुए ऐसा ही लगता है, जबकि वह अभी टीनएजर ही हैं।

नियाज ने एक वीडियो में कहा, 'यह लड़का

है क्या बला ! जैसे WADA डोपिंग टेस्ट करता है, वैसे ही इसे भी किसी लैब में भेजना चाहिए, शायद इसके अंदर कोई AI चिप लगी हुई है। यह बिल्कुल ही अविश्वसनीय है, यार। मेरा मतलब है, मुझे इससे बहुत ज्यादा उम्मीदें हैं। क्या जबरदस्त खिलाड़ी है यह।' नियाज ने हंसते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि उसने (SRH के खिलाफ) थोड़ा धीमा खेला, उसका स्ट्राइक-रेट 300 होना चाहिए था।'

उन्होंने कहा, 'ठीक है तो मेडिकल तौर पर, जब आप 18 साल के होते हैं, तो आपका पूरा शरीर आकार लेना शुरू करता है। आपके कंधे गोल हो जाते हैं, मांसपेशियां बनती हैं, ट्राइसेप्स, बाइसेप्स और आपका कोर मजबूत होता है, क्योंकि उस समय आपके शरीर में हॉर्मोन और टेस्टोस्टेरोन का स्तर अपने चरम पर होता है।' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आने वाले सालों में सूर्यवंशी का विकास और कितना ज्यादा हो सकता है।

पाकिस्तानी क्रिकेट एक्सपर्ट ने सूर्यवंशी की उन खूबियों के बारे में भी बात की, जो उन्हें बाकी सबसे अलग बनाती हैं। नियाज ने कहा, 'वह 16 साल का है। जब वह पैदा हुआ था, तब विराट कोहली पहले से ही वर्ल्ड चैंपियन बन चुके थे। वह पहले ही जीत चुके थे। अब आप उसमें क्या देखते हैं? मैंने यह पता लगाने की कोशिश की कि यह फर्क क्यों है। ठीक है, उसके पास बहुत ज़्यादा तकनीक नहीं है। यह उसकी ताकत नहीं, बल्कि उसकी तकनीक है (जो उसे इस तरह खेलने में मदद करती है)। खेलते समय उसकी कलाई का इस्तेमाल और उसका आर्क, ये दोनों ही बड़े फैक्टर हैं।''

सूर्यवंशी IPL 2026 सीज़न में सबसे ज़्यादा रन बनाने वालों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर है। उन्होंने 8 मैचों में कुल 357 रन बनाए हैं। इस सीजन में वह अब तक एक शतक और तीन अर्धशतक बना चुके हैं और उसका स्ट्राइक रेट 234 से भी ज्यादा है।

'भूत बंगला' की फ्रेंचाइजी बनाना चाहती हैं एकता कपूर

अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की जोड़ी की कमबैक फिल्म 'भूत बंगला' इन दिनों सिनेमाघरों में बनी हुई है। फिल्म को दर्शकों और क्रिटिक्स की मिली-जुली प्रतिक्रियाएं हासिल हुई हैं। वहीं बॉक्स ऑफिस पर भी फिल्म उम्मीद से धीमी ही कमाई कर रही है। लेकिन ऐसा लगता है कि मेकर्स फिल्म के प्रदर्शन से संतुष्ट हैं, तभी वो फिल्म के सीक्वल पर विचार कर रहे हैं। जी हां सही सुना आपने, प्रोड्यूसर एकता कपूर भूत बंगला का सीक्वल बनाना चाहती हैं और वो इसे एक फ्रेंचाइजी के तौर पर विकसित करना चाहती हैं।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, 'भूत बंगला' की निर्माता एकता कपूर फिल्म के सीक्वल पर विचार कर रही हैं। उनकी योजना इसे एक फुल-फ्लेज्ड फ्रैंचाइज में बदलने की भी है। एकता कपूर के करीबी एक सूत्र ने बताया, 'भूत बंगला को परिवारों से मिल रहे प्यार और प्रतिक्रिया को देखते हुए निर्माता निश्चित रूप से इस फ्रेंचाइज को आगे बढ़ाने पर विचार कर रहे हैं। यह एक रोमांचक क्षेत्र है और इसलिए सीक्वल बनने की पूरी संभावना है।' हालांकि यह प्रोजेक्ट अभी शुरुआती चरण में है, लेकिन हॉरर-कॉमेडी जॉनर में एकता की रुचि को देखते हुए, वह इस क्षेत्र में और भी कहानियों के साथ वापसी करना चाहती हैं।

'भूत बंगला' के जरिए अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की जोड़ी ने 14 साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी की है। इस हॉरर-कॉमेडी फिल्म को समीक्षकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया हासिल हुई है। हालांकि, फिल्म को अक्षय-प्रियदर्शन की जोड़ी के फैन काफी पसंद भी कर रहे हैं। लेकिन बॉक्स ऑफिस पर फिल्म की शुरुआत उतनी दमदार नहीं रही, जितनी उम्मीद थी। शुरुआती पांच दिनों में खबर लिखे जाने तक फिल्म सिर्फ 70 करोड़ रुपए की कमाई ही कर पाई है।

धुरंधर के बाद सारा अर्जुन के हाथ लगा बड़ा प्रोजेक्ट!

प्रोजेक्ट से जुड़े संजय लीला भंसाली

बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री मधुबाला पर लंबे समय से बायोपिक बनने को लेकर चर्चा चल रही है। अब खबर आ रही है कि इस प्रोजेक्ट में 'धुरंधर' फेम सारा अर्जुन मधुबाला की भूमिका निभाएंगी। इस प्रोजेक्ट में पहले कई बार देरी हुई है, मगर अब फिल्म के आगे बढ़ने की संभावना है। खबर यह भी है कि सिनेमाघरों में रिलीज होने के बजाय, यह फिल्म सीधे ओटीटी पर रिलीज होगी।

प्रोजेक्ट से जुड़े संजय लीला भंसाली

वैरायटी इंडिया के मुताबिक अपकमिंग फिल्म का प्रोडक्शन जुलाई 2026 से शुरू होने वाला है। यह फिल्म पहले कुछ आर्थिक दिक्कतों की वजह से टल गई थी। अब संजय लीला भंसाली एक प्रोड्यूसर के तौर पर इस प्रोजेक्ट से जुड़े हैं। उम्मीद है कि यह प्रोजेक्ट बिना किसी रुकावट के आगे बढ़ेगा।

सारा ने लुक में किए बदलाव

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सारा

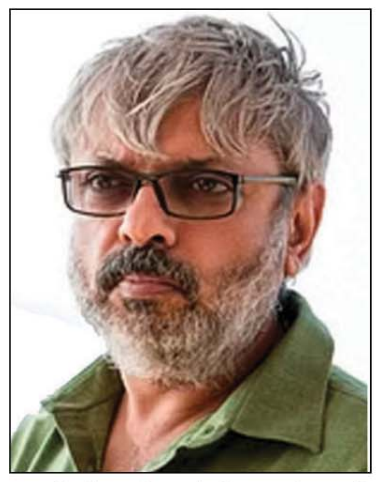

अर्जुन ने इस फिल्म के लिए अपने लुक में बदलाव किए हैं। उन्होंने मधुबाला के रोल के लिए काम करना शुरू कर दिया है। दूसरी तरफ, दिलीप कुमार और किशोर कुमार जैसे दूसरे किरदारों के लिए कास्टिंग जारी है।

इन कलाकारों के नाम पर हो चुकी चर्चा

दिलचस्प बात यह है कि फिल्म में पहले कियारा आडवाणी को लीड रोल के लिए जा रहा था। सारा से पहले जिन दूसरी एक्ट्रेस को यह रोल ऑफर किया गया था, उनमें कल्याणी प्रियदर्शन, शरवरी और अनीत पड्डा भी शामिल थीं। हालांकि, एक्ट्रेस या मेकर्स की तरफ से अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

कई पहलुओं के दिखाएगी फिल्म

यह अनटाइटल्ड फिल्म इंडस्ट्री में मधुबाला के शानदार करियर के साथ-साथ उनकी पर्सनल लाइफ और मुश्किलों को भी दिखाने की कोशिश करेगी। दिलीप कुमार के साथ उनके रिश्ते से लेकर म्यूजिशियन किशोर कुमार के साथ उनकी शादी तक, यह फिल्म मधुबाला की जिंदगी के सभी उतार-चढ़ाव को दिखाएगी।

अशनीर ग्रोवर की बायोपिक का हिस्सा नहीं हैं इमरान खान

आमिर खान के भांजे और अभिनेता इमरान खान जल्द ही फिल्म 'अधूरे हम अधूरे तुम' से बतौर लीड एक्टर वापसी करने वाले हैं। लेकिन इस बीच ऐसी खबरें सामने आई थीं कि इमरान बिजनेसमैन अशनीर ग्रोवर की बायोपिक में भी नजर आ सकते हैं। बीते दिनों इस बायोपिक से आमिर खान के भी छुड़ने की खबरें सामने आई थीं। अब इमरान खान ने इन चर्चाओं पर प्रतिक्रिया दी है और खबरों के पीछे की सच्चाई से रूबरू करवाया है।

इमरान ने अफवाहों को किया खारिज

इमरान खान ने अशनीर ग्रोवर की बायोपिक में काम करने की खबरों को सिरे से खारिज किया। अभिनेता ने कहा कि मैंने इस परियोजना के बारे में सुना तक नहीं है। यह सच नहीं है। इस प्रतिक्रिया के साथ ही इमरान ने यह स्पष्ट कर दिया कि वो इस प्रोजेक्ट का हिस्सा नहीं हैं। वहीं इमरान की प्रतिक्रिया के बाद अब प्रोजेक्ट के अस्तित्व को लेकर भी संदेह पैदा हो रहा है।

आमिर के फिल्म से जुड़ने की थीं खबरें

बीते दिनों ऐसी खबरें सामने आई थीं कि भारतपे के सह-संस्थापक अशनीर ग्रोवर की बायोपिक बन रही है। इस बायोपिक से आमिर खान के जुड़ने की भी खबरें सामने आई थीं। खबरों में ऐसा दावा किया गया था कि आमिर फिल्म में प्रमुख भूमिका निभा सकते हैं। यानि वो अशनीर ग्रोवर की भूमिका में ही नजर आ सकते हैं। साथ ही ये बताया गया था कि फिल्म को राहुल मोदी निर्देशित कर सकते हैं। उनके द्वारा ही फिल्म की कहानी भी लिखी जाने की खबरें सामने आई थीं। लेकिन अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई थी। लेकिन अब इमरान खान ने इस प्रोजेक्ट को लेकर साफ तौर पर इनकार कर दिया है। भारतपे के सह-संस्थापक अशनीर ग्रोवर, शार्क टैंक इंडिया में निवेशक के रूप में आने के बाद बेहद लोकप्रिय हो गए।

इस फिल्म से बतौर लीड एक्टर वापसी करेंगे इमरान

वहीं इमरान खान के वर्कफ्रंट की बात करें तो वो लंबे समय बाद 'अधूरे हम अधूरे तुम' से बतौर लीड एक्टर वापसी करेंगे। यह फिल्म ओटीटी पर रिलीज होगी। इस फिल्म में उनके साथ भूमि पेडनेकर के प्रमुख भूमिका में नजर आने की संभावना है। इमरान खान आखिरी बार इस साल की शुरुआत में रिलीज हुई फिल्म 'हैप्पी पटेल: खतरनाक जासूस' में नजर आए थे। फिल्म में उनकी भूमिका छोटी थी।

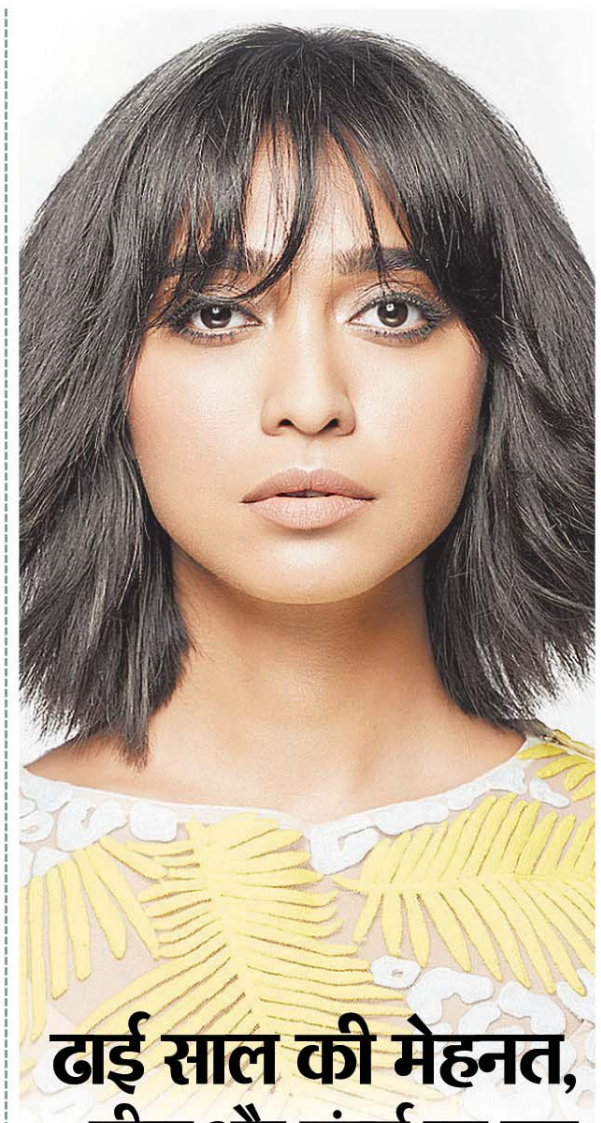

ढाई साल की मेहनत, सीख और संघर्ष का पल है 'आसमानी' का प्रीमियर

कई बार किसी कलाकार के लिए प्रोजेक्ट उसका सपना बन जाता है। ऐसा ही कुछ अभिनेत्री और प्रोड्यूसर सयानी गुप्ता के साथ हुआ है, जिनकी शॉर्ट फिल्म 'आसमानी' अब दुनिया के सामने पहली बार पेश होने जा रही है। यह सिर्फ एक फिल्म का प्रीमियर नहीं, बल्कि ढाई साल की मेहनत, सीख और संघर्ष का वह पल है, जिसका इंतजार वह लंबे समय से कर रही थीं। इसी खास मौके से पहले उन्होंने अपने इमोशन्स इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए साझा किए। सयानी गुप्ता ने इंस्टाग्राम पर अपनी पोस्ट में बताया कि पिछले ढाई साल उनकी जिंदगी के सबसे मेहनत भरे साल रहे हैं, जो अब जाकर 24 घंटे के अंदर एक बड़े मोड़ पर पहुंच रहे हैं। उनकी फिल्म 'आसमानी' का वर्ल्ड प्रीमियर होने जा रहा है और वह इसे अपने बच्चे की तरह मानती हैं, जो अब दुनिया को दिखाई जाएगी। उन्होंने लिखा, 'यह पल मेरे लिए बेहद खास है, और मैं चाहती हूं कि यह फिल्म लोगों के दिल तक पहुंचे।' इस फिल्म की खास बात यह है कि सयानी गुप्ता ने इसमें अभिनय के साथ इसकी कहानी को खुद लिखा है, निर्देशित किया और प्रोड्यूस भी किया है। यह उनके करियर का वह पड़ाव है, जहां उन्होंने कैमरे के सामने ही नहीं बल्कि कैमरे के पीछे भी अपनी पहचान बनाई है।

उनके इस पोस्ट पर फैंस के साथ-साथ फिल्म इंडस्ट्री से भी प्यार और शुभकामनाएं मिल रही हैं। अभिनेत्री और पूर्व मिस यूनिवर्स दीया मिर्जा ने कमेंट करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं और उनके लिए खुशी जताई। उन्होंने कमेंट में लिखा, 'गुड लक और फ्लाई।' 'आसमानी' सयानी गुप्ता की पहली पूरी तरह से बनाई गई प्रोडक्शन फिल्म है। इसमें मशहूर अभिनेत्री रेवती और अभय कौल जैसे कलाकार नजर आएंगे। इससे पहले सयानी ने कुछ प्रोजेक्ट्स में सह-निर्माता के तौर पर काम किया था लेकिन यह उनका पहला प्रोडक्शन प्रोजेक्ट है, जिसे उन्होंने खुद लीड किया है। सयानी ने पहले बताया था कि यह उनका लंबे समय का सपना था कि वह ऐसी कहानियां बनाएं जो अलग हों और जिनमें नए विचार हों। वह चाहती हैं कि फिल्म निर्माण में सहयोग और रचनात्मकता को बढ़ावा मिले। इसलिए वह हर प्रोजेक्ट को धीरे-धीरे, लेकिन पूरी मेहनत और समझ के साथ करना चाहती हैं।

प्रोड्यूसर बनना आसान नहीं

अभिनेता राजकुमार राव हाल ही में फिल्म 'टोस्टर' में नजर आए हैं। इस फिल्म में मुख्य भूमिका निभाने के साथ-साथ राजकुमार राव ने बतौर प्रोड्यूसर भी अपनी शुरुआत की है। इस फिल्म को उन्होंने अपनी पत्नी पत्रलेखा के साथ मिलकर प्रोड्यूस किया है, जो एक मिडिल क्लास कहानी को कॉमेडी, मिस्ट्री और थ्रिल के साथ दिखाती है। अब अमर उजाला से खास बातचीत में राजकुमार राव ने प्रोड्यूसर बनने के अनुभव, दोस्ती, शादी की यादों और फिल्म की खासियतों पर खुलकर अपनी बात रखी।

प्रोड्यूसर बनने का अनुभव कैसा रहा और आपने क्या नया सीखा?

मुझे लगता है कि यह मुझे मजबूत बनाने वाला अनुभव है। क्योंकि इसमें बहुत ज्यादा काम है, बहुत मेहनत है। प्रोड्यूसर होना आसान नहीं है। मैं यही सोचता रहा कि पत्रलेखा ने यह सब कैसे मैनेज किया, उनसे मैंने बहुत कुछ सीखा है। मुझे लगता था कि प्रोड्यूसर का काम बहुत आसान होता होगा। एक बार आपने टीम सेट कर दी, उसके बाद सब हो जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं है। चौबीसों घंटे हर दिन आपको बहुत सारे फैसले लेने होते हैं। छोटे भी और बड़े भी। लगातार बातें करनी होती हैं, मीटिंग करनी होती है, बहुत सारा पेपरवर्क होता है। हर चीज के लिए हजारों लोगों से संपर्क रखना पड़ता है, तो काम बहुत ज्यादा होता है। चूंकि, हम दोनों अभिनेता हैं, इसलिए हमें क्रिएटिव चीजों पर भी ध्यान देना पड़ता है। एडिट कैसा जा रहा है, डीआई कैसा जा रहा है, साउंड कैसा सुनाई दे रहा है? हर चीज देखनी पड़ती है

पर्दे पर कंजूस किरदार और असल जिंदगी में प्रोड्यूसर, कहीं पैसों का खास ख्याल रखने की प्रैक्टिस तो नहीं चल रही?

यह बिल्कुल एक संयोग है। इसका असल जिंदगी से कोई लेना देना नहीं है। (हंसते हुए) हम लोग असल जिंदगी में बिल्कुल अलग हैं, कंजूस तो बिल्कुल नहीं है। बल्कि हम तो ऐसे प्रोड्यूसर हैं जो चाहते हैं कि सेट पर लोगों को बहुत अच्छा खाना मिले, सबको समय पर खाना दिया जाए। हम खुद इतने साल से अभिनेता हैं, इसलिए हमें ठीक से पता है कि सेट पर किन चीजों से लोगों को दिक्कत होती है, क्या परेशानियां होती हैं। अगर लोग शिकायत करते हैं तो हम चाहते हैं कि ऐसा न हो। अगर कोई बात हम तक पहुंचे तो हम उसे तुरंत ठीक करें, क्योंकि हमें खुद पता है कि क्या सही है और क्या गलत।

बतौर प्रोड्यूसर आपने अपनी पहली फिल्म के लिए डार्क कॉमेडी ही क्यों चुनी?

ऐसा कुछ नहीं था। यह पहली चीज थी जो हमारे पास आई थी। इससे पहले भी हमने कुछ और चीजें पढ़ी थीं, लेकिन यह हमें क्लिक हुई। इसे पढ़कर बहुत मजा आया। इसके किरदार और कहानी बहुत दिलचस्प हैं। हम हमेशा से यही चाहते थे कि यह फिल्म स्ट्रीमिंग के लिए बने। हमें लगा कि इस ओटीटी प्लेटफार्म पर वहां कॉमेडी कम है, तो यह वैसी फिल्म हो सकती है जिसे ऑडियंस खूब पसंद करें। इसमें एक मिडिल क्लास सोसायटी की कहानी है, जिसे बहुत ही मजेदार तरीके से दिखाया गया है। कहानी बहुत रियल है, जो इंडियन फैमिली से जुड़ी हुई है। सब कुछ बहुत फन तरीके से दिखाया गया है। यह एक अलग तरह की फिल्म है, जिसमें मिस्ट्री भी है, थ्रिल भी है और कॉमेडी भी है।

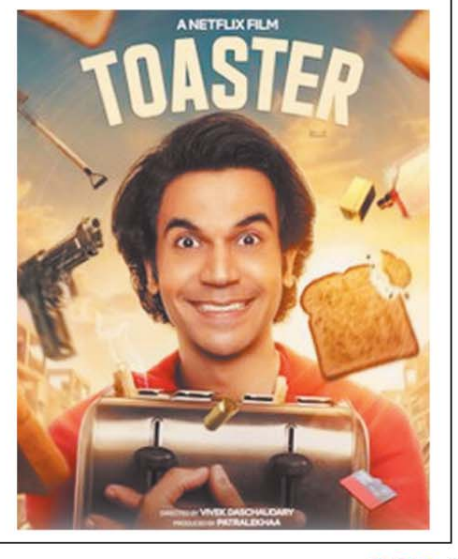

संक्षिप्त समाचार

कांगो में नई सरकार का एलान: अनातोले कोलिनेट माकोसो फिर बने प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति ने की घोषणा

कांगो , एजेंसी। अफ्रीकी देश कांगो गणराज्य में एक बड़े राजनीतिक घटनाक्रम के तहत नई सरकार का आधिकारिक गठन हो गया है। राष्ट्रपति डेनिस सासो न्गुएसो ने नेशनल टेलीविजन पर एक विशेष संबोधन के माध्यम से देश की नई कैबिनेट की घोषणा की। इस नई व्यवस्था में अनातोले कोलिनेट माकोसो को एक बार फिर से प्रधानमंत्री की कमान सौंपी गई है। राष्ट्रपति न्गुएसो ने माकोसो पर पुन: विश्वास जताते हुए उन्हें देश को आगे ले जाने की जिम्मेदारी दी है। नई सरकार का स्वरूप काफी व्यापक रखा गया है। प्रधानमंत्री माकोसो के नेतृत्व वाली इस टीम में एक डिप्टी प्रधानमंत्री, तीन राज्य मंत्री और 37 मंत्रियों को जगह दी गई है। सरकार में अनुभव और निरंतरता को महत्व देते हुए कई पूर्व मंत्रियों को नई भूमिकाएं सौंपी गई हैं। इनमें से क्षेत्रीय योजना और बड़े कार्यों के पूर्व राज्य मंत्री जीन-जैक्स बौया को प्रमोट करते हुए इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट और टेरिटोरियल प्लानिंग का इंचार्ज उप प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया है। वहीं, पियरे ओबा को राष्ट्रपति कार्यालय में राजनीतिक मामलों का प्रभारी राज्य मंत्री बनाया गया है। क्लाउड अल्फोंस न्सिलौ को कंस्ट्रक्शन, अर्बन प्लानिंग और हाउसिंग की जिम्मेदारी दी गई है, जबकि पियरे माबियाला को सिविल सेवा, श्रम और सामाजिक संवाद विभाग का राज्य मंत्री नियुक्त किया गया है। इस नई सरकार का गठन कांगो में हुए हालिया राष्ट्रपति चुनावों के बाद हुआ है। कांगो के संविधान के अनुसार, राष्ट्रपति चुनाव जीतने के बाद एक नया प्रधानमंत्री नियुक्त करना और नई सरकार का गठन करना अनिवार्य होता है। बता दें कि 15 मार्च को हुए राष्ट्रपति चुनाव में डेनिस सासो न्गुएसो ने 94.9 प्रतिशत के भारी बहुमत के साथ शानदार जीत दर्ज की थी। चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक, इस चुनाव में लगभग 84.65 फीसदी मतदाताओं ने हिस्सा लिया था। हालांकि, इस राजनीतिक प्रक्रिया के साथ विवाद भी जुड़े रहे हैं। चुनाव के दौरान विपक्ष की दो बड़ी पार्टियों ने चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए इसका बहिष्कार किया था और धांधली के गंभीर आरोप लगाए थे। विपक्ष के कद्दावर नेता जनरल जीन-मैरी मिशेल मोकोको और आंद्रे ओकोम्बी सालिसा ने इस पूरी प्रक्रिया का पुरजोर विरोध किया। चुनाव के दिन राजधानी ब्राजाविल में ट्रैफिक पर प्रतिबंध लगा दिया गया था और इंटरनेट सेवाएं भी पूरी तरह बंद कर दी गई थीं, जिसे लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी चर्चा हुई थी। प्रधानमंत्री माकोसो ने नई सरकार के गठन से पहले 17 अप्रैल को अपना इस्तीफा सौंपा था। जिसके बाद 23 अप्रैल को उन्हें आधिकारिक तौर पर दोबारा नियुक्त किया गया। अब उनके सामने न्गुएसो के विजन को धरातल पर उतारने की बड़ी चुनौती होगी।

दाऊद गैंग को लगा बड़ा झटका: गिरफ्तार हुआ खास गुर्गा सलीम डोला; खबरों में दावा- तुर्किये में पुलिस ने दबोचा

इस्तांबुल , एजेंसी। कुख्यात ड्रग तस्कर और भगोड़े आतंकी दाऊद इब्राहिम के करीबी सलीम डोला को तुर्की के इस्तांबुल में गिरफ्तार कर लिया गया है। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार तुर्की की सुरक्षा एजेंसियों ने उसे पकड़ा है। कई मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भारतीय सुरक्षा एजेंसियों के सूत्रों ने सलीम डोला की गिरफ्तारी की खबर की पुष्टि की है। डोला इंटरपोल द्वारा जारी रेड कॉर्नर नोटिस के दायरे में था। यह नोटिस भारत की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा मुंबई पुलिस में दर्ज मामलों के आधार पर जारी किया गया था। अंतरराष्ट्रीय ड्रग रैकेट का सरगना माना जाता है कि सलीम डोला भारत भर में फैले कई गुप्त अड्डों और कारखानों का इस्तेमाल करके कई देशों में फैले एक अंतरराष्ट्रीय सिंथेटिक ड्रग तस्करी नेटवर्क को चला रहा था। सूत्रों के अनुसार, वह दुबई से अपने ड्रग रैकेट को नियंत्रित करता था। रिपोर्ट के मुताबिक गिरफ्तारी की पुष्टि होने से पहले एक भारतीय अधिकारी ने कहा था कि अगर डोला पकड़ा जाता है, तो उसके ड्रग तस्करी गिरोह के लिए यह एक बड़ा झटका होगा। मुंबई पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने, जिन्होंने गुमनाम रहने की शर्त पर बात की, कहा, 'अगर डोला को हिरासत में लिया गया है, तो यह बहुत अच्छी खबर है और उसके तस्करी नेटवर्क के लिए एक बड़ा झटका है।' सूत्रों ने बताया है कि सलीम डोला के ड्रग तस्करी नेटवर्क का सालाना कारोबार 5,000 करोड़ रुपये से अधिक का था। हालांकि, इस अंतरराष्ट्रीय सिंडिकेट की कुल कमाई का कोई अनुमान उपलब्ध नहीं है।पिछले साल, सलीम डोला के बेटे ताहिर डोला को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में स्थानीय अधिकारियों और इंटरपोल की मदद से हिरासत में लिया गया था। ताहिर डोला को जून 2025 में सफलतापूर्वक भारत प्रत्यर्पित किया गया था। इसके कुछ महीनों बाद, सलीम डोला के एक प्रमुख सहयोगी सलीम मोहम्मद सोहेल शेख को दुबई से निर्वासित कर मुंबई एंटी-नारकोटिक्स सेल ने कई मामलों में गिरफ्तार किया था। कई मामलों में वांछित सलीम डोला और उसके सहयोगियों के खिलाफ भारत में ड्रग तस्करी, निर्माण और अन्य अपराधों से संबंधित कई मामले दर्ज हैं। वे प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा जांच की जा रही मनी लॉन्ड्रिंग के मामलों का भी सामना कर रहे हैं।

चीन के चौथे परमाणु एयरक्राफ्ट कैरियर

'हे जियान' ने बढ़ाई दुनिया की टेंशन

बीजिंग, एजेंसी। चीन की नौसेना ने समुद्र में अपना दबदबा बढ़ाने की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाया है। पीपुल्स लिबरेशन आर्मी ने अपनी 77वीं वर्षगांठ के मौके पर एक नया वीडियो जारी किया है। इस खास चीन के नए विमान वाहक का वीडियो ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है। तटीय रक्षा से लेकर गहरे समुद्र तक चीनी नौसेना की बढ़ती ताकत इसमें दिखाई गई है।

इस वीडियो में पुराने जहाजों के अधिकारियों को नए लोगों को कंपास सौंपते दिखाया गया है। इसके साथ ही चौथे संभावित एयरक्राफ्ट कैरियर 'हे जियान' के निर्माण का भी बड़ा संकेत मिला है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह चीन का पहला पूरी तरह से परमाणु ऊर्जा संचालित जहाज होगा। इस नए जंगी जहाज के आने से अमेरिका और भारत जैसे देशों की रणनीतिक चिंताएं बढ़ेंगी।

हे जियान का संकेत

चीनी नौसेना के वीडियो में चौथे जहाज का नाम 'हे जियान' होने की मजबूत संभावना जताई गई है। चीनी भाषा में 'हे' शब्द का सीधा मतलब परमाणु ऊर्जा से जुड़ा हुआ माना जाता है। अगर यह सच है तो यह दुनिया में चीन की नौसैनिक ताकत को कई गुना बढ़ा देगा।

सैटेलाइट तस्वीरों में खुलासा

डालियान शिपयार्ड की सैटेलाइट तस्वीरों में एक बहुत ही विशालकाय जहाज बनता हुआ साफ दिख रहा है। यह जहाज आकार में अमेरिका के जेराल्ड आर. फोर्ड श्रेणी के जंगी जहाजों के बिल्कुल समान है। इन तस्वीरों में जहाज पर परमाणु रिएक्टर रोकथाम जैसी संरचनाएं भी आसानी से देखी जा सकती हैं।

पारंपरिक जहाजों से अलग

वर्तमान में चीन के पास लियाओनिंग, शेडोंग और फुजियान नाम के तीन एयरक्राफ्ट कैरियर मौजूद हैं। ये तीनों विमानवाहक पोत अभी तक पूरी तरह से पारंपरिक ईंधन की मदद से ही चलते हैं। लेकिन नया कैरियर चीन का पहला स्वदेशी और परमाणु ऊर्जा से संचालित होने वाला जहाज होगा।

फुजियान की खूबियां

पिछले साल नवंबर में चीन ने अपना तीसरा और सबसे आधुनिक कैरियर 'फुजियान' नौसेना में शामिल किया था। लगभग 80,000 टन वजनी यह जहाज अत्याधुनिक इलेक्ट्रोमैग्नेटिक कैटापुल तकनीक से पूरी तरह लैस है। अब तक यह खास और उन्नत तकनीक केवल अमेरिकी नौसेना के जहाजों के पास ही मौजूद थी।

जहाजों की तुलना

चीन के पास इस समय कुल 234 जंगी युद्धपोतों का एक बहुत बड़ा और मजबूत बेड़ा है। यह संख्या सीधे तौर पर अमेरिका के 219 जहाजों की तुलना में काफी अधिक मानी जा रही है। हालांकि अमेरिका के पास अभी भी 11 परमाणु संचालित एयरक्राफ्ट कैरियर की जबरदस्त ताकत मौजूद है।

वैश्विक मार्गों पर नजर

विशेषज्ञों के अनुसार चीन अमेरिका के साथ बढ़ते तनाव के कारण यह विस्तार तेजी से कर रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य वैश्विक समुद्री व्यापार मार्गों पर अपना पूर्ण नियंत्रण और एकाधिकार स्थापित करना है। फुजियान के बाद चीन अब हिंद महासागर और अरब सागर में भी अपनी गश्त बढ़ा सकता है।

भारत के लिए चिंता

चीन जिबूती, ग्वादर और हंबनटोटा जैसे ठिकानों से भारत के समुद्री क्षेत्र में सक्रिय हो गया है। इन गतिविधियों ने भारतीय नौसेना के सामने कई नई और गंभीर सुरक्षा चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। इसके जवाब में भारत भी आईएनएस विक्रांत और विक्रमादित्य से अपनी पकड़ मजबूत कर रहा है।

कोलंबिया में हिंसक हमले जारी, बस में भीषण बम धमाके से गई सात की जान; कई घायल

बोगोटा , एजेंसी। कोलंबिया के दक्षिण-पश्चिम इलाके में शनिवार को एक बस में बम धमाका हुआ। इस हमले में सात लोगों की मौत हो गई और 17 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। काउका प्रांत के गवर्नर ओक्टावियो गुजमैन ने बताया कि यह धमाका काजिबियो में पैनअमेरिकन हाईवे पर हुआ। बस उस समय रास्ते पर चल रही थी जब उसमें रखा विस्फोटक फट गया। सेना के कमांडर जनरल ह्यूगो लोपेज ने इस घटना को आतंकवादी हमला बताया है। उन्होंने इस हमले का जिम्मेदार इवान मोर्डिस्को के नेटवर्क और जेम मार्टिनेज गुट को ठहराया। ये दोनों गुट पूर्व विद्रोही संगठन फार्क से अलग हुए समूह हैं। इन समूहों ने साल 2016 में सरकार के साथ हुए शांति समझौते को मानने से इनकार कर दिया था।

राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने इस हमले पर गहरा दुख जताया। उन्होंने कहा कि काजिबियो में सात नागरिकों की हत्या करने वाले लोग आतंकवादी और ड्रग तस्कर हैं। उन्होंने यह भी बताया कि मरने वालों में कई लोग आदिवासी समुदाय के थे। यह हमला पिछले दो दिनों में हुई हिंसा की कई घटनाओं में से एक है। जनरल लोपेज के अनुसार, इस क्षेत्र में पिछले 48 घंटों में 26 आपराधिक घटनाएं हुई हैं।

शनिवार को ही अधिकारियों ने एल टैम्बो में विस्फोटक से लदे तीन ड्रोन मार गिराए। इससे पहले शुक्रवार को काली और पल्मिरा में सेना की यूनिट्स के पास दो गाड़ियों में धमाके किए गए थे। जमुंडी के ग्रामीण इलाके में एक पुलिस स्टेशन पर भी गोलीबारी हुई। अधिकारियों का कहना है कि काउका और वैले डेल काउका इलाके ड्रग तस्करी के बड़े केंद्र हैं। विद्रोही गुट बुएनावेंचुरा बंदरगाह तक जाने वाले रास्तों पर कब्जा करना चाहते हैं। इन रास्तों से मध्य अमेरिका और यूरोप में ड्रग्स भेजी जाती है। रक्षा मंत्री पेड्रो सांचेज ने कहा कि सरकार इन अपराधियों को कड़ा जवाब देगी। वैले डेल काउका की गवर्नर फ्रांसिस्का टोरो ने केंद्र सरकार से तुरंत मदद मांगी है। उन्होंने सुरक्षा बलों की संख्या बढ़ाने और खुफिया अभियान तेज करने की अपील की। सरकार ने विद्रोही नेता मार्लोन को पकड़ने के लिए 10 लाख डॉलर से ज्यादा के इनाम की घोषणा की है।

माली में इस्लामी उग्रवादियों ने फैलाया आतंक, कई जगहों पर हमलों को दिया अंजाम, भारत ने जारी की एडवाइजरी

माली , एजेंसी। पश्चिम अफ्रीकी देश माली की राजधानी बमाको और देश के अन्य शहरों में शनिवार को इस्लामी उग्रवादियों और अलगावावादियों ने कई स्थानों पर हमले किए। यह हाल के वर्षों में देश में हुए सबसे बड़े हमलों में से एक था। अल-कायदा से जुड़ा एक आतंकवादी समूह, जकातत नसर अल-इस्लाम वाल-मुस्लिमीन (जेएनआईएम) ने इन हमलों की जिम्मेदारी ली है।

वहीं, पश्चिम अफ्रीकी देश माली में हालिया सुरक्षा घटनाओं के मद्देनजर भारत सरकार ने वहां रह रहे अपने नागरिकों को अत्यधिक सतर्क रहने, सावधानी बरतने और घर के अंदर रहने की सलाह दी है।

भारतीय दूतावास ने जारी किए सुरक्षा बरतने के निर्देश : माली की राजधानी बमाको में स्थित भारतीय दूतावास ने एडवाइजरी जारी करते हुए कहा है, 'माली के काटी और अन्य हिस्सों में हालिया सुरक्षा घटनाओं और हमलों की रिपोर्टों के कारण देश में रहने वाले सभी भारतीय नागरिकों से अत्यधिक सतर्क रहने, अधिकतम सावधानी बरतने, घर के अंदर रहने और समय-समय पर माली के अधिकारियों द्वारा जारी निर्देशों का सख्ती से पालन करने का आग्रह करता है।'

दूतावास ने यह भी बताया कि वह माली के अधिकारियों के साथ समन्वय में उभरती स्थिति की बारीकी से निगरानी कर रहा है और आवश्यकतानुसार आगे के अपडेट जारी करेगा। दूतावास ने भारतीय नागरिकों से अपनी वेबसाइट और दूतावास के आधिकारिक सोशल मीडिया खातों के माध्यम से संपर्क में रहने का आग्रह किया है। किसी भी आपातकालीन सहायता के लिए भारतीय नागरिकों को दूतावास से +223 78486019/94793705 पर संपर्क करने की भी सलाह दी गई है।

कई जगहों पर इस्लामी उग्रवादियों ने किया हमला : जेएनआईएम ने अपनी वेबसाइट पर दावा किया कि ये हमले अजावाद लिबरेशन फ्रंट (एएलएफ) के साथ मिलकर किए गए थे, जो एक तुआरेग-नेतृत्व वाला अलगाववादी समूह है। इन हमलों में माली की राजधानी के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के साथ मध्य और उत्तरी माली के चार अन्य शहरों को निशाना बनाया गया।

माली पहले से ही अल-कायदा और इस्लामिक स्टेट समूह से जुड़े संगठनों के साथ-साथ उत्तर में एक अलगाववादी विद्रोह से जूझ रहा है। मालियाई सेना ने एक बयान में कहा कि अज्ञात सशस्त्र आतंकवादी समूहों ने बमाको में कुछ स्थानों और बैरकों को निशाना बनाया। बाद में एक अन्य बयान में सेना ने कहा कि स्थिति नियंत्रण में है।

हवाई अड्डे के पास बरसाई गोलियां : बमाको में एक समाचार एजेंसी के पत्रकार ने मोडिबो कीटा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास से भारी हथियारों और स्वचालित राइफलों की लगातार आवाजें सुनीं। हवाई अड्डा माली के वायु सेना द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले एक हवाई अड्डे के बगल में स्थित है। हवाई अड्डे के पास रहने वाले एक निवासी ने भी गोलीबारी और तीन हेलीकॉप्टरों को इलाके में गश्त करते देखा।

मजाक में कही बात हो गई सच: आज रात गोलियां चलेंगी', ट्रंप पर हमले से पहले प्रेस सचिव ने कही थी कुछ ऐसी ही बात

वॉशिंगटन , एजेंसी। वॉशिंगटन के हिल्टन होटल में व्हाइट हाउस संवाददाता डिनर के दौरान उस समय भारी अफरा-तफरी मच गई, जब अचानक गोलीबारी की घटना हो गई। कार्यक्रम में मौजूद लोगों में दहशत फैल गई और सुरक्षा एजेंसियां तुरंत हरकत में आ गईं। घटना के तुरंत बाद सुरक्षाकर्मियों ने तेजी से कार्रवाई करते हुए डोनाल्ड ट्रंप को सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया। अधिकारियों ने बाद में पुष्टि की कि ट्रंप पूरी तरह सुरक्षित हैं और उन्हें किसी तरह की चोट नहीं आई है।

इस पूरे घटनाक्रम ने सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं, क्योंकि इतने हाई-प्रोफाइल कार्यक्रम के दौरान इस तरह की चूक को बड़ी विफलता माना जा रहा है। हालांकि सुरक्षाकर्मियों की त्वरित कार्रवाई से बड़ा हादसा टल गया।

लेविट का बयान क्यों हो रहा वायरल? : हालांकि इस मामले में व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट का एक बयान खूब चर्चा में आ गया है।

जहां उन्होंने एक पत्रकार से बातचीत में मजाक-मजाक में कहा था कि आज रात गोलियां चलने वाली है। लेविन ने इस बात पर जोर दिया था कि राष्ट्रपति का भाषण क्लासिक डोनाल्ड जे. ट्रंप जैसा होगा। इस बयान को अब लोग घटना से जोड़कर देख रहे हैं और सोशल मीडिया पर चर्चा तेज हो गई है।

वहीं कार्यक्रम के प्रसारण को लेकर भी तैयारी चल रही थी और दर्शकों को टीवी पर कवरेज देखने के लिए कहा गया था। लेकिन गोलीबारी की घटना ने पूरे माहौल को बदल दिया और कार्यक्रम की सुरक्षा पर बड़ा सवालिया निशान लगा दिया। यह घटना अब जांच के घेरे में है और सुरक्षा एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि इतनी कड़ी सुरक्षा के बावजूद हमलावर अंदर तक कैसे पहुंचा या हमला करने की कोशिश कैसे हुई।

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज होकर पहले की तरह कब से गुजरेंगे जहाज? यूएस ने माइंस हटाने का काम शुरू किया

वाशिंगटन, एजेंसी। गोल्डमैन सैक्स रिसर्च ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के फिर से खुलने के कुछ ही महीनों के भीतर खाड़ी क्षेत्र का कच्चा तेल उत्पादन काफी हद तक ठीक हो सकता है। हालांकि, रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि युद्ध-पूर्व के स्तर तक पूरी तरह से वापसी में समय लग सकता है। अगर यह महत्वपूर्ण जलमार्ग बंद रहता है तथा पश्चिम एशिया में तनाव लंबे समय तक बना रहता है, तो कच्चे तेल के उत्पादन को और भी अधिक जोखिमों का सामना करना पड़ सकता है।

रिसर्च में अनुमान लगाया गया है कि खाड़ी क्षेत्र का उत्पादन युद्ध-पूर्व के स्तर की तुलना में 14.5 मिलियन बैरल प्रति दिन यानी 57% तक गिर गया है। गोल्डमैन सैक्स ने कहा है कि अगर तेल संपत्तियों पर नए सिरे से कोई हमला नहीं होता है और आने वाले महीनों में यह जलडमरूमध्य पूरी तरह से और सुरक्षित रूप से फिर से खुल जाता है, तो उत्पादन में तेजी से सुधार संभव है। उत्पादन में सुधार की गति परिवहन और कुओं से तेल निकलने की दर पर निर्भर करेगी। एक बार जब यह जलमार्ग फिर से खुल जाएगा, तो मुख्य बाधाएं पाइपलाइन की क्षमता, पहले से निकाले गए तेल को ले जाने के लिए खाली टैंकरों की उपलब्धता, और तेल क्षेत्रों में मरम्मत व रखरखाव के काम के लिए जरूरी सामग्री और कर्मचारियों को जुटाने से जुड़ी हो सकती हैं।

संघर्ष शुरू होने के बाद से खाड़ी क्षेत्र में उपलब्ध खाली टैंकरों की क्षमता में लगभग 50 फीसदी की गिरावट आई है। रिपोर्ट चेतावनी देती है कि पूरी तरह से ठीक होने में कई तिमाहियां लग सकती हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि अमेरिकी नौसेना स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से ईरानी बारूदी सुरंगों को हटाने का काम शुरू कर चुकी है। यह कदम वैश्विक तेल आपूर्ति को बहाल करने के लिए उठाया गया है, क्योंकि इस मार्ग के बंद होने से दुनिया की अर्थव्यवस्था संकट में है। समुद्र के नीचे बिछाई गई इन विस्फोटक सुरंगों को साफ करने में कम से कम 6 महीने लग सकते हैं।

कौन है कोल एलन? जिसने ट्रंप की डिनर पार्टी में बरसाई गोलियां

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के वॉशिंगटन स्थित हिल्टन होटल में आयोजित व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर से ठीक पहले हुई फायरिंग की घटना ने सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। उस समय राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी पत्नी मेलानिया ट्रंप और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के साथ कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे।एसोसिएटेड प्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, दो कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने बताया कि गोलीबारी के दौरान पकड़े गए व्यक्ति की पहचान कैलिफोर्निया के 31 वर्षीय टीचर कोल टॉमस एलन के रूप में हुई है। अधिकारियों ने उसे एक 'अकेला भेड़िया' और 'असामान्य व्यवहार वाला व्यक्ति' बताया है।डोनाल्ड ट्रंप ने घटना के बाद आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि आरोपी के पास कई हथियार थे और वह डिनर स्थल में घुसने की कोशिश कर रहा था। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों ने उसे वाशिंगटन हिल्टन के बॉलरूम के बाहर ही रोक लिया, जिससे बड़ी घटना टल गई।मेट्रोपॉलिटन पुलिस के अनुसार, आरोपी के पास से एक शॉटगन, एक हैंडगन और कई चाकू बरामद किए गए हैं। उसे रोकने के दौरान सुरक्षाबलों ने गोली चलाई, जिसके बाद उसे काबू में लेकर गिरफ्तार कर लिया गया।वॉशिंगटन डीसी की मेयर म्यूरियल बोसर ने पुष्टि की कि घटना में केवल एक ही व्यक्ति शामिल था और वह अकेले ही डिनर में घुसने की कोशिश कर रहा था। वहीं, यूएस अटॉर्नी जीनिन पिरो ने बताया कि एलन पर दो गंभीर आरोप लगाए गए हैं, जिनमें हिंसा के दौरान हथियार का इस्तेमाल और एक अधिकारी पर खतरनाक हथियार से हमला शामिल है।

दुनिया को शांति का पाठ पढ़ाने वाले पाकिस्तान में बलूच कार्यकर्ताओं पर अत्याचार

इस्लामाबाद, एजेंसी। पूरे पाकिस्तान में मानवाधिकारों को लेकर एक गंभीर और नई बहस छेड़ दी है। दुनिया को शांति का पाठ पढ़ाने वाला यह देश अब अपने ही नागरिकों पर भारी अत्याचार कर रहा है। बलूच यकजेहती कमेटी की प्रमुख सदस्य फोजिया बलोच को कराची प्रेस क्लब से पुलिस ने अचानक हिरासत में लिया है। इस मनमानी और अवैध गिरफ्तारी का देश और दुनिया के तमाम प्रमुख मानवाधिकार संगठनों ने कड़ा विरोध किया है।

फोजिया बलोच अपने परिवार के सदस्यों के साथ अपने लापता भाई का मुद्दा उठाने प्रेस क्लब पहुंची थीं। उनके भाई दादशाह बलोच को 21 अप्रैल को पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने कथित तौर पर जबरन गायब कर दिया था। लापता भाई की गुमशुदगी की शिकायत दर्ज करने से भी पुलिस ने पूरी तरह से इनकार कर दिया था। न्याय की मांग करने वाले परिवारों को डराया जा रहा है और उनकी आवाज को बेरहमी से दबाया जा रहा है।

प्रेस क्लब से गिरफ्तारी: फोजिया बलोच शनिवार को कराची प्रेस क्लब में एक महत्वपूर्ण प्रेस कॉन्फ्रेंस करने के लिए पहुंची थीं। पुलिस ने उन्हें और उनके परिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस करने से रोककर जबरन अज्ञात स्थान पर भेज दिया। बलूच यकजेहती कमेटी ने सरकार से फोजिया और उनके भाई दादशाह की तुरंत रिहाई की जोरदार मांग की है।

मानवाधिकारों का हनन : बलूच नेशनल मूवमेंट के मानवाधिकार विभाग 'पांक' ने पाकिस्तान सरकार की इस हरकत की कड़ी निंदा की है। संगठन ने कहा कि यह पीड़ित परिवारों की आवाज दबाने और उन्हें न्याय से वंचित करने की गहरी साजिश है। अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संस्थाओं से पाकिस्तान की जवाबदेही तय करने की पुरजोर और गंभीर अपील की गई है।

महिलाओं पर अत्याचार : बलूच स्टूडेंट्स ऑर्गेनाइजेशन आजाद ने अधिकारियों पर महिलाओं को गायब करने को सामान्य बनाने का आरोप लगाया है। संगठन के प्रवक्ता शोलन बलोच ने दावा किया कि इस साल करीब दो दर्जन बलूच महिलाओं को उठाया गया है। क्वेटा, कराची और खुजदार जैसे कई अलग-अलग इलाकों से महिलाओं को जबरन उठाकर कड़ी प्रताड़ना दी जा रही है।

आवाज दबाने की कोशिश : बलूच वॉयस फॉर जस्टिस ने स्पष्ट कहा है कि पाकिस्तान में असहमति के लिए सार्वजनिक जगह बहुत कम हो गई है। लापता लोगों की जानकारी मांगने वाले दुखी परिवारों को लगातार डराया और धमकाया जा रहा है। झूठे नैरेटिव गढ़कर बलूचिस्तान के शांतिपूर्ण आंदोलन को हर स्तर पर कमजोर करने की कोशिशें की जा रही हैं।

पुलिस का रवैया : दादशाह बलोच के अपहरण के बाद परिवार ने तुरंत पुलिस में मामला दर्ज कराने की पूरी कोशिश की थी। पुलिस ने इस गंभीर मामले में किसी भी तरह की कानूनी शिकायत या रिपोर्ट लिखने से साफ मना कर दिया। इस रवैये से साफ जाहिर होता है कि सुरक्षा बल ही इन अपहरण की घटनाओं के पीछे मुख्य रूप से जिम्मेदार हैं।

आंदोलन का भविष्य : फोजिया बलोच की रिहाई के लिए अब बड़ी संख्या में लोग अपना भारी विरोध जताने के लिए सड़कों पर उतर आए हैं। बलूच समुदाय का यह दर्द और आक्रोश अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मानवाधिकार संगठनों का ध्यान भी खींच रहा है। अगर पाकिस्तान ने इस अत्याचार को नहीं रोका तो देश के भीतर बुनियादी अधिकारों का एक भयानक संकट खड़ा हो जाएगा।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/vz, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.